CMYK

दैनिक

जयपुर,सीकर, झुंझुनूं, चुरू,नागौर एवं अलवर से एक साथ प्रकाशित

जयपुर टाइम्स

नई सोच नई रफ्तार

jaipurtimes.org
twitter.com/JaipurTimes2
dainikjaipurtimes
youtube.com/c/JaipurTimes
instagram.com/jaipurtimesjt

वर्ष : 10 | अंक : 36 | ■ डाक पंजीयन संख्या : जयपुर सिटी / 007/2017-19 | जयपुर, मंगलवार 25 फरवरी, 2025 | ■ RNI.No.RAJHIN/2016/70162 | ■ मूल्य : 1.5 रुपए | ■ पृष्ठ : 8+2

न्यूज इनबॉक्स

दिल्ली विधानसभा में अंबेडकर और भगत सिंह की फोटो हटाने पर हंगामा

जयपुर टाइम्स

नई दिल्ली। दिल्ली की 8वीं विधानसभा का पहला सत्र सोमवार को शुरू हुआ। इसकी शुरुआत हंगामे के साथ हुई। विपक्ष की नेता आतिशी ने सत्ता पक्ष की भाजपा सरकार पर बाबा साहेब अबेडकर और शहीद भगत सिंह की फोटो हटाने का आरोप लगाया। आतिशी ने कहा कि %भारतीय जनता पार्टी की दलित विरोधी मानसिकता जगजाहिर है। आज उसकी दलित विरोधी मानसिकता का सबूत पेश हुआ है। अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली सरकार के हर दफ्तर में बाबा साहेब आंबेडकर और शहीद भगत सिंह की फोटो लगाई थी। जब से भाजपा सत्ता में आई है, मुख्यमंत्री कार्यालय से इन दोनों महापुरुषों की फोटो हटा दी हैं। इससे पता चलता है कि भाजपा दलित विरोधी, सिख विरोधी पार्टी है। उधर, भाजपा ने सीएम दफ्तर की तस्वीर जारी कर कहा कि किसी भी महापुरुष की तस्वीर हटाई नहीं गई है। विधानसभा में प्रोटेम स्पीकर अरविंदर सिंह लवली ने कार्यवाही शुरू कराई। सबसे पहले मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने विधानसभा में शपथ ली। फिर एक-एक कर नवनिर्वाचित विधायकों ने शपथ ग्रहण की। इस दौरान विजेंद्र गुप्ता दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष चुने गए। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने उनके नाम का प्रस्ताव सदन में रखा। जिसके बाद विजेंद्र को स्पीकर चुना गया। विधानसभा में हंगामे के बीच कार्यवाही 15 मिनट के लिए स्थगित कर दी गई। सदन की बैठक में हंगामे के दौरान विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने 15 मिनट के लिए सदन स्थगित कर दिया।

कूड़ा प्रबंधन पर सुप्रीम कोर्ट ने एनसीआर राज्यों से मांगी रिपोर्ट

जयपुर टाइम्स

नई दिल्ली(एजेंसी.)। सुप्रीम कोर्ट ने कूड़ा प्रबंधन को लेकर एनसीआर के राज्यों से जवाब तलब किया है। अदालत ने सोमवार को कहा कि

कचरे को स्रोत पर ही अलग -अलग करना पर्यावरण के लिए महत्वपूर्ण है। जस्टिस अभय एस ओका और उज्जवल भुइयां की पीठ ने कहा कि ठोस कूड़ा प्रबंधन 2016 के नियमों का पालन न होने से देश के कई शहर प्रभावित हो रहे हैं।

पीठ ने कहा कि हम देख रहे हैं स्मार्ट सिटी परियोजनाओं का काम तेजी से चल रहा है, लेकिन ठोस कूड़ा प्रबंधन नियमों का पालन किए बिना शहरों को स्मार्ट कैसे बनाया जा सकता है? कोर्ट ने एनसीआर में आने वाले राज्य दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान से कूड़ा प्रबंधन नियमों का पालन न करने पप जवाब मांगा। कोर्ट ने कहा कि अगर कूड़े को सही तरीके से अलग नहीं किया जाएगा, तो कूड़े से बिजली बनाने वाली परियोजनाएं अधिक प्रदूषण पैदा करेंगीं। प्रदूषण मामले को लेकर वरिष्ठ अधिवक्ता अपराजिता सिंह ने एनसीआर में ठोस कूड़ा प्रबंधन में कचरे को अलग-अलग न किए जाने पर चिंता जताई। इस पीठ ने कहा कि वरिष्ठ अधिवक्ता का कहना सही है कि कूड़े को स्रोत पर ही अलग- अलग कर देना पर्यावरण के लिए महत्वपूर्ण है।

किसान कल्याण सरकार की प्राथमिकता : भजनलाल

राजस्थान के 72 लाख किसानों के खातों में 1400 करोड़ हस्तांतरित

विकसित भारत के निर्माण में कृषकों का उत्थान महत्वपूर्णः मोदी

जयपुर टाइम्स

जयपुर (कासं.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि किसान कल्याण केन्द्र सरकार की प्राथमिकता है। किसानों को अच्छा बीज, सस्ती एवं पर्याप्त खाद, सिंचाई की सुविधा, पशुओं को बीमारी में रखरखाव, आपदा के समय नुकसान से सुरक्षा के लिए और किसानों की आय बढ़ाने के लिए केन्द्र सरकार हर स्तर पर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि हम विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने के लिए गरीब, अन्नदाता किसान, युवा शक्ति तथा महिलाओं के कल्याण के लिए प्रतिबद्धता के साथ काम कर रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी सोमवार को बिहार के भागलपुर से किसान सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान प्रधानमंत्री ने बटन दबाकर प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत देशभर में 9 करोड़ 80 लाख किसानों को 22 हजार करोड़ रुपये की राशि हस्तांतरित की। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने कहा कि पीएम किसान सम्मान निधि योजना 6 वर्ष पहले शुरू की गई थी। अब तक 3 लाख 70 हजार करोड़ रुपये सीधे किसानों के खातों में पहुंच चुके हैं। हमारी सरकार की ओर से पीएम फसल बीमा योजना भी शुरू की गई जिससे आपदा के समय किसानों को बीमा क्लेम वितरित किए गए। साथ ही, लखपति दीदी योजना के तहत अब तक सवा करोड़ लखपति दीदी बन चुकी हैं। उन्होंने कहा कि बीते दशक में दुग्ध उत्पादन भी 14 करोड़ टन से बढ़कर 24 करोड़ टन हो गया है। वर्तमान में दुग्ध उत्पादन में भारत का विश्व में प्रथम स्थान है।

किसानों के कल्याण में कोई कसर नहीं छोड़ेंगेः भजनलाल

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जयपुर के राज्य कृषि प्रबंधन संस्थान में आयोजित राज्य स्तरीय किसान सम्मान समारोह से वीसी के माध्यम से राष्ट्र स्तरीय कार्यक्रम से जुड़े। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि हमारी सरकार किसानों-पशुपालकों के कल्याण के लिए समर्पित होकर कार्य कर रही है। अन्नदाता की सेवा, उन्नति और खुशहाली को एकमात्र ध्येय मानकर राज्य सरकार ने नीतिगत निर्णय लिए हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के किसान कल्याण और उत्थान के संकल्प को पूरा करने में हम कोई कोर कसर नहीं छोड़ेंगे। शर्मा ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत लाभान्वित किसानों को बधाई देते हुए कहा कि योजना के तहत सोमवार को प्रदेश के 72 लाख से अधिक किसानों के खातों में 1 हजार 400 करोड़ रुपये से अधिक की राशि 19वीं किस्त के रूप में हस्तांतरित की गई है। उन्होंने कहा कि आज का यह समारोह प्रधानमंत्री के किसानों को खुशहाल बनाने के संकल्प और समर्पण की एक मिसाल है। देश को प्रधानमंत्री की गारंटी पर पूरा भरोसा है।

भारत में बढ़ा कृषि निर्यात, किसानों को उपज की मिल रही अधिक कीमतः

प्रधानमंत्री ने कहा कि केन्द्र सरकार की ओर से मछली पालकों के लिए भी पहली बार किसान क्रेडिट कार्ड की सुविधा शुरू की गई है। भारत में कृषि निर्यात बढ़ा है और किसानों को उनकी उपज की अधिक कीमत मिलने लगी है। किसानों की ओर से बने उत्पाद दुनियाभर तक पहुंचे, इसके लिए सरकार नए-नए कदम उठा रही है। केन्द्रीय बजट में भी इसी विजन को आगे बढ़ाया गया है। इस वर्ष के बजट में पीएम धन-धान्य योजना की शुरूआत की गई है। इसके तहत 100 कम फसल उत्पादन वाले जिलों में विशेष अभियान चलाया जाएगा जिससे वहां कृषि उत्पादन को बढ़ावा मिले। मोदी ने खुशी जताई कि केन्द्र सरकार की ओर से 10 हजार किसान उत्पादन संघ (एफपीओ) के लक्ष्य को प्राप्त किया जा चुका है जिसमें 40 प्रतिशत महिलाएं हैं।

बजट में किसानों को संबल देने के लिए अनेक प्रावधानः

शर्मा ने कहा कि बजट में किसानों के लिए अनेक प्रावधान किए गए हैं ताकि किसानों की समृद्धि की राह खुल सके। बजट में करीब 34 हजार सौर संयंत्रों की स्थापना के लिए वित्तीय सहायता, ड्रिप व फव्वारा सिंचाई के लिए अनुदान के प्रावधान, आगामी वित्त वर्ष में 25 हजार फार्म पौंड, 10 हजार डिग्गी, 50 हजार सौर पंप संयंत्र और 20 हजार किलोमीटर सिंचाई पाइप लाइन के लिए 900 करोड़ रुपये के अनुदान के प्रावधान किए गए हैं। इन योजनाओं से प्रदेश के 4 लाख किसान लाभान्वित होंगे।

मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना से 70 लाख किसान लाभान्वितः

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने इस बजट में अन्नदाता को संबल देने के लिए किसान सम्मान निधि की राशि को बढ़ाकर 9 हजार रुपये करने की घोषणा की है। अब तक मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत 70 लाख से अधिक किसानों को 1 हजार 355 करोड़ रुपये से अधिक की राशि हस्तांतरित की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने लगभग 46 लाख से अधिक किसानों को 25 हजार करोड़ रुपये से अधिक के अल्पकालिक फसली ऋण उपलब्ध कराए हैं। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत हमारी सरकार की ओर से योजना के तहत लगभग 3100 करोड़ रुपये के बीमा क्लेम वितरित किए जा चुके हैं।

श्री अन्न बाजरा के उत्पादन में राजस्थान प्रथम

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान श्री अन्न बाजरे के उत्पादन में देशभर में पहले स्थान पर है। प्रधानमंत्री के प्रयासों से इसके उत्पादन में किसानों को बहुत फायदा मिल रहा है। राज्य सरकार की ओर से प्रदेश में मिड-डे-मील कार्यक्रम और मां-बाड़ी केंद्रों में पायलट आधार पर श्री अन्न आधारित उत्पाद और हर जिले में मिलेट्स उत्पाद आउटलेट खोले जाएंगे। उन्होंने कहा कि किसानों के लिए अगले वित्त वर्ष में ग्लोबल राजस्थान एग्री टेक मीट का आयोजन, ढाई लाख गोपालक परिवारों को ब्याज मुक्त ऋण, आगामी 2 वर्षों में शेष रहे ढाई हजार से अधिक ग्राम पंचायत मुख्यालयों पर जीएसएस के साथ ही 8 नए जिलों में केवीएसएस की स्थापना भी की जाएगी। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कृषक कल्याण की विभिन्न योजनाओं के तहत किसानों को चैक वितरित किए। इससे पहले मुख्यमंत्री ने कृषि विभाग की ओर से आयोजित प्रदर्शनी का फीता काटकर शुभारम्भ किया। उन्होंने कृषि संबंधी विभिन्न विभागों की ओर से लगाई गई स्टॉल व प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। इस अवसर पर कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा, सहकारिता राज्य मंत्री गौतम कुमार दक, सांसद मंजू शर्मा, सहकारिता सचिव मंजू राजपाल, कृषि सचिव राजन विशाल सहित अधिकारी व बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

डॉ. सतीश पूनिया ने अयोध्या में प्रभु श्रीराम के किए दर्शन

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में प्राण प्रतिष्ठा को बताया अद्भुत

जयपुर टाइम्स

अयोध्या(एजेंसी.)। भाजपा हरियाणा प्रभारी, भाजपा राजस्थान पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ.

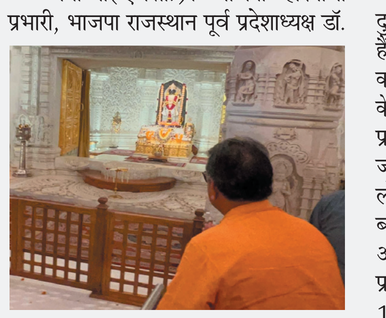

सतीश पूनियां ने धर्मपत्नी मोहिनी पूनिया के साथ अयोध्या में प्रभु श्रीराम के दर्शन कर देशवासियों की खुशहाली की कामना की। सतीश पूनियां ने कहा कि, सदियों के लम्बे इंतजार के बाद अयोध्या में भव्य, दिव्य और अलौकिक मंदिर में प्रभु श्रीराम को उनके स्थान पर विराजमान देख हृदय अत्यंत भावविभोर है, भगवान श्रीराम के दिव्य दर्शन मेरे लिए अविस्मरणीय क्षण हैं, यह देश दुनिया में बसे हिंदुओं के लिए गर्व के क्षण हैं। प्रभु श्रीराम से राष्ट्र की निरंतर प्रगति की कामना करता हूं। सतीश पूनियां ने प्रभु श्रीराम के चरणों में वंदन कर कहा कि अयोध्या में प्रभु श्रीराम के दर्शन कर पुरानी स्मृतियां जीवंत हुई, 500 वर्षों का संघर्ष और लाखों लोगों का बलिदान हुआ, लेकिन बलिदान के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अयोध्या में भगवान श्रीराम मंदिर की जो प्राण प्रतिष्ठा हुई, वह अद्भुत है। उन्होंने कहा कि 1990 और 1992 की कार सेवा का साक्षी बनने का मुझे सौभाग्य प्राप्त हुआ, इतने लंबे संघर्ष के बाद भगवान राम को इस अलौकिक रूप में देखकर अदभुद है, इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और आस्थावान भारतीय जनता पार्टी की सरकार को कोटि कोटि धन्यवाद देता हूँ।

डिप्टी सीएम दिया कुमारी के निर्देश पर पर्यटन विभाग कर रहा खास कवायद

‘पावणों’ के लिए होगा मोबाइल एप तैयार

पर्यटक मोबाइल ऐप तैयार करने और विरासत म्यूजियम बनाने के लिए प्रस्तुतिकरण

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। पधारो म्हारे देस.... अब मरूधरा में आने वाले पर्यटकों के लिए उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने अनूठी पहल की है। और अधिक पर्यटक आकर्षित हो सके इसकी कवायद करने के लिए दिया कुमारी ने पर्यटन विभाग को निर्देश दिए हैं। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी के निर्देशों पर पर्यटन विभाग अब राजस्थान आने वाले पर्यटकों के लिए मोबइल ऐप तैयार करवा रहा है। वहीं जयपुर स्थित राजस्थान स्कूल ऑफ आर्ट को विरासत म्यूजियम बनाया जाएगा। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी के समक्ष शासन सचिव पर्यटन रवि जैन की उपस्थिति में सोमवार को सचिवालय में प्रस्तुतिकरण दिया गया। उपमुख्यमंत्री ने

अधिकारियों को निर्देश दिए कि राजस्थान आने वाले पर्यटकों की सुविधा के लिए ऐसा ऑनलाइन ऐप तैयार किया जिससे राजस्थान आने वाले पर्यटक ऐप के माध्यम से सभी तरह की पर्यटन सूचनाएं प्राप्त कर सके साथ ही पर्यटन सम्बंधित मदद भी प्राप्त कर सके। दिया कुमारी ने जयपुर स्थित राजस्थान स्कूल ऑफ आर्ट में विरासत म्यूजियम बनाने के लिए प्रस्तुतिकरण देखने के दौरान आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए की राजस्थान की विरासत कलाओं, कलाकृतियों और कलाकारों को इस विरासत म्यूजियम के माध्यम से संरक्षण दिया जाए। वहीं आम जन और पर्यटक राजस्थान की अनूठी कला संस्कृति से परिचित हो सके। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने पर्यटन विभाग से सम्बंधित बजट घोषणाओं पर बिंदुवार चर्चा कर उनके क्रियान्वयन के सम्बन्ध में आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बजट घोषणाओं की समयबद्ध पालना सुनिश्चित की जाए।

विधानसभा के बाहर कांग्रेस का प्रदर्शन

‘दादी’ शब्द के विरोध में उग्र हुए ‘गांधीवादी’

जयपुर टाइम्स

जयपुर (कासं.)। राजस्थान विधानसभा में मंत्री अविनाश गहलोत की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी पर की गई विवादित टिप्पणी पर हुए हंगामे और छह कांग्रेसी विधायकों के निलंबन के विरोध में सोमवार को राजधानी में कांग्रेस कार्यकर्ताओं का विरोध प्रदर्शन उग्र हो गया। विधानसभा घेराव करने निकले कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच जमकर धक्का- मुक्की हुई। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए 22 गोदाम सर्किल पर बैरिकेडिंग की, जहां कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच तीखी झड़प देखने को मिली। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सरकार विरोधी नारेबाजी की। पुलिस ने सख्ती दिखाते हुए प्रदर्शनकारियों को खदेड़ा और एक-एक कर हिरासत में लिया। बैरिकेडिंग के बीच बने कांग्रेस मंच से नेताओं ने कार्यकर्ताओं को संबोधित किया और सरकार पर निशाना साधा। प्रदर्शनकारी सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर रहे थे, लेकिन 22 गोदाम सर्किल स्थित भारत पेट्रोल पंप के पास पुलिस ने बैरिकेड्स लगाकर मार्च को रोक दिया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए पुलिस ने हल्का बल प्रयोग किया और कई कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया। कांग्रेस के नेताओं ने बैरिकेडिंग के बीच बने मंच से कार्यकर्ताओं को संबोधित किया और सरकार पर लोकतांत्रिक आवाज दबाने का आरोप लगाया। पुलिस ने राजधानी में कानून -व्यवस्था बनाए रखने के लिए भारी सुरक्षा बल तैनात किया है। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है, जबकि कांग्रेस कार्यकर्ता सरकार के खिलाफ अपने आंदोलन को तेज करने की बात कह रहे हैं। गौरतलब है कि राजस्थान विधानसभा में सरकार के मंत्री अविनाश गहलोत की ओर से इंदिरा गांधी को दादी कहे जाने के बाद सदन में हंगामा हो गया था। पिछले तीन दिनों से कांग्रेस इस मुद्दे को लेकर सदन के भीतर और पूरे राज्य में विरोध प्रदर्शन कर रही है।

अब टूटेगा गतिरोध, कांग्रेस विधायकों का निलंबन जल्द होगा वापस!

जयपुर टाइम्स

जयपुर (कासं.)। विधानसभा में जल्द सभी 6 विधायकों का निलंबन वापस लिया जा सकता है। इसके साथ ही पिछले तीन दिन से चल रहा गतिरोध खत्म हो सकता है। बता दें कि सोमवार को प्रश्नकाल की कार्रवाई शुरू होते ही हंगामा हो गया। स्पीकर वासुदेव देवनानी ने कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंदसिंह डोटासरा समेत निलंबित 6 विधायकों को सदन से जाने को कहा। लेकिन निलंबित विधायक सदन में डटे रहे। हंगामे के चलते सदन की कार्रवाई स्थगित कर दी गई। हालांकि सूत्रों का कहना है कि यह विरोध अब सांकेतिक ही है। कार्रवाई स्थगित होने के बाद सत्ता पक्ष और प्रतिपक्ष दोनों वार्ता के लिए स्पीकर के चैंबर में पहुंच गए। विधानसभा में कांग्रेस विधायक दल की बैठक में सोमवार सुबह आगे की रणनीति बनाई गई। बैठक के बाद नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली से संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल और गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म मिले। देर रात भी दोनों मंत्रियों ने कांग्रेस विधायकों से गतिरोध तोड़ने पर वार्ता की थी। सोमवार को विधानसभा की कार्रवाई शुरू होते ही कांग्रेस विधायकों ने हंगामा शुरू कर दिया। कांग्रेस विधायक वैल में नारेबाजी करने लगे। हंगामे और नारेबाजी के बीच ही प्रश्नकाल की कार्रवाई जारी रही। स्पीकर ने कहा जिन्हें निलंबित किया है वे सदन से बाहर चले जाएं, लेकिन निलंबित 6 विधायकों ने इस पर ध्यान नहीं दिया। हंगामा बढ़ते देख सदन की कार्रवाई को स्थगित कर दिया गया। गौरतलब है कि कांग्रेस विधायकों का सदन में धरना सोमवार को चौथे दिन भी जारी रहा। कांग्रेस विधायकों ने लगातार तीन रात सदन में ही गुजारी। सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत की इंदिरा गांधी पर की गई टिप्पणी के बाद बना गतिरोध कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा सहित 6 विधायकों को निलंबित करने के बाद विवाद बढ़ गया था।

CMYK

एसीईओ द्वारा प्रधान को गाली देने का मामला, सरपंचों ने उपखंड अधिकारी के नाम दिया ज्ञापन

जयपुर टाइम्स

कोटकासिम(निस)। कोटकासिम प्रधान डॉ विनोद कुमारी सांगवान ने कार्यवाहक एसीईओ संजय यादव पर अमर्यादित भाषा व गाली देने के मामले में विभिन्न सरपंचों ने उपखंड अधिकारी के नाम ज्ञापन सौंपा और एसीईओ पर कार्यवाही की मांग की

मुख्यमंत्री जन आवास योजना के तहत आवेदन शुरू

जयपुर टाइम्स

अलवर(निस)। केंद्र व राज्य सरकार के शहरी विकास मंत्रालय द्वारा हर शहरी नागरिक को आवास उपलब्ध कराने की दृष्टि से मुख्यमंत्री जन आवास के अंतर्गत अलवर शहर में 200 फीट रोड पर उत्कृष्ट परियोजना विकसित की जा रही है। परियोजना के अंतर्गत बेहद सुलभ आवासीय दरो पर पूर्ण रूप से विकसित 250 से अधिक फ्लैटो उपलब्ध कराए जा

रहे हैं। परियोजना का अनुमोदन राज्य सरकार, नगर विकास न्यास एवं रेरा द्वारा किया जा चुका है। इस परियोजना के अंतर्गत रिहायशी फ्लैटो के अतिरिक्त व्यावसायिक क्षेत्र, खेलकूद का स्थान, मंदिर,24 घंटे पावर बैकअप, दिन और रात सुरक्षा, निर्वाण रूप से जल आपूर्ति जैसी अनेकों सुविधा भी विकसित की जा रही है। परियोजना में निर्माण एवं विकास कार्य अंतिम चरण में चल रहे हैं एवं कुछ ही दिनों में सफल आवंटीयों को इसका रिहायाश के लिए कब्जा प्राप्त हो जाएगा इस परियोजना का एक आकर्षक इसकी भौगोलिक स्थिति भी है जहां से भगत सिंह चौराहा केवल 3.5 किलोमीटर, रेलवे स्टेशन 3 किलोमीटर, प्रस्तावित नया बस स्टैंड 1.5 किलोमीटर, प्रस्तावित मेट्रो स्टेशन 500 मीटर, प्रस्तावित दिल्ली मुंबई एक्सप्रेस हाईवे का जलेबी चौक 5 किलोमीटर, मत्स्य औद्योगिक क्षेत्र 7 किलोमीटर, प्रमुख अस्पताल में स्कूल कॉलेज 2 से 3 किलोमीटर के दायरे में है परियोजना के शेष फ्लैटो मे से 8 (v- BHk) स्टूडियो एवं 35 (x BHK) इकाइयों के लिए आवेदन लिया जा रहा है। आवेदन अवधि 22 फरवरी से शुरू होकर 5 मार्च को समाप्त हो रही है। आवेदक (WWW.JANAWAS.ORG) पर लॉगिन करके अपनी पसंद की इकाई के लिए आवेदन शुल्क जमा कर सकते हैं। परियोजना स्थल पर देखने के लिए प्रातः 10 00 बजे से 6ः00 बजे तक सैंपल फ्लैट की विजिट की जा सकती है। आवंटन 6 मार्च को लॉटरी के माध्यम से किया जाएगा एवं सरकार द्वारा सफल आवंटियों को 1,80, 000/- रुपए तक सब्सिडी की पात्रता भी होगी।

जिला कलक्टर की अध्यक्षता में साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित

राज्य सरकार के निर्देशानुसार बजट घोषणाओं का समयबद्ध क्रियान्वयन हो सुनिश्चित- जिला कलक्टर

जयपुर टाइम्स

खैरथल तिजारा(निस)। जिला कलक्टर किशोर कुमार की अध्यक्षता में सोमवार को जिला कलेक्ट्रेट सभागार में विभिन्न विभागों की साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित हुई। जिला कलेक्टर ने कहा कि राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप सभी घोषणाओं का क्रियान्वयन समयबद्ध रूप से किया जाना सुनिश्चित करें। बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन के लिए भूमि आवंटन संबंधी कार्यों के प्रस्ताव अविलंब तैयार कर लिए जाएं और इसके लिए जिला कलेक्टर एवं उच्च स्तर से समन्वय रखा जाए। घोषणाओं के समयबद्ध क्रियान्वयन में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं हो। जिला कलेक्टर ने जिले से संबंधित सभी बजट घोषणाओं की एक-एक कर समीक्षा की और अब तक की प्रगति जानी। उन्होंने कहा कि उच्च स्तर पर इनकी नियमित समीक्षा होगी।

जिला कलेक्टर ने विभागवार प्रत्येक बजट घोषणा की चर्चा करते हुए कहा कि जिला स्तर पर भी इनकी नियमित समीक्षा की जाए। प्रत्येक विभाग से बजट

घोषणा की टाइमलाइन लेकर लक्ष्य के अनुरूप कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने मंगल पशु योजना की समीक्षा की जिसमें पशुपालन अधिकारी ने बताया कि जिले को दिए गए लक्ष्य का लगभग 111% पंजीकरण किया जा चुका है। जिला कलक्टर ने पीएचईडी को नियमित रूप से शुद्ध पेयजल आपूर्ति बनाये रखने, जेजेएम के तहत लक्ष्यानुरूप नल कनेक्शन पूर्ण करने के लिए कहा। उन्होंने समाज कल्याण विभाग को पालनहार व पेंशन सत्यापन शत प्रतिशत पूर्ण करने, विद्युत विभाग को विभागीय योजनाओं के अनुसार पात्र लोगों को लाभान्वित करने एवं प्रस्तावित जीएसएस की प्रगति की समीक्षा भी की। उन्होंने बिजली सप्लाई एवं ट्रांसफार्मर बदलने की अवधि की जानकारी प्राप्त कर तय समय सीमा के भीतर ट्रांसफार्मर बदलने एवं सुचारू सप्लाई उपलब्ध कराने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

उन्होंने चिकित्सा विभाग को मौसमी बीमारियों की रोकथाम की निरन्तर मॉनिटरिंग करते हुए अस्पतालों में सुविधाऐं बढाने, मरीजों को सरकारी योजनाओं का लाभ देने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान अतिरिक्त जिला कलेक्टर शिवपाल जाट, अधिशासी अभियंता सार्वजनिक निर्माण विभाग आदेश, समाज कल्याण अधिकारी रमेश दहमीवाल, नगर परिषद खैरथल आयुक्त मुकेश शर्मा, कोऑपरेटिव, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अरविंद गेट, एलडीएम अनुपम नैथानी, जेएममओ संदीप कुमार मीणा, खनिज विभाग, इरिगेशन, राजीविका, बिजली, कृषि, वन, ट्रांसपोर्ट, शिक्षा, सहित अन्य विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

ए. सी. रिपेयरिंग और सर्विस का दिया निःशुल्क प्रशिक्षण

जयपुर टाइम्स

अलवर(निस)। पंजाब नेशनल बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (पीएनबी आरसेटी) के निदेशक जे पी मीणा ने बताया कि इस संस्थान द्वारा अब तक 6917 महिलाओं व पुरुषों को प्रशिक्षण दिया गया जिसमे से 4820 स्वयं का रोजगार कर रहे हैं। यह संस्थान महिलाओं व पुरुषों को कई तरह के निशुल्क प्रशिक्षण प्रदान करने का कार्य करता है ग्रामीण इलाको से आने वाले पुरुषो के लिए एयर कंडीशनर रिपेयरिंग और सर्विस का 30 दिवसीय निःशुल्क प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन पीएनबी आरसेटी अलवर में मार्च माह के द्वितीय सप्ताह में किया जाएगा जिसमे प्रशिक्षणकर्ता की रहने और खाने की भी निशुल्क व्यवस्था रहेगी। जो भी प्रशिक्षण प्राप्त करने के इच्छुक हो वो संस्थान के कार्यालय से प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए आवेदन कर सकते है, अधिक जानकारी के लिए कार्यालय के टेलीफोन नंबर ः-0144-2940830, 9462194801 पर प्रातः 10.00 बजे से 5.00 बजे तक संपर्क कर सकते है आवेदनकर्ता की उम्र 18 से 45 वर्ष हैं हो अलवर जिले के किसी गाँव के स्थाई निवासी हो शैक्षणिक योग्यता कम से कम 8 वी पास बी पी एल, मनरेगा, खाद्य सुरक्षा प्राप्त परिवार, स्वयं सहायता समूह, प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री अन्तोदय योजना के अंतर्गत आते हो।

विधायक ने स्थानीय युवाओं को औद्योगिक इकाइयों में रोजगार देने की मांग की

जयपुर टाइम्स

बहरोड(निस)। राजस्थान विधानसभा में बहरोड़ विधायक डॉ. जसवंत यादव ने क्षेत्र के स्थानीय युवाओं को औद्योगिक इकाइयों में रोजगार देने की मांग उठाई उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि बहरोड़ और आसपास की औद्योगिक इकाइयों में स्थानीय युवाओं को प्राथमिकता दी जाए, जिससे क्षेत्र में रोजगार के अवसर बढ़ें इसके साथ ही, उन्होंने जापानी और कोरियाई औद्योगिक इकाइयों के विस्तार को लेकर भी सवाल किया और जानना चाहा कि विदेशी निवेश को बढ़ाने और नई औद्योगिक इकाइयों की स्थापना के लिए सरकार क्या कदम उठा रही है इस पर उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने आश्वासन दिया कि बहरोड़ सहित राजस्थान में औद्योगिक विकास को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार प्रयासरत है। उन्होंने बताया कि यदि कोई उद्योग स्थानीय लोगों को रोजगार देता है, तो उनके ईएसआई और पीएफ में नियोक्ता द्वारा दिए जाने वाले अंशदान का 50त्न राज्य सरकार वहन करती है यदि 75त्न से अधिक रोजगार स्थानीय युवाओं को दिया जाता है, तो सरकार 100त्न अंशदान देती है। साथ ही, राज्य सरकार स्किल डेवलपमेंट पर भी विशेष जोर दे रही है, ताकि स्थानीय युवाओं को बेहतर रोजगार के अवसर मिल सकें डॉ. जसवंत यादव लगातार बहरोड़ के विकास और प्रगति से जुड़े मुद्दे विधानसभा में उठा रहे हैं। उनके प्रयासों से क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण

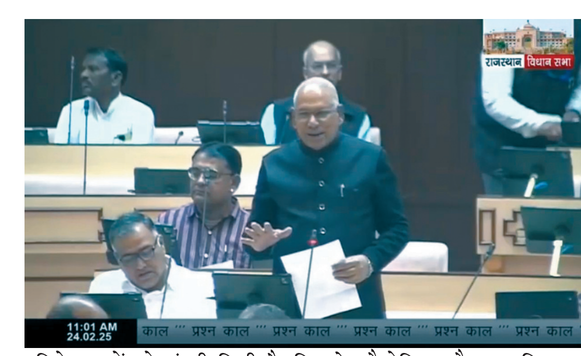

परियोजनाओं को मंजूरी मिली है, जिससे औद्योगिक और सामाजिक ढांचा मजबूत होगा स्थानीय जनता को विश्वास है कि जो मुद्दे पहले अनदेखे रह जाते थे, वे अब प्राथमिकता के साथ उठाए जा रहे हैं। इससे क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर सृजित हो रहे हैं और जनजीवन में सकारात्मक बदलाव आ रहा है डॉ. जसवंत यादव अपने क्षेत्र के विकास और युवाओं के भविष्य को संवारने के लिए पूरी तरह समर्पित हैं। उनका लक्ष्य बहरोड़ को एक समृद्ध औद्योगिक हब के रूप में विकसित करना है, जिससे स्थानीय युवाओं को अधिक अवसर और उज्जवल भविष्य मिल सके।

धूमधाम से मना स्कूल का वार्षिकोत्सव, रंगारंग प्रस्तुति से बच्चों ने लोगों का मन मोहा

जयपुर टाइम्स

राजगढ़(निस)। कस्बे के राजकीय बालिका उच्च प्राथमिक विद्यालय न. 2 राजगढ़ में वार्षिकोत्सव, भामाशाह एवं प्रतिभावान विद्यार्थियों का सम्मान समारोह का आयोजन नगरपालिका अध्यक्ष सतीश दुहारिया के मुख्य आतिथ्य में आयोजित हुआ।

कार्यक्रम की अध्यक्षता अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी कमल कुमार मीना ने

की। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि नगरपालिका पार्षद धर्मचंद सैनी, गौरव कसेरा, कन्हैयालाल, पूर्व नगरपालिका उपाध्यक्ष प्रदीप शर्मा, राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित शिक्षक प्रहलाद गुरूजी, राज्यपाल अवार्ड से सम्मानित नंदलाल बैरवा, मनोहर लाल यादव, पुष्पा विरमानी, भारत विकास परिषद की अध्यक्ष पदमा गोयल, वीरेंद्र दाधीच रहे। अतिथियों द्वारा कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलित कर व माल्यार्पण कर किया। विद्यालय के संस्था प्रधान नरेश कुमार सैनी ने विद्यालय का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत कर विद्यालय के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में अतिथियों का विद्यालय स्टाफ द्वारा माला व साफा पहनाकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय की बालिकाओं द्वारा एक से बढ़कर एक देशभक्ति व राजस्थानी लोकगीतों पर सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। विद्यालय की नन्ही मुन्नी बच्चों के द्वारा नृत्य, नाटक तथा देशभक्ति गीतों पर अपनी कला का प्रदर्शन किया।

राजस्थान स्टेट स्काउट एंड गाइड फैलोशिप

निःशुल्क बी पी एवं शुगर कैंप के बाद हुआ मीटिंग का आयोजन, की विकास पर चर्चा

जयपुर टाइम्स

अलवर(निस)। अलवर जिला स्काउट एंड गाइड फेलोशिप के तहत मासिक निःशुल्क बी पी एवं शुगर कैंप के बाद रविवार को मीटिंग का आयोजन हुआ। जिसमें राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, नया बास, काला कुआं, अलवर में संस्था सदस्यों की प्रेरणा से भामाशाह द्वारा करवाए जा कार्य तथा सदस्यों द्वारा खेल मैदान विकसित करने पर विचार विमर्श किया गया। जिसमें हरीश कालरा ने बताया कि

भामाशाह द्वारा स्कूल में लगभग 5 लाख रुपए की लागत से मंच, सभा स्थल और बैडमिंटन कोर्ट का कार्य करवाया जा रहा है।

कृषि विज्ञान केंद्र नौगांवा में भव्य किसान सम्मान समारोह का हुआ आयोजन

लाभार्थियों से संवाद कर सरकार द्वारा संचालित योजनाओं की दी जानकारी

जयपुर टाइम्स

अलवर(निस)। कृषि विज्ञान केंद्र नौगावां (अलवर) में जिला स्तरीय किसान सम्मान समारोह कार्यक्रम आयोजित होगा जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भागलपुर बिहार से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 19वीं किश्त लाभार्थियों को हस्तांतरित की तथा लाइव टेलीकास्ट के माध्यम से प्रधानमंत्री मोदी ने किसानों को संबोधित किया और सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्रदान की।

इस दौरान रामगढ विधायक सुखवंत सिंह ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (पीएमकेएसवाई) के लाभार्थी किसानों को सम्मानित किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में रामगढ़ के विधायक सुखवंत ने बताया कि किसान सम्मान निधि जो किसानों को वित्तीय सहायता 2019 से मिल रही है, राज्य सरकार द्वारा भी किसान सम्मान निधि को प्रोत्साहन मिल रहा है। अब इस राशि को 6000 से बढ़कर 9000 कर दिया गया है। इस दौरान कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में उन्नत तकनीकों के उपयोग और उनके प्रचार-प्रसार के लिए

किसानों को सम्मानित किया गया। कृषि विज्ञान केंद्र नौगांवा के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. सुभाषचंद्र यादव ने अपने संबोधन में कहा कि कृषि में नवाचारों को अपनाकर ही किसानों की आय को दोगुना किया जा सकता है। उन्होंने किसानों से जैविक खेती, जलवायु अनुकूल कृषि तकनीकों और प्राकृतिक संसाधनों के सतत उपयोग पर जोर दिया। कृषि विशेषज्ञ डॉ हंसराम माली, डॉ. रामू मीना, डॉ. सुरेश लोहरा और श्री पुष्कर देव द्वारा ने किसानों को नई तकनीक की जानकारी दी।

इस भव्य किसान सम्मान समारोह में कुल 708 किसानों ने भाग लिया और सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं तथा नवीनतम कृषि तकनीकों के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। इस कार्यक्रम से किसानों को न केवल उन्नत खेती की तकनीकों के प्रति जागरूक किया गया, बल्कि उन्हें इन तकनीकों को अपनाने के लिए प्रेरित भी किया गया।

कृषि कार्यों में उन्नत तकनीक की लगाई गई प्रदर्शनी

कार्यक्रम में जैविक खाद्य उत्पादन के लिए जीवामृत एवं बीजामृत, जैविक खाद निर्माण के लिए वर्मी कम्पोस्टिंग मॉडल, बिना मिट्टी के खेती के लिए हाइड्रोपोनिक मॉडल, जलवायु अनुकूल खेती तकनीक, शहद उत्पादन में सुधार हेतु उन्नत मधुमक्खी पालन मॉडल, ड्रोन तकनीक से नैनो उर्वरक का छिड़काव आदि तकनीक से संबंधित प्रदर्शनी लगाई गई जिनका अतिथियों द्वारा अवलोकन किया गया। प्रदर्शनी में किसानों ने विशेष रुचि दिखाई और इन तकनीकों को अपनाने की इच्छा जताई।

इस दौरान अतिरिक्त जिला कलक्टर (द्वितीय) योगेश डागुर, उपखण्ड अधिकारी अलवर यशार्थ शेखर, संयुक्त निदेशक कृषि पी.सी मीणा, नरेश गोयल, डॉ. सुमन खंडेलवाल, क्षेत्रीय अनुसंधान निदेशक नौगांवा डॉ. गोपालाल चौधरी सहित बडी संख्या में किसान मौजूद रहे।

अरावली विहार थाना पुलिस ने गौवंश तस्कर गिरोह का किया पर्दाफाश

एक आरोपी को किया गिरफ्तार, आरोपी के कब्जे से हथियारों सहित देशी शराब की बरामद

जयपुर टाइम्स

अलवर(निस)। थाना अरावली विहार पुलिस ने गौवंश तस्कर गिरोह का पर्दाफाश करते हुए गिरोह के एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी से 1 देशी मेड पिस्टल (कट्टा 315 बोर), 1 पिकअप गाडी, 92 पव्वे देशी शराब व 2 गौवंश बरामद किए हैं।

जिला पुलिस अधीक्षक अवलर संजीव नैन ने जानकारी देते हुए बताया कि गौवंश की तस्करी पर अंकुश लगाने की कार्यवाही के तहत 23 फरवरी की रात्री करीब ढाई बजे थाना अरावली विहार अलवर की रात्री गश्त को सूचना मिली कि नयाबास होते हुए एसएमडी सर्किल की ओर एक पिकअप गाडी आ रही है, जिसमें गौवंश भरा हुआ है। इस सूचना पर अतिरिक्त पुलिस अधिक्षक मुख्यालय डॉ तेजपाल सिंह के सुपरविजन व वृताधिकारी वृत उत्तर शहर अलवर अंगद शर्मा के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा पिकअप गाडी का पीछा किया तो गाडी के केबिन के उपर बैठे गौतस्करों ने पत्थरो से पुलिस जाप्ते पर हमला करने लगे व गाडी के केबिन के अंदर बैठे शक्सो ने पुलिस जाप्ते व पुलिस वाहन पर फायर किया। जिस पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने 1 व्यक्ति को होटल इन के सामने मय गाडी व गौवंश के पकडा। आरोपी के कब्जे से 1 पिस्टल मय 1 लोडेड कारतूस व केबिन में से 92 पव्वे देशी मदिरा शराब के मिले जिन्हें जब्त कर लिया गया, वहीं फरार 4 आरोपियान की तलाश जारी है। उक्त स बंध मे प्रकरण पंजीबद्ध कर अनुसंधान जारी है।

पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी जुबेर खान मेव निवासी ताजुका बास थाना किशनगढ़बास जिला खैरथल तिजारा है। वहीं आरोपियों की गिरफ्तारी में गठित पुलिस टीम में बनवारीलाल थानाधिकारी महिला थाना अलवर, लालूराम कानि. महिला थाना, घनश्याम हैड कानि. 503, रामकिशोर कानि. 266, बुद्धराम कानि. 1518 थाना अरावली विहार अलवर ने बेहतर मेहनत करते हुए आरोपियों को पकड़ा।

रीट-2024: जयपुर में 233 केंद्रों पर होगी परीक्षा, नियंत्रण कक्ष की स्थापना

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कास)। राजस्थान अध्यापक पात्रता परीक्षा (रीट-2024) का आयोजन माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, अजमेर द्वारा 27 व 28 फरवरी, 2025 को किया जाएगा। परीक्षा जयपुर के 233 केंद्रों पर तीन पारियों में होगी, जिसमें कुल 2.70 लाख से अधिक अभ्यर्थी पंजीकृत हैं। अतिरिक्त जिला कलक्टर (पूर्व) व नोडल अधिकारी गोपाल सिंह शेखावत ने बताया कि परीक्षा के सफल संचालन हेतु कलेक्ट्रेट स्थित कमरा नंबर 116 में नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है। यह कक्ष 25 फरवरी सुबह 6 बजे से 28 फरवरी को परीक्षा सामग्री अजमेर भेजे जाने तक कार्य करेगा। नियंत्रण कक्ष प्रभारी उपखंड अधिकारी जयपुर प्रथम राजेश जाखड़ (मो. 9414674073) को बनाया गया है। नियंत्रण कक्ष के दूरभाष नंबर 0141-2209910 व 0141-2209908 जारी किए गए हैं। परीक्षा 27 फरवरी को प्रथम पारी (प्रातः 10 से 12-30 बजे) में लेवल-1 (कक्षा 1-5) के लिए होगी, जिसमें 87,413 अभ्यर्थी पंजीकृत हैं। द्वितीय पारी (दोपहर 3 से 5-30 बजे) में लेवल-1 की परीक्षा होगी, जिसमें 91,537 अभ्यर्थी शामिल होंगे। 28 फरवरी को प्रातः 10 से 12-30 बजे लेवल-2 (कक्षा 6-8) की परीक्षा होगी, जिसमें 91,068 अभ्यर्थी परीक्षा देंगे। परीक्षा के सफल आयोजन हेतु पुलिस, यातायात, नगर निगम, चिकित्सा, विद्युत, रोडवेज व अन्य विभागों को जिम्मेदारी दी गई है।

महाशिवरात्रि पर भी खुले रहेंगे उप पंजीयक कार्यालय, होगी रजिस्ट्री

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कास)। आमजन की सुविधा हेतु महाशिवरात्रि के राजकीय अवकाश (26 फरवरी 2025) के दिन भी सभी उप पंजीयक कार्यालय खुले रहेंगे। इन कार्यालयों में अन्य कार्यदिवसों की भांति पंजीयन एवं मुद्रांक संबंधी सभी कार्य संपादित किए जाएंगे। उप महानिरीक्षक, मुद्रांक डॉ. गोरधन लाल शर्मा ने बताया कि कार्यालय महानिरीक्षक मुद्रांक एवं पंजीयन, अजमेर के आदेशानुसार यह व्यवस्था लागू की गई है। इस दिन सभी प्रकार के दस्तावेजों का पंजीयन एवं बकाया राशि की वसूली सहित अन्य कार्य होंगे। इसी तरह मार्च माह के प्रत्येक शनिवार व रविवार को भी उप पंजीयक कार्यालय खुले रहेंगे। सरकार ने यह निर्णय राजस्व संग्रह बढ़ाने के उद्देश्य से लिया है। पंजीयन एवं मुद्रांक विभाग का वार्षिक राजस्व लक्ष्य 11,000 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 11,900 करोड़ रुपये कर दिया गया है, जिसकी पूर्ति के लिए विशेष अभियान भी चलाया जा रहा है।

आज कोटखावदा में तोदी आर्दश विद्या मन्दिर का लोकार्पण कार्यक्रम

जयपुर टाइम्स

चाकसू(निस)- कोटखावदा कस्बे में आज मंगलवार को दोपहर 3.15 बजे तूंगा रोड़ पेट्रोल पंप के पास नव निर्मित तोदी आर्दश विद्या मन्दिर भवन का लोकार्पण कार्यक्रम लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के द्वारा किया जाएगा। स्कूल समिति के व्यवस्थापक डॉ सुभाष चन्द्र शर्मा ने बताया कि इस कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि डिप्टी मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा, शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर, हीरालाल नागर, चाकसू विधायक रामवतार बैरवा, बगरू विधायक कैलाश वर्मा, विद्या भारती के पदाधिकारी उपाध्यक्ष राजेंद्र खेतान, संगठन मंत्री गोविन्द चंद्र महन्त, क्षेत्रीय संगठन मंत्री शिवप्रसाद शर्मा, तोदी फाउंडेशन अमेरिका के संस्थापक नंदकिशोर तोदी, शशि प्रभा तोदी, रमेश कुमार अग्रवाल, किरन अग्रवाल एवं समस्त तोदी परिवार के सदस्य मौजूद रहेंगे। वहीं इस? लोकार्पण कार्यक्रम में आसपास के सभी पदाधिकारियों को भी लोकार्पण कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया है।

जिले की विभिन्न ग्राम पंचायतों में आयोजित होंगे फॉर्मर रजिस्ट्री शिविर

जयपुर टाइम्स

कोटपूतली(निस)। जिले की विभिन्न ग्राम पंचायतों में फॉर्मर रजिस्ट्री शिविरों का आयोजन किया जायेगा। एसडीएम बृजेश कुमार चौधरी ने बताया कि फॉर्मर रजिस्ट्री शिविरों के तहत 24 से 26 फरवरी तक तहसील कोटपूतली की ग्राम पंचायत खड़ब, शुक्लाबास, चुरी में, तहसील बानसूर की ग्राम पंचायत किशोरपुरा, बुटेरी, कल्याणपुरा में, तहसील बहरोड़ की ग्राम पंचायत गूंती, भगवाड़ी खुर्द, मांचल में, तहसील पावटा की ग्राम पंचायत तुलसीपुरा, पंडितपुरा, पुरुषोत्तमपूरा में, तहसील नीमराना की ग्राम पंचायत जोनायचा खुर्द, घीलोठ, शाहजहांपुर में, तहसील नारायणपुर की ग्राम पंचायत नीमुचाना, कराना, गुंडावरा में, तहसील विराटनगर की ग्राम पंचायत पूरावाला, आमलोदा दूदी, तेवड़ी में शिविर का आयोजन किया जायेगा।

जिला पर्यावरण समिति की बैठक मंगलवार को

जयपुर टाइम्स

कोटपूतली(निस)। जिला पर्यावरण समिति की बैठक का आयोजन मंगलवार को जिला कलक्टर कल्पना अग्रवाल की अध्यक्षता में दोपहर 03 बजे से जिला कलक्ट्रेट सभागार में किया जायेगा।

प्रथम श्री श्याम पदयात्रा शिविर का आयोजन 06 मार्च से

जयपुर टाइम्स

कोटपूतली(निस)। निकटवर्ती पाथरेड़ी मोड़ पर आगामी 06 मार्च से प्रथम श्री श्याम पदयात्रा शिविर का आयोजन किया जायेगा। सांवरिया सारथी ग्रुप के अध्यक्ष रवि प्रजापति ने बताया कि शिविर में श्री श्याम पद यात्रियों के लिये फल-फ्रुट, मीठा जल व चिकित्सा सेवायें उपलब्ध करवाई जायेगी। उन्होंने बताया कि शिविर 08 मार्च तक आयोजित होगा।

आत्मनिर्भर कृषि को बढ़ावा देने के लिए सरकार कृतसंकल्पित : भागीरथ चौधरी

जयपुर टाइम्स

तबीजी (अजमेर)(निस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पीएम किसान सम्मान निधि योजना की 19वीं किस्त जारी करने के अवसर पर राष्ट्रीय बीजीय मसाला अनुसंधान केंद्र, तबीजी (अजमेर) में किसान सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री एवं अजमेर सांसद भागीरथ चौधरी किसानों के बीच उपस्थित रहे और योजना के लाभार्थियों से संवाद किया। मंत्री भागीरथ चौधरी ने कहा कि पीएम किसान सम्मान निधि योजना किसानों की आर्थिक मजबूती का आधार बन रही है। अब तक देशभर में 11 करोड़ से अधिक किसानों को इस योजना का लाभ मिला है और 2.5 लाख करोड़ रुपये की राशि उनके खातों में भेजी जा चुकी है। उन्होंने कहा कि सरकार न्यूनतम समर्थन मूल्य में बढ़ोतरी, सिंचाई सुविधाओं के विस्तार और उन्नत कृषि तकनीकों को प्रोत्साहित कर रही है। उन्होंने कहा कि अजमेर जिले के हजारों किसानों को इस योजना से लाभ मिला है, जिससे उनकी कृषि उत्पादकता और जीवन स्तर में सुधार हुआ है। सरकार का उद्देश्य किसानों की आय दोगुनी करना और आत्मनिर्भर कृषि को साकार करना है। भागीरथ चौधरी ने किसानों को हरसंभव सहायता का आश्वासन देते हुए कहा कि केंद्र सरकार कृषि क्षेत्र को सशक्त बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

निफ्ट जोधपुर ने विशेष हथकरघा एक्सपो-त्योहार में प्रथम पुरस्कार जीता

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कास) । बुनकर सेवा केंद्र, जयपुर द्वारा आयोजित विशेष हथकरघा एक्सपो-त्योहार सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस आयोजन में फैशन शो का भी आयोजन किया गया, जिसमें राजस्थान के प्रमुख संस्थानों ने भाग लिया। निफ्ट जोधपुर ने इस फैशन शो में प्रथम पुरस्कार हासिल किया, जबकि आईआईएस कॉलेज जयपुर ने द्वितीय और आर्च कॉलेज ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। फैशन शो में कोटा डोरिया, पट्टू, आँवा, खादी और अन्य हैंडलूम उत्पादों का प्रदर्शन किया गया। समापन समारोह में बुनकरों और कारीगरों द्वारा तैयार उत्पादों की प्रदर्शनी और फैशन वॉक का आयोजन हुआ। नेशनल अवार्डी राणामल खत्री ने अजरख ब्लॉक प्रिंट का लाइव प्रदर्शन किया, जो दर्शकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। गवर्नमेंट वुमेन पॉलिटेक्निक कॉलेज, गांधीनगर और आईआईसीडी, झालाना को सांत्वना पुरस्कार से सम्मानित किया गया। साथ ही, आईआईसीडी के छात्र मास्टर पुष्पराज को स्टार ऑफ रनवे अवार्ड प्रदान किया गया।इस अवसर पर अपर महानिदेशक, पत्र सूचना कार्यालय और केंद्रीय संचार ब्यूरो, ऋतु शुक्ला; पद्म श्री अवार्डी राम किशोर डेरेवाला; संयुक्त आयुक्त, उद्योग एवं वाणिज्य विभाग राजस्थान, शिल्पी आर. पुरोहित; निदेशक, आर्च कॉलेज, अर्चना सुराना; फैशन डिजाइन विभाग, निफ्ट जोधपुर की रुचि खोलिया; निदेशक, आईआईएस कॉलेज, डॉ. राधा कश्यप; और गवर्नमेंट वुमेन पॉलिटेक्निक कॉलेज गांधीनगर के टेक्सटाइल विभागाध्यक्ष अमित कुमार सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति जूरी सदस्य के रूप में उपस्थित रहे।

इस आयोजन ने राजस्थान की समृद्ध हस्तशिल्प और हथकरघा परंपरा को प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिससे स्थानीय बुनकरों और कारीगरों को अपने उत्पादों को प्रदर्शित करने का मंच मिला है।

अधिवक्ता संशोधन अधिनियम 2025 के विरोध में उपखंड अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

जयपुर टाइम्स

चाकसु(निस)। बार एसोसिएशन चाकसू की ओर से सोमवार को उपखंड अधिकारी को प्रधानमंत्री के नाम अधिवक्ता संशोधन अधिनियम 2025 के विरोध मे उपखंड अधिकारी चाकसू को बार एसोसिएशन अध्यक्ष नाथूलाल शर्मा एवं महासचिव दुर्गा प्रसाद बेरवा के नेतृत्व में उपखंड अधिकारी को अधिवक्ताओं ने अधिवक्ता संशोधन अधिनियम के विरोध में प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सोपा गया। बार एसोसिएशन अध्यक्ष नाथूलाल शर्मा शर्मा ने बताया कि उक्त अधिनियम से वकीलों की स्वतंत्रता प्रभावित होगी और अधिवक्ताओं की सुरक्षा के संबंध में कोई प्रावधान नहीं किए गए जिस कारण उक्त संशोधन अधिनियम 2025 का विरोध पूरे देश भर में किया गया। इसी के तहत आज बार एसोसिएशन चाकसू ने भी उक्त अधिनियम का विरोध विरोध किया एवं उपखंड अधिकारी को ज्ञापन सोपा। इस अवसर पर बार के पूर्व अध्यक्ष निर्मल जैन, हरप्रीत सिंह, रमेश चौधरी पूर्व महासचिव सरवन शर्मा, लोकेश शर्मा जितेंद्र शर्मा सुनील शर्मा अधिवक्ता राम रतन शर्मा विनोद चौधरी भगवान यादव उमाशंकर चौधरी वरिष्ठ अधिवक्ता आनंद पाल सिंह अधिवक्ता गौरव शर्मा अंकित सैनी आदि उपस्थित रहे। तथा आज विरोध स्वरूप न्यायिक कार्य स्थगित रखा गया।

राठौड़ के प्रदेशाध्यक्ष बनने से आम कार्यकर्ताओं को मिली आवाज : पं. शर्मा

नवनिर्वाचित भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ को दी बधाई, किया अभिनन्दन

जयपुर टाइम्स

कोटपूतली(निस)। राजस्थान सेवानिवृत कर्मचारी महासंघ के प्रदेशाध्यक्ष एवं कोटपूतली-बहरोड़ जिले के वरिष्ठ भाजपा नेता पं. बृजमोहन शर्मा ने सोमवार को राजधानी जयपुर पहुँचकर संगठन पर्व 2024 के अन्तर्गत भाजपा प्रदेशाध्यक्ष निर्वाचित होने पर वरिष्ठ नेता मदन राठौड़ को बधाईयां एवं शुभकामनायें प्रेषित की। इस मौके पर पं. शर्मा ने राठौड़ का पुष्प गुच्छ भेंटकर, पार्टी का दुपट्टा पहनाकर एवं मुंह मीठा करवाकर स्वागत एवं अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि राठौड़ के भाजपा प्रदेशाध्यक्ष बनने से आम कार्यकर्ताओं की भावनाओं को आवाज मिली है। प्रदेशाध्यक्ष राठौड़ ने पंक्ति में खड़े अन्तिम कार्यकर्ता को साथ लेकर चलने की बात कही। वहीं पं. शर्मा ने मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा समेत केन्द्रिय पर्यवेक्षयक व गुजरात के पूर्व सीएम विजय रूपाणी, प्रदेश प्रभारी राधा मोहन दास अग्रवाल, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे एवं वरिष्ठ नेताओं व पार्टी पदाधिकारियों का आभार भी व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इससे कार्यकर्ताओं में अपार ऊर्जा, शक्ति, उत्साह व जोश का संचार हुआ है। राठौड़ को जब प्रदेशाध्यक्ष मनोनीत किया गया था, तभी से वे निरन्तर भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ-साथ आमजन की समस्याओं को त्वरित रूप से हल कराने के चलते सबकी पसंद बन गये थे। जिससे आमजन निरन्तर अपनी समस्याओं को लेकर उनके पास जाते रहे है एवं राठौड़ के द्वारा जन भावनाओं के अनुरूप इन समस्याओं को हल करने का कार्य किया जा रहा है। जिससे सभी वर्ग राठौड़ की कार्यशैली से प्रभावित है। उनके निर्विरोध प्रदेशाध्यक्ष निर्वाचन से पार्टी कार्यकर्ता ही नहीं बल्कि प्रदेशवासियों में भी हर्ष की लहर दौड़ गई है। शर्मा ने कहा कि राठौड़ के नेतृत्व व कुशल मार्गदर्शन में पार्टी संगठन मजबुती के साथ नई ऊंचाईयों को प्राप्त करेगा एवं प्रदेश में पार्टी की स्थिति और भी सुदृढ़ होगी। भाजपा की विचारधारा पंक्ति में खड़े व्यक्ति एवं जन-जन तक पहुँचाने में राठौड़ सकारात्मक भूमिका निभायेगें। उन्हें संगठन का व्यापक अनुभव है, वे एक कुशल कार्यकर्ता से लेकर एक जनप्रतिनिधि, एक नेता, दो बार विधायक, पांच बार जिलाध्यक्ष के साथ-साथ विभिन्न पदों व भूमिकाओं में अपनी कार्यकुशलता का सार्थक परिचय दे चुके है। जिसका लाभ भाजपा के संगठन को मिलेगा। उल्लेखनीय है कि राठौड़ को सात माह में ही दूसरी बार राजस्थान भाजपा की कमान सौंपी गई है।

जेडीए सचिव ने पटेल नगर आवासीय योजना की निकाली लॉटरी, 270 भूखंडों का लॉटरी से आवंटन हुआ

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कास)। जेडीए सचिव निशांत जैन द्वारा जेडीए की नवसृजित योजना पटेल नगर आवासीय योजना की लॉटरी 24 फरवरी, 2025 को कम्प्यूटर का बटन दबाकर नागरिक सेवा केंद्र में निकाली गई। इस अवसर पर जेडीए सचिव ने कहा राज्य सरकार के एक वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित कार्यक्रम में जेडीए की तीन योजनाएं लांच की गई थी। जिनमें से दो योजनाओं (अटल विहार एवं गोविंद विहार) की लॉटरी पूर्व में निकाली जा चुकी है। उन्होंने कहा कि सोमवार को माननीय नगरीय विकास मंत्री महोदय झाबर सिंह खर्रा जी के निर्देशन में जेडीए की पटेल नगर आवासीय योजना की लॉटरी पूर्ण पारदर्शिता से निकाली गई। लॉटरी में सफल रहे आवेदकों द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों की जोन स्तर पर नियमानुसार जांच पश्चात् आवंटन सह मांग पत्र जारी करने हेतु 12 एवं 17 मार्च, 2025 को नागरिक सेवा केंद्र में शिविर

आयोजित किया जाएगा। असफल आवेदकों की आवेदन राशि शीघ्र लौटा दी जावेगी। जेडीए सचिव ने बताया कि जेडीए द्वारा जोन-10 में खोरी रोपाडा में पटेल नगर आवासीय योजना विकसित की गई है। योजना में ऑनलाईन आवेदन दिनांक 14.01.2025 से 13.02.2025 तक आमंत्रित किए गए थे। योजना में कुल 270 भूखण्ड है। पटेल नगर आवासीय योजना में प्राप्त 52305 आवेदन पत्रों में से विभिन्न कारणों - स्वंय के प्रार्थना पत्र, तकनीकी कारणों आदि के कारण 189 आवेदन पत्र निरस्त किए जाने के उपरान्त 52116 आवेदन पत्र लॉटरी में सम्मिलित किए गए है। उक्त योजना में 76-120 व.मी. तक के भूखण्डों की संख्या 138 के विरूद्ध 34061 आवेदन पत्र, 121-220 वर्ग मीटर तक के भूखण्डों की संख्या 132 के विरूद्ध 18055 आवेदन पत्र कुल-52116 आवेदन पत्र लॉटरी में सम्मिलित किए गए है। योजना की आरक्षित दर रूपये 18,000 प्रति व.मी. निर्धारित है एवं रेरा पंजीयन क्रमांक RAJ/P/2023/2588 है। उक्त कार्यक्रम का लाईव प्रसारण यूट्यूब चैनल https://www.youtube.com/@JaipurDevelopmentAuthority/streams एवं फेसबुक पेज https://www.facebook.com/share/vzqbwQ~gzG/ पर किया गया।

वार्षिकोत्सव एवं विदाई समारोह '' पंख 2025 '' का आयोजन

जयपुर टाइम्स

कोटपूतली। स्थानीय हंस पी.जी. कॉलेज में सोमवार को वार्षिकोत्सव एवं विदाई समारोह '' पंख 2025 '' का आयोजन किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि प्रो. मधु नागर, संस्था के चैयरमैन एड. अशोक कुमार बंसल, निदेशक उमेश बंसल, प्राचार्य डॉ. एस.के.शर्मा ने द्वीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। कार्यक्रम के प्रारम्भ में विद्यार्थियों ने सरस्वती वन्दना एवं स्वागत गीत प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि मधु नागर ने कहा कि शिक्षित समाज विकास को नई दिशा दिखाता है। अत: विद्यार्थी मन लगाकर पढ़ाई करें, उन्होंने कहा कि हम सभी मिलकर अपने राष्ट्र के भविष्य को आकार दे रहे हैं। एड. अशोक कुमार बंसल ने कहा कि शिक्षा के साथ-साथ सांस्कृतिक एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में भाग लेना विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास के लिये अत्यंत आवश्यक है। जीवन में अगर सफल होना है तो हमेशा सकारात्मक विचार रखें तथा एकाग्रचित होकर के लक्ष्य को प्राप्त करें। निदेशक उमेश बंसल ने अतिथियों का स्वागत किया व विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। प्राचार्य डॉ. एस.के.शर्मा ने शिक्षा के महत्व के बारे में बताया कि विद्यार्थी अपनी योग्यताओं व क्षमताओं को पहचान कर जीवन में आगे बढ़े तथा नवीन अवसरों को प्राप्त कर एवं विद्यार्थियों के उन्नतिपूर्ण भविष्य की कामना की। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने विभिन्न रंगारंग, सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। जिनमें नृत्य, नाटक, गायन, कविता पाठ, लोक नृत्य एवं मनोरंजक प्रस्तुतियां शामिल रही। इस दौरान डॉ. स्वीटी शर्मा, पूजा बंसल, अशोक कुमावत, मुकेश कुमार सैनी, कुलदीप सिंह, प्रियंका यादव, मधु जांगिड़, विक्रम कुमावत, सरोज यादव, सुनील कुमार, गजानन्द यादव, नेहा यादव, रिया सिंह, अंजली सैनी, कालूराम सैनी, हेमन्त सैनी, विजय सिंह, सुल्तान यादव समेत अन्य मौजूद रहे।

नेकीराम निर्विरोध जांगिड़ समाज के जिलाध्यक्ष बने

जयपुर टाइम्स

कोटपूतली(निस)। कस्बे के डाबला रोड़ स्थित श्री विश्वकर्मा मंदिर में रविवार को अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण महासभा कोटपूतली-बहरोड़ जिलाध्यक्ष पद के लिये बहरोड़ के बर्ड़ोद निवासी रमेश चंद जांगिड़ एवं बानसूर के ढ़ाकला निवासी नेकीराम जांगिड़ ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। इसके बाद समाज के प्रबुद्धजनों द्वारा जिलाध्यक्ष का निर्विरोध निर्वाचन के लिये विचार विमर्श एवं आपसी समझाईश के बाद रमेश चंद ने समाज हित में अपना नामांकन पत्र वापस ले लिया। इसके बाद नेकीराम जांगिड़ का एकमात्र नामांकन पत्र रह जाने पर निर्वाचन अधिकारी महेश जांगिड़ ने उन्हें निर्विरोध जिलाध्यक्ष घोषित कर दिया। इसके बाद चुनाव अधिकारी द्वारा उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। वहीं रमेश चंद जांगिड़ को जिला प्रभारी बनाये जाने पर सहमति जताई गई। इस मौके पर नवनिर्वाचित जिलाध्यक्ष ने कहा कि वे सबको साथ लेकर चलेंगे और समाज के विकास एवं उत्थान के लिये हर समय तत्पर रहेंगे। इसके बाद समाज के लोगों द्वारा नवनिर्वाचित पदाधिकारी का साफा एवं माल्यार्पण करके स्वागत किया गया। इस दौरान जिला सभा अलवर के अध्यक्ष रतनलाल, कोटपूतली-बहरोड़ के पूर्व जिलाध्यक्ष अजय कुमार, दिल्ली के पहाडगंज विश्वकर्मा मंदिर अध्यक्ष गंगादीन, महासचिव देशराज, बानसूर तहसील अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार, नीमराना तहसील अध्यक्ष रामनिवास, डॉ. मनोज कुमार, अलवर जिला चुनाव अधिकारी दयानंद, महासभा के पूर्व सह कोषाध्यक्ष गजेंद्र, रामकिशन, अलवर जिला महामंत्री सत्यप्रकाश, विश्वकर्मा मंदिर के पूर्व अध्यक्ष कन्हैयालाल, प्रदेश उपाध्यक्ष मोहनलाल, पूर्व तहसील अध्यक्ष रामजीलाल, पावटा तहसील अध्यक्ष रामकुंवार, रामपाल, महावीर, मुकेश, नवल किशोर, विजेंद्र जांगिड़ सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग मौजूद रहे।

संपादकीय .....

औपचारिक और बेहतर कर्ज से किसानों की बढ़ती उत्पादकता

साल 2025-26 के बजट में किसान क्रेडिट कार्ड पर किसानों को मिलने वाले तीन लाख रूपए के कर्ज को बढ़ाकर पांच लाख कर दी गई है। इसका जिक्र करते हुए केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने हाल ही में एक्स पर लिखा है कि इससे सब्जी-फल, हॉर्टिकल्चर की खेती करने वाले किसानों को विशेष रूप से लाभ होगा। अब वे खेती में ज्यादा पैसे लगा सकते हैं, ये उत्पादन की लागत घटाने के उपाय हैं। हालांकि किसान संगठनों को लगता है कि इसका जितना फायदा सोचा जा रहा है, उतना नहीं होने वाला है। किसान संगठनों की मांग है कि किसान क्रेडिट की सीमा बढ़ाने के साथ ही किसानों पर बकाया कर्जों को अगर माफ कर दिया जाए तो किसान जहां ज्यादा खुशहाल होंगे। भारत सरकार के आंकड़ों के अनुसार, देश की कुल जनसंख्या का 46.1 प्रतिशत हिस्सा खेती-किसानी और उससे जुड़े कार्यों से अपनी रोजी-रोटी चलाता है। हालांकि कुछ जानकारों का मानना है कि यह संख्या और भी ज्यादा हो सकती है। सरकार के ही आंकड़ों के अनुसार देश के 12 करोड़ किसान परिवार सीमांत हैं। इनमें करीब 35 प्रतिशत की जोत 0.4 हेक्टेयर से कम है, जबकि 69 प्रतिशत किसानों के पास एक हेक्टेयर से कम जमीन है। आंकड़ों के अनुसार देश के 82 प्रतिशत किसान छोटे या सीमांत हैं। जिनकी जोत 0.4 हेक्टेयर से कम है, उनकी खेती से सालाना आमदनी आठ हजार रूपए के आसपास है। जाहिर है कि देश के किसानों के बड़े हिस्से के पास बिक्री के लिए उपज ही नहीं होती। खेती के जरिए वे जो अन्न या सब्जी उपजाते हैं, उनका इस्तेमाल अपने खाने-पीने में ही करते हैं। नरेंद्र मोदी सरकार ने 2014 में सत्ता संभालते ही किसानों की आय 2022 तक दोगुना करने का वादा किया था। उसके लिए जो कदम उठाए गए, उसी कड़ी में किसान क्रेडिट कार्ड की शुरूआत भी थी। इसके फायदे हुए भी हैं। लेकिन जो लक्ष्य रखा गया था, उसे पाना अब भी कठिन चुनौती बना हुआ है। शिवराज सिंह चौहान का कहना ठीक है कि किसान क्रेडिट कार्ड की सीमा बढ़ाने का फायदा किसानों को होगा। इसकी तस्दीक हाल ही में राष्ट्रीय स्तर पर हुए कृषि सर्वेक्षण से जुड़े घरेलू स्तर के आंकड़ों का आकलन भी बताता है। घरेलू स्तर के आंकड़ों के जरिए कृषि में उत्पादकता और उसके जोखिम के साथ ही कृषि ऋण के प्रभाव का आकलन भी किया गया था। इस आकलन के नतीजे बताते हैं कि अगर किसानों को समय पर उचित कर्ज मिलता है तो उससे उसकी उत्पादकता में 24 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी दिखने लगती है। इससे किसानों को होने वाले नुकसान का जोखिम 16 फीसद तक कम हो जाता है। महाजनी सभ्यता और अनौपचारिक कर्ज व्यवस्था के जोखिम और उससे उपजे खराब हालात से जूझते किसानों की दयनीय और मार्मिक कहानियों से भारतीय साहित्य भरा पड़ा है। हिंदी कथा सम्राट प्रेमचंद का मशहूर उपन्यास गोदान ऐसी ही कथाभूमि पर रचा गया गया है। उसे कृषक के दारूण जीवन की महागाथा कहा जाता ही है। बहरहाल यह अध्ययन मानता है कि किसानों को अगर औपचारिक क्षेत्र का ऋण मिलता है तो उसकी उपज और उसकी जिंदगी पर उस कर्ज का महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है, जबकि अनौपचारिक यानी महाजनी कर्ज व्यवस्था का किसानों के जीवन पर नकारात्मक प्रभाव अधिक होता है।

सनातन, आस्था व विकास को समर्पित योगी सरकार का बजट

उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने वर्ष 2025-26 के लिए सनातन को समर्पित करते हुए सामाजिक सरोकारों वाला व्यापक बजट प्रस्तुत किया है जिसमें समाज के प्रत्येक वर्ग तथा जीवन के हर क्षेत्र का ध्यान रखा गया है। सर्वसमावेशी होने के कारण छात्र, किसान, व्यापारी, महिलाएं, विषय विशेषज्ञ और उद्योगपति सभी इस बजट की सराहना कर रहे हैं। बजट में धर्मस्थलों के विकास व पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए पर्याप्त धन दिया गया है। प्रदेश सरकार के बजट में हर उस क्षेत्र तक पहुंच बनाने का प्रयास किया गया है जो आर्थिक विकास की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। बजट में अयोध्या, मथुरा, नैमिषारण्य और चित्रकूट जैसे धार्मिक स्थलों पर विशेष ध्यान दिया गया है।

प्रदेश के वित्तमंत्री सुरेश खन्ना ने बजट भाषण का प्रारम्भ महाकुंभ के आयोजन से किया और फिर धर्मस्थलों के विकास के लिए अपना खजाना खोल दिया। श्री काशी विश्वनाथ धाम कॉरिडोर व मां विन्ध्यवासिनी कॉरिडोर की स्थापना के बाद सरकार मथुरा में श्री बांकेबिहारी जी महाराज मंदिर, मथुरा-वृंदावन कॉरिडोर का निर्माण करायेगी। इसके लिए भूमि उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए 100 करोड़ और निर्माण के लिए 50 करोड़ रु. का प्रावधान किया गया है। नैमिषारण्य में वेद विज्ञान केंद्र की स्थपना के लिए 100 करोड़ रु. खर्च किये जायेंगे। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए पहले ही 25 करोड़ बजट के साथ पांच एकड़ भूमि आवंटित की जा चुकी है। इस अंतरराष्ट्रीय स्तर के केंद्र में वैदिक पर्यावरण, वैदिक गणित, वैदिक विधिशास्त्र, वैदिक योग विज्ञान, वैदिक वन औषधियां वनस्पति आदि पाठ्यक्रम होंगे। यहां पर बड़े वैदिक पुस्तकालय का भी निर्माण कराया जाएगा, साथ ही वेदशाला,वैदिक संग्रहालय, तारा मंडल, संगोष्ठी कक्ष बनाये जाएंगे। केंद्र में गुरुकुल व आधुनिक पद्धति के अंतर्गत कक्षाएं बनायी जायेंगी।

मुख्यमंत्री पर्यटन स्थल विकास योजना के तहत 400 करोड़ रु. खर्च किये जायेंगे। अयोध्या में पर्यटन अवस्थापना विकास के लिए 150 करोड़ रु. का प्रावधान किया गया है। इसी तरह मथुरा में 125 करोड़ नैमिषारण्य मे 100 करोड़ चित्रकूट में 50 करोड़ खर्च करने का प्रावधान किया गया है। मिर्जापुर में मां विन्ध्यवासिनी मंदिर, मां अष्टभुजा मंदिर मां काली खोह मंदिर के परिक्रमा पथ व जनसुविधा स्थलों का विकास किया जायेगा। संरक्षित मंदिरो के जीर्णोद्वार के लिए 30 करोड़, महाभारत सर्किट के पर्यटन विकास के लिए 10 करोड़, जैन सर्किट के विकास के लिए भी धन उपलब्ध कराया गया है। विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए भी धन का प्रावधान किया गया है। गुरुस्वामी हरिदास की स्मृति में अंतरराष्ट्रीय संगीत समारोह के लिए एक करोड़ और अयोध्या में जिला स्वतंत्रता संग्राम संग्रहालय के लिए भी एक करोड़ की धनराशि रखी गई है। योगी सरकार ने वर्तमान बजट से धार्मिक पर्यटन के माध्यम से सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की लौ प्रदीप्त की है।

बजट में महापुरुषों पर भी ध्यान दिया गया है जिसके अंतर्गत बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर के नाम पर लखनऊ में स्मारक और सांस्कृतिक केंद्र की स्थापना की जाएगी। इसके साथ ही हर जिले में 100 एकड़ में पीपीपी मॉडल पर सरदार पटेल जनपदीय आर्थिक क्षेत्र स्थापित किया जायेगा। संत कबीर के नाम पर 10 वस्त्रोद्योग पार्क तथा संत रविदास के नाम पर दो चर्मोद्योग स्थापित किये जाएंगे। पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी बाजपेयी के जन्म शताब्दी वर्ष में उनके सम्मान में नगरीय क्षेत्रों में पुस्तकालय की स्थापना की जाएगी। लखनऊ स्थित अटारी कृषि प्रक्षेत्र पर 251 करोड़ रु. की लागत से पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चरण सिंह के नाम पर सीड पार्क की स्थापना होगी। प्रत्येक कृषि मंडी में माता शबरी के नाम पर कैंटीन और विश्रामालाय स्थापित किये जायेंगे।बजट में युवाओं और छात्राओं को आकर्षित करने के लिए भी प्रावधान किये गये हैं। अब प्रदेश की हर मेधावी छात्रा को स्कूटी दी जायेगी छात्राओं के लिए 400 करोड़ रु. रानी लक्ष्मीबाई स्कूटी योजना का ऐलान किया गया है। यही नही माता अहिल्याबाई होल्कर के नाम पर श्रमजीवी महिलाओं के लिए छात्रावास भी बनेंगे।

प्रदेश के बजट में युवा उद्यमी अभियान के लिए भी 1000 करोड़ रु. का प्रावधान किया गया है। संपूर्ण उत्तर प्रदेश के व्यापक विकास का विस्तृत खाका बजट में रखा गया है। बजट के अनुसार अवध में केवल अयोध्या का ही विकास नहीं हो रहा अपितु अवध के हर जिले के विकास की अद्भुत पटकथा लिखी जायेगी। बजट के प्रावधान इस प्रकार से बनाये गये हैं कि एक प्रकार से यह आगामी 25 वर्षों के विकास का रोडमैप प्रस्तुत कर रहा है।

उत्तर प्रदेश में चार नए एक्सप्रेस वे के निर्माण से तीन तीर्थस्थलों काशी, प्रयागराज व हरिद्वार की यात्रा सरल हो जायेगी। चार नए एक्सप्रेस वे के लिए बजट में 1,050 करोड़ रु. की व्यवस्था कर दी गई है। गंगा एक्सप्रेस वे को प्रयागराज, मिर्जापुर, वाराणसी, चंदौली होते हुए सोनभद्र से जोड़ने के लिए विन्ध्य लिंक एक्सप्रेस वे का निर्माण किया जायेगा। इससे इस क्षेत्र के विकास की गति दोगुनी हो जायेगी व धार्मिक पर्यटन और बढ़ेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि यह युवाओं को रोजगार देने वाला बजट है। बजट में एमएसएमई, नई तकनीक, एआई व साइबर सुरक्षा का भी ध्यान रखा गया है। नए एक्सप्रेस- वे बनने से दूर की यात्रा आसान होगी। नए एक्सप्रेस वे बनने से व्यापार और निवेश को बढ़ावा मिलेगा। एआई सिटी बनाने की घोषणा से स्टार्टअप और आईटी उद्योग को बढ़ावा मिलेगा।प्रदेश का बजट इंफ्रास्टक्चर को बढ़ावा देने के साथ बेरोजगारों को रोजगारपरक बनाने वाला बजट है। यह बजट राज्य की तकनीकी प्रगति औद्योगिक विकास और स्वास्थ्य अवसंरचना के लिए प्रतिबद्धता को दर्शा रहा है। प्रदेश के बजट में सड़क राजमार्ग के चौड़ीकरण पर भी पर्याप्त फोकस किया गया है। इसका सर्वाधिक लाभ राजधानी लखनऊ व उसके आसपास के जिलों व कस्बों आदि को मिलेगा। मोहनलालगंज -गोसाईगंज होते हुए पूर्वांचल एक्सप्रेस- वे निकल रहा है इसका चौड़ीकरण किया जायेगा। इसी तरह बनी से ही एक रोड हरौनी होते हुए मोहन को निकली है इसे भी दो लेन का किया जायेगा।

यह बजट समग्र विकास वाला बजट है। इसमें किसानों, उद्यमियों, महिलाओं और युवाओं के लिए अनेक प्रावधान किये गये हैं। बजट में कोरोना काल में अनाथ 1430 बच्चों को आर्थिक सहायता प्रादन करने के लिए 250 करोड़ रु. का प्रावधान किया गया है। बजट में सात सरोकारों पर्यावरण संरक्षण ,नारी सशक्तीकरण, जल सरंक्षण, सुशिक्षित समाज, जनसंख्या नियोजन, स्वस्थ समाज, गरीबी उन्मूलन पर भी ध्यान दिया गया है। पर्यावरण संरक्षण के लिए बजट का 23 प्रतिशत हिस्सा पर्यावरण अनुकूलन पहली पर खर्च किया जायेगा।

सरकार वनीकरण, कार्बन अवशोषण और पयार्वरण एवं प्राकृतिक संसाधनों के सरंक्षण को और अधिक बढ़ावा देने जा रही है। इसी प्रकार सुशिक्षित समाज के अंतर्गत शिक्षा क्षेत्र पर कुल बजट का 13 प्रतिशत हिस्सा खर्च किया जायेगा। इसी प्रकार स्वस्थ समाज के लिए कुल बजट का छह प्रतिशत हिस्सा स्वास्थ्य क्षेत्र पर खर्च होगा। प्रदेश में जलसंरक्षण को बढ़ावा देने के लिए 4500 करोड़ रु. की व्यवस्था की गई है। इसके अंतर्गत वर्षा जल संचयन एवं भूजल संवर्धन के लिए 90 करोड़ रु. की व्यवस्था प्रस्तावित है। इसमें तालाबों का जीर्णोद्धार तथा निर्माणा भी शामिल है। जनसंख्या नियोजन के अंतर्गत युवाओं को नवाचार से जोड़ने के लिए इनोवेशन फंड स्थापित किया जा रहा है। गरीबी उन्मूलन के लिए भी 250 करोड़ रु. की व्यवस्था प्रस्तावित है। बजट में सभी मंडल मुख्यालयों पर विकास प्राधिकरणों, नगर निकायों द्वारा कन्वेंशन सेंटर का निर्माण कराया जायेगा।

- मृत्युंजय दिक्षित

-ये लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं

समसामयिक

कितनी उचित है गंगाजल पर बयान बाजी

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज शहर में महाकुंभ का आयोजन हो रहा है। विद्वानो का कहना है कि 144 वर्षों के बाद इस बार का महाकुंभ विशेष योग में संपन्न हो रहा है। ऐसे में यहां स्नान करने का सर्वाधिक महत्व है। मकर संक्रांति से प्रारंभ होकर महाशिवरात्रि तक चलने वाला महाकुंभ अब अपने समापन की ओर बढ़ रहा है। सरकार द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार अब तक 60 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने प्रयागराज के महाकुंभ में स्नान कर लिया है। समापन तक यह संख्या करीबन 65 करोड़ पहुंचने का अनुमान लगाया जा रहा है।

इस बार महाकुंभ में जितने लोगों ने स्नान किया है वह दुनिया के एक-दो देशों को छोड़कर अधिकांश देशों की कुल जनसंख्या से भी अधिक होती है। भारत के ही नहीं अपितु विदेशों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने महाकुंभ में स्नान कर पूजा अर्चना की है। राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, केंद्रीय मंत्री, राज्यों के मुख्यमंत्री, राज्यपाल, सांसद, विधायक सहित देश के आम लोगों के मन में कुंभ स्नान के प्रति जो श्रद्धा देखी जा रही है। वैसी श्रद्धा इससे पहले शायद ही देखी गई होगी।

हालांकि मौनी अमावस्या के अवसर पर महाकुंभ के संगम तट पर भगदड़ मचने से करीबन 37 लोगों की भीड़ में दबकर मौत हो गई थी। इसी तरह कुंभ आने के लिए नई दिल्ली स्टेशन पर एकत्रित भीड़ में भगदड़ मचने से 18 लोगों की मौत हो गई थी। यह दोनों ही घटना बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण थी जिसमें प्रशासनिक लापरवाही का भी बहुत बड़ा हाथ माना जा रहा है। हालांकि दोनों ही घटनाओं की उच्च स्तरीय जांच हो रही है। जिसकी रिपोर्ट आने के बाद ही असली दोषियों का पता चल सकेगा।

शांतिपूर्वक संपन्न हो रहे कुंभ में ऐसी दो दुर्घटनाएं होने के बाद भी कुंभ स्नान करने वालों की संख्या में कमी नहीं हुई बल्कि दिन प्रतिदिन यह संख्या बढ़ती ही जा रही है। वर्तमान में हर दिन सवा करोड़ से अधिक लोग महाकुंभ में गंगा स्नान कर रहे हैं। आने वाली महाशिवरात्रि पर यह संख्या कई गुना अधिक होने की संभावनाएं व्यक्त की जा रही है। जिसको लेकर बड़े स्तर पर प्रशासनिक तैयारियां की जा रही है। ताकि महाकुंभ में किसी तरह की दुर्घटना की पुनरावृत्ति नहीं हो। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ स्वयं प्रयागराज आकर महाशिवरात्रि के पवित्र स्नान की तैयारी का जायजा ले चुके हैं। उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों को पूरी चैकसी बरतने के निर्देश दिए हैं।

जहां एक तरफ महाकुंभ में करोड़ों लोग स्नान कर रहे हैं इस बीच केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रयागराज में गंगा-यमुना का पानी नहाने के योग्य नहीं है। सीपीसीबी ने इस रिपोर्ट को तीन फरवरी को तैयार किया था। रिपोर्ट को तैयार करने के लिए सीपीसीबी ने नौ से 21 जनवरी के बीच प्रयागराज में अलग-अलग जगह पर गंगा-यमुना के 73 सैंपल जमा किए। इन सैंपलों की छह मानकों पानी का पीएच वैल्यू, फीकल कोलीफॉर्म, बायोकेमिकल ऑक्सीजन डिमांड, केमिकल ऑक्सीजन डिमांड और डिजॉल्वड ऑक्सीजन पर जांच की गयी। जितने भी जगहों से सैंपल लिए गए हैं उनमें ज्यादातर में फीकल कोलीफॉर्म बैक्टीरिया की मात्रा मानक से अधिक पाई गई है। बाकी के पांच मानकों पर पानी की गुणवत्ता मानक के मुताबिक मिली। सीपीसीबी की वेबसाइट पर दिए आंकड़ों के मुताबिक 29 जनवरी को संगम पर गंगा में फीकल कोलीफॉर्म की मात्रा 2300 पाई गई थी। 29 जनवरी को ही मौनी अमावस्या का पर्व था। इसे महाकुंभ में सबसे बड़ा अमृत स्नान माना गया है। उस दिन गंगा-यमुना में कई करोड़ लोगों ने डबकी लगाई थी। महाकुंभ में गंगा के जल की शुद्धता को लेकर लगातार सवालो के बीच देश के जाने-माने वैज्ञानिक पद्मश्री डॉ. अजय सोनकर ने गंगा के जल को सिर्फ स्नान योग्य ही नहीं बल्कि अल्कलाइन वाटर जितना शुद्ध बताया है। संगम, अरैल समेत पांच घाटों के गंगाजल की लैब में जांच के बाद उन्होंने यह दावा किया है। उनका कहना है कि महाकुंभ में 60 करोड़ से अधिक श्रद्धालु के गंगा में स्नान के बाद भी इसकी शुद्धता पर कोई असर नहीं पड़ा है। मिसाइल मैन एपीजे अब्दुल कलाम के साथ वैज्ञानिक विमर्श करने वाले डॉ. अजय कुमार सोनकर ने कहा कि उन्होंने अपनी नैनी स्थित प्रयोगशाला में गंगा के जल की जांच की। गंगाजल की शुद्धता पर सवाल उठाने वालों को प्रयोगाशाला में जांच की चुनौती भी दी। कहा है कि जिसे जरा भी संदेह हो वह मेरे सामने गंगा जल ले और हमारी प्रयोगशाला में जांच कर संतुष्ट हो जाए।

शीर्ष भारतीय वैज्ञानिक डॉ. सोनकर ने कहा है कि गंगाजल सबसे शुद्ध है। यहां नहाने से किसी प्रकार का कोई नुकसान नहीं हो सकता है। बैक्टीरियोफेज (बैक्टीरिया खाने वाला) के कारण गंगा जल की शुद्धता बरकरार है। प्रयोगशाला में जल के नमूनों को 14 घंटों तक इंक्यूबेशन तापमान पर रखने के बाद भी उनमें किसी भी प्रकार की हानिकारक बैक्टीरिया की वृद्धि नहीं हुई। डॉ. अजय सोनकर ने कहा कि गंगा का जल न केवल स्नान के लिए सुरक्षित है। बल्कि इसके संपर्क में आने से त्वचा संबंधी रोग भी नहीं होते हैं।

डॉ. अजय कुमार सोनकर ने बताया कि पांच घाटों से गंगा जल के नमूने लिए और लैब में सूक्ष्म परीक्षण किया। इस दौरान पाया गया कि करोड़ों श्रद्धालुओं के स्नान के बावजूद जल में न तो बैक्टीरियल ग्रोथ हुई न ही जल के पीएच स्तर में कोई गिरावट आई। इस शोध में पाया कि गंगा जल में 1100 प्रकार के बैक्टीरियोफेज मौजूद हैं। जो किसी भी हानिकारक बैक्टीरिया को नष्ट कर देते हैं। इस वजह से जल दूषित नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि गंगा जल की अम्लीयता (पीएच) सामान्य से बेहतर है और उसमें किसी भी प्रकार की दुर्गंध या जीवाणु वृद्धि नहीं पाई गई। गंगाजल के सैंपल का पीएच स्तर भी 8.4 से लेकर 8.6 तक पाया गया। जो काफी बेहतर माना गया है।

-रमेश सर्राफ धमोरा

-ये लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज शहर में महाकुंभ का आयोजन हो रहा है। विद्वानो का कहना है कि 144 वर्षों के बाद इस बार का महाकुंभ विशेष योग में संपन्न हो रहा है। ऐसे में यहां स्नान करने का सर्वाधिक महत्व है। मकर संक्रांति से प्रारंभ होकर महाशिवरात्रि तक चलने वाला महाकुंभ अब अपने समापन की ओर बढ़ रहा है। सरकार द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार अब तक 60 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने प्रयागराज के महाकुंभ में स्नान कर लिया है। समापन तक यह संख्या करीबन 65 करोड़ पहुंचने का अनुमान लगाया जा रहा है। इस बार महाकुंभ में जितने लोगों ने स्नान किया है वह दुनिया के एक-दो देशों को छोड़कर अधिकांश देशों की कुल जनसंख्या से भी अधिक होती है। भारत के ही नहीं अपितु विदेशों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने महाकुंभ में स्नान कर पूजा अर्चना की है।

शख्सियत

जयललिता ने ऐसे तय किया था अभिनेत्री से तमिलनाडु के सीएम तक का सफर

कई महिलाओं ने भारतीय राजनीति में अपनी दमदार जगह बना ली है। तो वहीं कई सफल अभिनेत्रियों ने राजनीति में भी अपना नाम कमाया है। इन्हीं महिला राजनेताओं में से एक नाम जयललिता का भी है। अभिनय से राजनीति में अपना नाम कमाने वाली जयललिता तमिलनाडु की सीएम रह चुकी हैं। तमिलनाडु के लोग जयललिता से इतना प्यार मिलता था कि लोग उनको प्यार से अम्मा कहकर बुलाते थे। आज ही के दिन यानी की 24 फरवरी को जयललिता का जन्म हुआ था। तो आइए जानते हैं उनकी बर्थ एनिवर्सरी के मौके पर जयललिता के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में...

जन्म और परिवार

कर्नाटक के मांड्या जिले के पांडवपुरा तालुक के मेलुरकोट गांव में 24 फरवरी 1984 को अय्यर परिवार में जयललिता का जन्म हुआ था। उनका असली नाम कोमावल्ली था। उनके पिता का नाम जयराम और मां का नाम वेदवल्ली था। जयललिता की मां वेदवल्ली दक्षिण भारतीय सिनेमा की फेमस अभिनेत्री थीं। हालांकि जयललिता को फिल्मों में रुचि नहीं थी। वह कभी भी अभिनेत्री नहीं बनना चाहती थीं, लेकिन वह अपनी मां के कारण जबरन फिल्म इंडस्ट्री में आई।

फिल्मी करियर

जयललिता पढ़ाई में काफी ज्यादा होनहार थीं और वह अपने पिता की तरह वकील बनना चाहती थीं। लेकिन जयललिता की मां ने उनको कम उम्र में ही जबरन अभिनय की दुनिया में डाल दिया था। वहीं महज 15 साल की उम्र में उन्होंने एक एडल्ट फिल्म में काम किया था। यहां से उनकी फिल्मी करियर की शुरूआत हुई। कई फिल्मों में जयललिता ने शानदार काम किया था। जयललिता ने अपने फिल्मी करियर में करीब 85 फिल्मों में काम किया, जिसमें से 85 फिल्में हिट हुईं। वह पहली ऐसी अभिनेत्री थीं, जिन्होंने स्लीवलेस ब्लाउज पहना था। अपने करियर में जयललिता का नाम सुपरस्टार शोभन बाबू से जुड़ा था। दोनों का अफेयर काफी ज्यादा चर्चा में रहा, लेकिन शादी नहीं हुई।

राजनीतिक सफर

बता दें कि जयललिता को फिल्मों से राजनीति में लाने वाले एमजी रामचंद्रन थे। बताया जाता है कि एमजीआर और जयललिता एक-दूसरे से प्यार करते थे। लेकिन उन्होंने न तो शादी की और न ही अपने रिश्ते को कभी जगजाहिर किया। साल 1982 में एमजी रामचंद्रन के साथ जयललिता ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम की सदस्य बन गई। यहीं से उनके राजनीतिक सफर की शुरूआत हुई। फिर साल 1984 से 1989 तक जयललिता तमिलनाडु से राज्यसभा की सदस्य भी रहीं। वहीं एमजीआर के निधन के बाद [illegible] पार्टी की जिम्मेदारी जयललिता के कंधों पर आ गई और फिर बाद में वह तमिलनाडु की सीएम बनीं।

उपलब्धियां

धीरे-धीरे तमिलनाडु में जयललिता की लोकप्रियता बढ़ने लगी। लेकिन एक अभिनेत्री के तौर पर नहीं बल्कि नेता और सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में। यह जयललिता की राजनीतिक जीत थी और वह 6 बार तमिलनाडु की सीएम बनीं। जयललिता ने कन्या भ्रूण हत्या की समस्या से निपटने के लिए क्रैडल टू बेबी स्कीम शुरू की थी। इस स्कीम में करीब 18 लोक कल्याणकारी योजनाएं चलाई गई थीं। वहीं अम्मा के नाम से चलाई जा रही योजनाएं या तो पूरी तरह से फ्री थीं, या फिर उन स्कीमों पर भारी सब्सिडी दी जाती थी। साथ ही अम्मा कैंटीन में शहरी गरीबों को एक रुपये में भोजन उपलब्ध कराया जाता था।

मृत्यु

वहीं 05 फरवरी 2016 को 68 साल की उम्र में जयललिता ने इस दुनिया को हमेशा के लिए अलविदा कह दिया था।

भारत के एडिसन जीडी नायडू का रोल निभाने जा रहे हैं आर. माधवन

आर. माधवन जहां इस वक्त अपनी सीरीज हिसाब बराबर को लेकर सुर्खियों में हैं, वहीं उन्होंने अपनी नई फिल्म का ऐलान कर दिया है और पोस्टर भी शेयर किया है। आर. माधवन अब बायोपिक जीडीएन में नजर आएंगे, जोकि भारत के एडिसन कहे जाने वाले जीडी नायडू की जिंदगी पर आधारित होगी। इस फिल्म में आर. माधवन लीड रोल प्ले करेंगे। आर. माधवन ने फिल्म की शूटिंग भी शुरू कर दी है। वैसे बता दें कि आर. माधवन इससे पहले फिल्म रॉकेट्रीः द नंबी इफेक्ट में वैज्ञानिक का रोल प्ले कर चुके हैं। उन्होंने इसके लिए नेशनल अवॉर्ड भी जीता था। फिल्म में आर. माधवन ने भारतीय वैज्ञानिक नंबी नारायण का किरदार निभाया था, और खूब वाहवाही बटोरी थी।

आर. माधवन ने शुरू की शूटिंग शेयर किया जीडीएन का पोस्टर

आर. माधवन ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर जीडएन का पोस्टर शेयर किया, और लिखा, आप सभी की शुभकामनाएं और आशीर्वाद चाहिए। फिल्म के पोस्टर में बताया गया है कि इसके इंडिया वाले शेड्यूल की शुरुआत हो चुकी है। फैंस इस फिल्म के लिए एक्साइटेड हो गए हैं और एक्टर को शुभकामनाएं दे रहे हैं। शिल्पा शिरोडकर ने भी आर. माधवन को शुभकामनाएं दी हैं।

जीडीएन में कौन-कौन से सितारे?

इसे कृष्णकुमार रामकुमार डायरेक्टर करेंगे, जो साउथ के डायरेक्टर हैं। जीडीएन में आर. माधवन के अलावा प्रियामणि, योगी बाबू और जयराम नजर आएंगे।

फिल्म जीडीएन गोपालस्वामी दोराइस्वामी नायडू की जिंदगी पर आधारित है। उन्होंने साल 1937 में भारत की पहली इलेक्ट्रिक मोटर का आविष्कार किया था। वह देश के एक नामी वैज्ञानिक थे। इसके अलावा जीडी नायडू ने जूसर, केरोसीन से चलने वाला पंखा, इलेक्ट्रिक रेजर और जूसर का भी आविष्कार किया था। जीडी नायडू को भारत के एडिसन के अलावा मिरैकल मैन भी कहा जाता था। उन्होंने मैकेनिक्स से लेकर इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग और एग्रीकल्चर के क्षेत्र में अहम योगदान दिया।

मैं यशराज और आदी सर की शुक्रगुजार हूं

भूमि पेडनेकर इंडस्ट्री की उन अभिनेत्रियों में से हैं जिन्होंने अपने करियर में हर रंग की भूमिकाएं की हैं। अपने किरदारों के जरिए महिला मुद्दों को मुखर करने वाली भूमि कई फिल्मों में पत्नी की अलग-अलग भूमिकाओं में नजर आ चुकी हैं। इन दिनों वे खबरों में हैं अपनी नई फिल्म मेरे हसबैंड की बीवी से। इस मुलाकात में पत्नी का रोल निभाने वाली भूमि शादी, विमेन इश्यूज, अपने जीवन के मुश्किल दौर, फिल्म और अपने हीरो अर्जुन कपूर को लेकर खुल कर बातें करती हैं।

आज के दौर में ये भी देखने मिल रहा है कि लोग शादी नहीं करना चाहते, आप मैरिज इंस्टीट्यूशन के बारे में क्या सोचती हैं?

मुझे लगता है कि आज शादी करने के रीजन अलग हो गए हैं। मैं एक लड़की के नजरिए से बता सकती हूं। ऐसा कहा जाता था कि शादी जल्दी करो क्योंकि आपका भविष्य ही शादी है। अब हुआ ये है कि कई लड़कियां आत्मनिर्भर हैं, तो अब ऐसा है कि मैं तो पहले से सेटल हूं, तो अब मुझे जो चाहिए, वो कंपैनियनशिप है। जहां तक मेरी बात है, तो मैं शादी में गहरा विश्वास करती हूं मगर मेरा मानना है कि मैं शादी कंपैनियनशिप के नजरिए से करना चाहूंगी।

क्या आप मानती हैं कि लड़कों की तुलना में लड़कियों पर शादी का प्रेशर ज्यादा होता है?

बिलकुल। अगर आप रेशियो देखने जाएं, तो ये प्रेशर अब भी बहुत ज्यादा होता है। मेरी अपनी सहेलियां हैं, जिन्होंने अर्ली ट्वेंटीज में बहुत यंग एज में शादी कर ली। कइयों की शादियां चली भी नहीं। उन्होंने अपनी शादी में बहुत मुश्किल समय देखा। मगर कई ऐसी भी हैं, जो अपनी मैरिज में बहुत खुश हैं। कइयों ने लेट शादी भी की है और वो भी खुश हैं, तो मुझे लगता है कि इसका सही या गलत जवाब नहीं हो सकता। हर इंडिविजुअल लड़की के लिए शादी अलग हो सकती है क्योंकि हर लड़की की जिंदगी अलग है, उसके सपने अलग हैं। मेरा सिर्फ ये कहना है कि शादी किसी भी लड़की के लिए गले का फंदा नहीं होना चाहिए। शादी में लड़कियों को फ्रीडम मिलनी चाहिए। शादी एक ऐसी संस्था होनी चाहिए जो आपको एम्पावर करे, आपको सक्षम बनाए न कि आपको पीछे खींचे। मगर कहीं न कहीं मुझे लगता है कि आजकल की मॉडर्न लड़कियों में शादी को लेकर एक घबराहट आ गई है।

आपके लिए अब तक का सबसे मुश्किल दौर कौन-सा था?

मुझे लगता है मेरे लिए उससे ज्यादा मुश्किल दौर कोई नहीं हो सकता, जब मैंने अपने पिता को खोया था। ऐसा कठिन वक्त मैं अपनी जिंदगी में दोबारा नहीं देखना चाहूंगी। मेरे पिता कैंसर से चल बसे थे और वो वक्त हमारे परिवार के लिए बहुत ही चुनौतीपूर्ण था, क्योंकि हम भावनात्मक रूप से टूटे हुए थे, आर्थिक रूप से टूट चुके थे। हम वाकई पूरी तरह से टूट चुके थे और ऐसा होता है, जब परिवार के एक सदस्य को किसी ऐसे असाध्य रोग से गुजरना पड़े। हम तब काफी यंग थे। मगर फिर एक खूबसूरत चीज ये हुई कि मुझे यशराज में नौकरी (असिस्टेंट कास्टिंग डायरेक्टर) मिल गई और उस एक नौकरी ने मेरी जिंदगी बदल दी। उसके लिए मैं यशराज और आदी सर (फिल्मकार आदित्य चोपड़ा) की जितनी भी शुक्रगुजार होऊं, कम है। आज जब पलट कर देखती हूं, तो लगता है कि अगर तब वो नौकरी मेरे पास नहीं होती, तो मैं आज यहां नहीं होती।

आपकी फिल्म मेरे हसबैंड की बीवी एक थिएट्रिकल रिलीज है, तो इस बात को लेकर किसी तरह की घबराहट है?

देखिए, छावा चल रही है। स्काई फोर्स भी चली है और सनम तेरी कसम अपनी री रिलीज में अच्छा-खासा बिजनेस कर रही है। मुझे लगता है, साल का दूसरा महीना चल रहा है और फिल्में चल रही हैं, तो इन फिल्मों से एक ऐसा माहौल बन गया है कि लोग थिएटर आकर फिल्में देख रहे हैं। मैं तो बस यही दुआ करूंगी कि लोग हमारी फिल्म देखने भी आएं। फिल्म के बारे में यही कहूंगी कि यह एक मजेदार एंटरटेनिंग फिल्म है और इसमें दर्शकों को मजा जरूर आएगा।

सोनाली बेंद्रे और अली फजल पहली बार आए साथ जल्द होगा शूट शुरू

सोनाली बेंद्रे को पिछली बार वेब सीरीज द ब्रोकन न्यूज में देखा गया था। अब उनके खाते से एक वेब सीरीज जुड़ गई है और खास बात यह है कि इसमें उनके साथ अली फजल भी लीड रोल में नजर आएंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक... प्राइम वीडियो एक नई सीरीज लेकर आ रहा है। यह एक ओरिजनल एक्शन थ्रिलर शो होने वाला है, जिसके लिए मिर्जापुर स्टार अली से संपर्क किया गया है। इसमें अली का एक अलग ही अवतार दर्शकों के बीच आएगा। उनका किरदार उनकी पिछली भूमिकाओं से बिल्कुल अलग होने वाला है। इस सीरीज का नाम फिलहाल सामने नहीं आया है, लेकिन इतना तय है कि इसमें खूब एक्शन और ड्रामा देखने को मिलेगा। सोनाली बेंद्रे भी इस सीरीज का हिस्सा होंगी। वह इसमें एक अहम भूमिका निभाने वाली हैं। यह पहला मौका होगा, जब अली और सोनाली परदे पर साथ दिखेंगे। चर्चा है कि सोनाली के साथ काम करने के लिए अली बेहद उत्साहित हैं। सीरीज की शूटिंग शुरू होने वाली है। प्रोसित रॉय ने इसके निर्देशन की जिम्मेदारी संभाली है, जिन्होंने पाताल लोक का निर्देशन किया था और जिन्होंने अनुष्का शर्मा की फिल्म चकदा एक्सप्रेस का भी निर्देशन किया है। ट्रायल बाय फायर, बॉम्बे बेगम्स और आर्या जैसी वेब सीरीज बना चुका एंडेमोल शाइन इंडिया अली और सोनाली अभिनीत इस सीरीज का निर्माण कर रहा है। यह पहला मौका होगा, जब अली और सोनाली किसी प्रोजेक्ट में साथ दिखेंगे।

10 अप्रैल को आएगी राजकुमार स्टारर फिल्म भूल चूक माफ

राजकुमार राव को पिछली बार फिल्म विक्की वो वाला वीडियो में देखा गया था, जिसमें उनकी अदाकारी की तारीफ तो हुई, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर यह औंधे मुंह गिरी। आने वाले समय में राजकुमार एक से बढ़कर एक फिल्मों में अपनी मौजूदगी दर्ज कराएंगे। भूल चुक माफ भी इन्हीं में से एक है। इसमें उनकी जोड़ी पहली बार वामिका गब्बी के साथ बनी है। अब मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट अनाउंस कर दी है। भूल चुक माफ को 10 अप्रैलको सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। ऐसे में बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म का सामना सनी देओल की फिल्म जाट से होगा। बता दें कि भूल चुक माफ के अलावा राजकुमार के पास फिल्म टोस्टर भी है, जिसके निर्देशन की कमान विवेक दास चौधरी ने संभाली है। इसमें उनकी जोड़ी सान्या मल्होत्रा के साथ बनी है। खास बात यह है कि टोस्टर का निर्माण राजकुमार की पत्नी और पत्रलेखा कर रही हैं।

सबा आजाद ने दी पत्रकारिता पर अपनी राय

अभिनेत्री सबा आजाद ओटीटी सीरीज क्राइम बीट में नजर आने वाली हैं। इस सीरीज में सबा एक इनवेस्टिगेटिव जर्नलिस्ट का किरदार निभाने जा रही हैं। ओटीटी प्ले को दिए इंटरव्यू में सबा ने बताया कि क्राइम बीट ने उन्हें पत्रकारिता को लेकर कुछ नया समझने का मौका दिया है। सबा ने कहा कि पत्रकारिता एक बहुत अच्छी फील्ड है, हालांकि यहां काम करने के लिए बहुत जिम्मेदारी से काम करना पड़ता है। इस सीरीज का निर्देशन सुधीर मिश्रा और संजीव कौल ने किया है। पत्रकारिता पर आधारित सीरीज में दिखाया गया है कि कैसे एक गैंगस्टर के प्रभाव के कारण एक पत्रकार के जीवन में बदलाव लाता है। सीरीज में साकिब अली, सबा आजाद के साथ साई ताम्हणकर, आदिनाथ कोठारे और राहुल भट ने भी काम किया है।

सूरज पंचोली ने ली केसरी वीर के लिए की कड़ी ट्रेनिंग

सूरज पंचोली अपनी पहली बायोपिक में वीर हामीरजी गोहिल के ऐतिहासिक किरदार को जीवंत करने जा रहे हैं। सुनील शेट्टी, विवेक ओबेरॉय और सूरज पंचोली अभिनीत फिल्म केसरी वीर-लीजेंड्स ऑफ सोमनाथ का टीज़र रिलीज़ हुआ। इस फिल्म से नवोदित अभिनेत्री आकांक्षा शर्मा भी डेब्यू कर रही हैं। सोमनाथ मंदिर की रक्षा के लिए बहादुरी से लड़ने वाले 14वीं शताब्दी के योद्धा के किरदार में ढलने के लिए सूरज ने जबरदस्त शारीरिक बदलाव किया। उन्होंने विशेषज्ञों की देखरेख में तीरंदाजी, तलवारबाजी और सहनशक्ति अभ्यास की गहन ट्रेनिंग ली। अपनी तैयारी के बारे में बात करते हुए सूरज ने कहा, इस किरदार ने मुझे मेरी सीमाओं से परे धकेल दिया। मुझे ताकत, फुर्ती और सहनशक्ति विकसित करनी पड़ी, ठीक वैसे ही जैसे उस युग के योद्धाओं के पास होती थी। तलवारबाजी सबसे चुनौतीपूर्ण रही, क्योंकि मुझे अलग-अलग युद्ध तकनीकों को सीखते हुए हामीरजी गोहिल की लड़ाई शैली की प्रामाणिकता बनाए रखनी थी। यह पूरी यात्रा बेहद संतोषजनक रही।

उन्होंने बताया कि एक सशक्त योद्धा में ढलने के लिए उन्होंने महीनों तक तीरंदाजी, तलवारबाजी और सहनशक्ति अभ्यास किया। उन्होंने युद्ध विशेषज्ञों के साथ घुड़सवारी और हाथ से हाथ की लड़ाई जैसी प्राचीन युद्ध तकनीकों को भी बारीकी से सीखा। इस किरदार के लिए सूरज ने कठोर फिटनेस रूटीन अपनाया, जिसमें ताकत और फुर्ती पर विशेष ध्यान दिया गया ताकि वे एक्शन दृश्यों को वास्तविकता के साथ अंजाम दे सकें। तीरंदाजी में सटीकता, नियंत्रण और श्वास तकनीक महत्वपूर्ण होती है। मैंने सही स्टांस और लक्ष्यभेदन में महारत हासिल करने के लिए हफ्तों तक प्रशिक्षण लिया। लक्ष्य की दूरी बढ़ाते हुए अभ्यास किया ताकि यह मेरे लिए स्वाभाविक हो जाए, जैसे एक योद्धा के लिए होता। तलवारबाजी में हमने पहले लकड़ी की तलवारों से मूलभूत अभ्यास किया, फिर असली हथियारों पर स्विच किया। मैंने हमले, रक्षात्मक ब्लॉक और कोरियोग्राफ़ किए गए द्वंद्व युद्ध सीखे। इसके अलावा, ताकत बढ़ाने के लिए वेट ट्रेनिंग और प्रतिरोधक व्यायाम किए ताकि लंबे समय तक युद्ध दृश्यों को बिना थके अंजाम दे सकूं।

सूरज के लिए यह फिल्म उनके करियर का एक बड़ा अवसर है। वीर हामीरजी गोहिल का किरदार निभाना मेरे लिए बहुत बड़ी ज़िम्मेदारी है और मैं उनकी विरासत के साथ न्याय करना चाहता हूं। मैंने इससे पहले किसी भी किरदार से इतनी गहराई से जुड़ाव महसूस नहीं किया। हामीरजी गोहिल की वीरता और बलिदान मुझे प्रेरित करते हैं, और मुझे उम्मीद है कि मैं स्क्रीन पर उनकी कहानी को सही ढंग से प्रस्तुत कर पाऊंगा।

फिल्म चुगलखोर बहुरिया की शूटिंग कर रही हैं रानी चटर्जी

भोजपुरी अभिनेत्री रानी चटर्जी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर अपनी आगामी फिल्म को लेकर जानकारी दी है। इतना ही नहीं उन्होंने फिल्म और पर्दे के पीछे की तस्वीर भी शेयर की है। रानी चटर्जी ने बताया कि वे अपनी फिल्म चुगलखोर बहुरिया की शूटिंग कर रही हैं। फिल्म की शूटिंग किसी खेत में होती नजर आ रही है। रानी ने इस बीटीएस वीडियो में हरे रंग की साड़ी पहन रखी है। उनका देसी लुक फैंस को बेहद पसंद आ रहा है। इससे पहले भी उन्होंने इसी फिल्म की कुछ बीटीएस वीडियो शेयर किए थे। इसमें वे पीले रंग की साडी में दुल्हन बनीं नजर आ रही थीं। रानी चटर्जी के बहुरिया अंदाज को फैंस ने बहुत पसंद किया।

आधुनिक तरीके से करें मिर्च की खेती

सब्जियों में मिर्च अपने तीखेपन के लिये जानी जाती है। लेकिन रतलाम जिले के ग्राम सिमलावदा निवासी किसान श्री कंवरा के लिये मिर्च की खेती कामयाबी का साधन बन गई।

रतलाम जिले के किसान कंवरा के परिवार के पास लगभग 160 बीघा जमीन है। उनका परिवार परम्परागत रूप से दो फसलों के साथ-साथ कुछ सब्जी भी अपने खेतों में भी लगा लिया करता था। खेतों में पानी अधिक लगने के कारण हमेशा उनके खेत में सिंचाई की दिक्कत बनी रहती थी। खेतों में कम उत्पादन के कारण उनका परिवार आर्थिक तंगी का सामना भी कर रहा था।

कुछ समय पहले सिमलावदा गाँव में उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों ने दौरा किया। गाँव के किसानों ने उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों के सामने सब्जी के उत्पादन में पानी अधिक लगने की बात रखी। उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों ने किसानों को सब्जी उत्पादन बढ़ाने के लिये सिंचाई के ड्रिप सिस्टम के बारे में बताया। अधिकारियों ने बताया कि ड्रिप सिस्टम से कम पानी में पूरे खेत की अच्छे तरीके से सिंचाई की जा सकती है। किसान कंवरा ने कृषि सलाह के अनुसार अपने खेत में ड्रिप सिस्टम की स्थापना की। उन्होंने दी गई सलाह के अनुसार 6 इंच ऊंची एक फीट चौड़ी बेड्स पूरे खेत में तैयार कर ली। उन्होंने अपने खेत में हाईब्रिड मिर्च के पौधे 40 से 60 सेंटीमीटर की दूरी पर रौपे। किसान कंवरा ने पूरे सीजन के दौरान उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों द्वारा दी गई सलाह को माना और सलाह अनुसार काम किया। आज उनके खेत में मिर्च उत्पादन काफी बढ़ गया और मिर्च की उन्नत किस्म उत्पादन के रूप में मिली।

किसान कंवरा बताते हैं ड्रिप संयंत्र लगने के पूर्व जहां उन्हें प्रति बीघा 9 क्विंटल ही लाल मिर्च का उत्पादन प्राप्त होता था वहीं अब प्रति बीघा लगभग 12 क्विंटल मिर्च का उत्पादन मिल रहा है। आज वे अपने खेत में 140 बीघा जमीन पर मिर्च लगा रहे हैं।

किसान कंवरा मानते हैं कि उद्यानिकी एवं कृषि विभाग की खेती-किसानी के संबंध में दी जा रही आधुनिक सलाह को माना जाये तो कृषि उत्पादन को काफी हद तक बढ़ाया जा सकता है। आज उनकी पहचान आसपास के गाँव में प्रगतिशील कृषक के रूप में होती है। सब्जी उत्पादन से मिली आर्थिक तरक्की से उनके परिवार के जीवन में बदलाव आया है। वे अब खेती-किसानी में और नई-नई तकनीकों का इस्तमाल कर रहे हैं।

फूलों की खेती फायदे का सौदा

देश में इन दिनों फूलों की वार्षिक घरेलू माँग 25 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से बढ़ रही है। भारत का अंतर्राष्ट्रीय फूल बाजार 90,000 करोड़ रुपये का है जो हर वर्ष बढ़ता ही जा रहा है। भारतीय बागवानी बोर्ड के अनुसार फूलों की खेती से संबंधित उत्पादों से कुल आय 205 करोड़ की है। जिसमें 105 करोड़ प्रंपरागत फूलों से है और 100 करोड़ आधुनिक फूलों से है। भारत में फूलों का निर्यात करने वाली 300 से अधिक इकाइयाँ है। राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड की रिपोर्ट के औंसर भारत में वर्ष 2007-08 में 160.7 हज़ार हेक्टेयर क्षेत्र में फूलों की खेती हुई है इस वर्ष छील्न के बाद भारत दूसरे नंबर पर है। आइये जाने भारत में उगने वाले प्रमुख फूलों की देखरेख के तरीकेः

एन्थुरियमः

रोपाईः 30 गुणा 30 सेमी की दूरी पर तिकोनी जगह में। कटाई का चरणः छड़ का कड़ा होना, पर 1/3 से 3/4 फूल खिला होने पर।

पैदावारः 2 से 3 फूल हर पौधे से पहले साल में जो की बढ़कर 4 से 6 दूसरे साल और 6 से 8 तीसरे साल तक हो जाती है। गुलदस्ते में उम्रः 22 से 23 दिन

जरबेराः

रोपाईः 35 गुणा 45 सेमी की दूरी पर। जनवरी, फ़रवरी बेहतर है जड़े के लिए और जून, जुलाई गर्मी के लिए।

कटाई का चरणः पंखुड़ियों के पूरा खुल जाने पर

पैदावारः 200 से 250 फूल प्रति वर्ग मीटर हर साल

गुलदस्ते में उम्रः 7 से 8 दिन

ऑरकिड

रोपाईः कटाई का चरणः जब फूल की आधी पंखुड़ीयाँ खुल चुकी हों

पैदावारः 2 से 3 छड़ प्रति पौधे से और 5 से 6 छड़ तीसरे साल से

गुलदस्ते में उम्रः 12 से 21 दिन किस्म के प्रकार पर निर्भर

टीयूब रोज (गुलाब)

रोपाईः फ़रवरी मार्च में मैदानी में, अप्रैल, मई में पहाड़ों पर। 20 से 25 सेमी की दूरी पर 5 से 7 सेमी के गड्ढे में

पैदावारः 2 से 6 फूल हर पौधे से

गुलदस्ते में उम्रः6 से 8 दिन

गुलाब

रोपाईः अक्टूबर से अप्रैल की शुरुआत तक। 60 गुणा 60 सेमी की दूरी पर।

कटाई का चरणः एक दो पंखुड़ियों के खिलते ही।

पैदावारः 15 से 30 हर पौधे से।

गुलदस्ते मे उम्रः 4 से 7 दिन

मॉरीगोल्ड

रोपाईः- साल के किसी भी समय 40 गुणा 40 सेमी

कटाई का चरणः पूरा आकर का होने पर

पैदावारः 11 से 18 टन / हेक्टेयर

गुलदस्ते में उम्रः 2 से 4 दिन

ग्लैदोलस

रोपाईः जुलाई या दिसंबर मे 30 गुणा 20 सेमी की दूरी और । सेमी गहरे गड्ढे में।

कटाई का चरणः पंखुड़ियों में रंग आने पर।

पैदावारः 10,000 से 15,000 छड़े। गुलदस्ते में उम्रः 14 से 21 दिन, 2 से 4 डिग्री सेल्सियस तापमान में।

अब सूरज सा चमकेगा खेत

आपने भी कभी किसी हाइवे से गुज़रते हुए या ट्रेन में सफ़र करते हुए चमकते हुए सूरजमुखी के पीले फूलों के खेत को देखा होगा, ये नज़ारा आपकी आँखों को दो पल के लिए सुकून ज़रूर देता होगा, पहले यह फसल एक फूल के रूप में ही उगाई जाती थी, वनस्पति उत्पादक असोसिएशन के आँकड़ों के अनुसार हमरे देश में सूरजमुखी 38,8000 हेक्टेयर भूमि में उगाया जाता है। इसमें 40-50 प्रतिशत अच्छे किस्म का तेल होता है, सूरजमुखी का तेल पीले रंग का होता है तथा व्यंजनो को पकने में प्रयोग किया जाता है यह तेल हाइड्रोजिनेटेड तेल बनाने के काम भी आता है, इसके लिए तेल में 40-44 प्रतिशत अच्छी किस्म का प्रोटीन होता है।

इसकी खेती हल्की से भारी मिट्टी में सफलतापूर्वक की जा सकती है, लेकिन मध्यम किस्म की भूमि अधिक उपयुक्त रहती है मिट्टी का पीएच मान 6-5 से 8-5 इसकी सफल पैदावार के लिए उपयोगी होती है खेत से जल निकास का प्रबंध हों आवश्यक है, पिछली फसल की कतई के बाद मिट्टी पलटने वाले हाल से एक जुताई करें। बाद में अच्छे अंकुरन के लिए भूमि की दो से तीन बार जुताई करें। इसके बाद पाटा सुहागा लगाकर बुआई के लिए खेत तैयार करें।ध्यान रहे कि खेत में ढेले न रहें, सूरजमुखी की फसल को साल में तीन बार बोया जा सकता है। खरीफ मौसम में अधिक उपज हेतु इसकी बुआई अगस्त माह में करें, रबी में मध्य अक्टूबर से नवम्बर के प्रथम पखवाड़े तक व बसंत कालीन बुआई के लिए जनवरी से फ़रवरी अंत का समय उत्तम है।

एक हेक्टेयर की बुआई के लिए संकर किस्म का बीज 4-5 किलोग्राम, उनन्त किस्म का 10 किलोग्राम बीज पर्याप्त होता है। बीज को 4-6 घंटे तक पानी में भिगोना चाहिए उपर तैरने वाले थोथे बीजों को अलग निकाल देना चाहिए, भिगोये गये बीज को छाया में सूखा लें।

बीज जनित बीमारियों की रोकथाम एवं अच्छे अंकुरन के लिए बुआई से पूर्व बीज को 2-3 ग्राम थाईरम या कैप्टान प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करें। बुआई हाल द्वारा व चौव कर भी की जा सकती है, उन्नत क़िस्मों को क़तारों में 45 सेमी तथा संकर क़िस्मों को 60 सेमी की दूरी पर बोएँ तथा पौधे से पौधे की दूरी 20-30 सेमी रखें। बीज को भूमि की नामी अनुसार 3-5 सेमी गहरा बोएँ, बुआई के 15-20 दिन बाद घने पौधे उखाडकर पौधों के बीच निश्चित दूरी रखें।

बुआई के 15-20 दिन बाद खरपतवार निकाल दें इसी समय पौधों की छ्टयी कर पौधे से पौधे की दूरी सिर्फ़ आवश्यकता अनुसार करे तथा खरपतवरों को समय-समय पर नष्ट करें। रसायनों द्वारा कहरपतवरों के नियंत्रण हेतु एलकलोर 1-5 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से पानी में घोलकर बुआई के एक दिन बाद च्चिड़काव करें या 750 ग्राम फ्लुफ्लोरेलीन प्रति हेक्टेयर की दर से पानी में घोकर बुआई के एक दिन पहले खेत में छिड़काव कर अच्छी तरह मिट्टी में मिलाएँ। यदि अधिक बढ़ने वाली किस्म बोई जाती है तो फसल को गिरने से बचाने के लिए कलियाँ बनते समय पौधे पर मिट्टी चढ़ाएँ, बुआई से पूर्व 7-8 टन प्रति हेक्टेयर सड़ी हुई गोबर की खाद भूमि में डालकर अच्छी तरह मिलाएँ उर्वरकों का प्रयोग मिट्टी परीक्षण के आधार पर ही करें। यदि किसी कारणवश मिट्टी परीक्षण नही करवा पाते हो तो सिंचित फसल में 60-80 किलोग्राम नाइट्रोजन, 60 किलोग्राम फॉस्फोरस तथा 40 किलोग्राम पोटॅश 80-125 किलोग्राम उरिया, 130 किलोग्राम मूरेट ऑफ पोताश प्रति हेक्टेयर की दर से पूरी मात्रा बुआई करते समय बीज के नीचे क़तारों में डाले। फॉस्फोरस की मात्रा की सिंगल सुपर फॉसफेट द्वारा पूर्ति किए जाने पर वांछित मात्रा में गंधक की भी आपूर्ति हो जाती है जो कि तिलानी फसलों में तेल की मात्रा बढ़ता है फूल आने के समय सिचाई करना ज़रूरी होता है प्रथम सिचाई बुआई के एक माह बाद व अन्य सिचाई 20-25 दिन के अंतराल से आवश्यकतानुसार करे, फूल आने के समय एक हल्की सिचाई अवश्य करें। यदि वर्षा अच्छी हो जाए तो खरीफ मौसम की फसल को एक भी सिचाई की।

देशवाली शेख बिरादरी समिति की बैठक संपन्न, प्रतिभा सम्मान समारोह की तैयारियों पर चर्चा

जयपुर टाइम्स

बाली(निसं.)। दरगाह हजरत मदार शाह बाबा, बाली में देशवाली शेख बिरादरी युवा इंतजाम मियां विकास समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता हाजी सत्तार मोहम्मद फालना ने की, जिसमें 10 पट्टियों के प्रतिभा सम्मान समारोह की तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया। बैठक में डॉ. मोहम्मद इकबाल, अधिवक्ता सफी मोहम्मद, हबीब शेख, मोहम्मद आरिफ, डॉ. समीर साहब सहित कई गणमान्य उपस्थित रहे। समारोह की सुचारू व्यवस्थाओं के लिए उप-समितियाँ गठित की गईं, और आयोजन खर्च का विस्तृत खाका तैयार किया गया। समाज की एकता और विकास पर जोर देते हुए नई समिति का गठन किया गया, जिसमें सफी मोहम्मद (पाली), हाजी मोहम्मद हुसैन (रानी), सद्दीक मोहम्मद (फालना), रमजू खाँ (नारलाई) सहित कई सदस्य शामिल हुए। बैठक में समाज के विकास, शिक्षा और आर्थिक सशक्तिकरण पर भी चर्चा हुई। सभी सदस्यों ने आयोजन को भव्य बनाने और समाज की प्रगति में योगदान देने का संकल्प लिया।

विधायक पुष्पेंद्र सिंह राणावत पहुंचे सेसली तीर्थ, प्रतिष्ठा महोत्सव की तैयारियों का लिया जायजा

जयपुर टाइम्स

बाली(निसं.)। क्षेत्रीय विधायक पुष्पेंद्र सिंह राणावत आज सेसली तीर्थ पहुंचे, जहां उन्होंने भगवान पार्श्वनाथ के दर्शन किए और नूतन जिनालय की भव्यता की सराहना की। उन्होंने शाम की आरती एवं मंगल दिए का लाभ लिया, जिससे संपूर्ण तीर्थ स्थल भक्तिमय हो गया। विधायक ने श्री संघ अध्यक्ष बाबू भाई मंडलेशा के साथ तीर्थ परिसर का भ्रमण कर प्रतिष्ठा महोत्सव की तैयारियों का जायजा लिया और आयोजन समिति, ट्रस्ट मंडल एवं संघ के सदस्यों की सराहना की। उन्होंने इसे समाज के लिए गौरवपूर्ण क्षण बताया। श्रद्धालुओं में भारी उत्साह देखा गया। पूरे मंदिर परिसर को विशेष रोशनी और पुष्प सज्जा से सजाया गया, जिससे आध्यात्मिक वातावरण और भी भव्य हो गया। विधायक जी के आगमन पर श्री संघ, प्रतिष्ठा कमेटी और स्थानीय समाजजनों ने गर्मजोशी से स्वागत किया। उन्होंने आयोजन के लिए पूरा सहयोग देने का आश्वासन दिया।

सरस्वती फाउन्डेशन में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम

जयपुर टाइम्स

सांभरलेक(निस)। कस्बे में नावां रोड स्थित सरस्वती साइंस फाउंडेशन स्कूल में सोमवार को 12 वीं कक्षा के विद्यार्थियों का विदाई समारोह धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के निदेशक सूरजभान डोडवाडिया व व्यवस्थापक लादूराम चौधरी ने दीप प्रज्वलित कर किया। समारोह में छात्र-छात्राओं ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रंगारंग प्रस्तुतियां दी। इस दौरान निदेशक सुरजभान डोडवाडिया ने कहा कि सरस्वती स्कूल ने क्षेत्र में शानदार परीक्षा परिणाम दिया है। स्कूल की कई प्रतिभाए आज विभिन्न क्षेत्रों में राजकीय सेवा में कार्यरत हैं। कार्यक्रम के दौरान सीनियर कक्षा के विद्यार्थियों को विदाई दी गई। इस अवसर पर प्रधानाचार्य अल्का शर्मा, अध्यापक सीताराम चौधरी, लादूराम चौधरी, बंशीलाल, दिनेश जांगिड़, यूसुफ हुसैन, नंद?सिंह, परमेश्वर, प्रेमप्रकाश, अजय कुमार, मुरली मनोहर, हेमराज, गोगराज, रामकुमार, रघुनाथ, दिनेश यादव सहित छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

7 वें कामन रिव्यू मिशन टीम ने विकास कार्यो का लिया जायजा

जयपुर टाइम्स

सवाई माधोपुर(निसं.)। भारत सरकार के निर्देशानुसार 7वें कामन रिव्यू मिशन टीम द्वारा 22 से 24 फरवरी, 2025 को जिले की पंचायत समिति सवाई माधोपुर व बौंली की विभिन्न ग्राम पंचायतों में भ्रमण कर ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज विभाग व अन्य विभाग राजीविका, सार्वजनिक निर्माण विभाग की विभिन्न योजनाओं के विकास कार्यो का जायजा लिया गया। टीम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण विकास कार्यक्रमों की कार्यप्रणाली, कार्यक्रमों के क्रियान्वयन में आ रही चुनौतियों, संबंधित मुद्दों एवं बेस्ट प्रेक्टिस दस्तावेज तैयार किया जाना है। सीआरएम टीम के डॉ. अभय कुमार एवं मोमीता सरकार भारत सरकार के अधिकारी एवं राजेन्द्र कुमार शर्मा अधिशाषी अभियंता (ई.जी.एस.) राज्य सरकार

राजेश कुमार शर्मा अधीक्षण अभियंता

गुण नियंत्रण, ग्रामीण विकास विभाग, जयपुर द्वारा भ्रमण के दौरान 22 फरवरी को पंचायत समिति सवाई माधोपुर की ग्राम पंचायत गम्भीरा का अमृत सरोवर तालाब, ग्राम पंचायत जीनापुर में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना का निरीक्षण किया गया साथ ही ग्राम पंचायत बाडोलास में (जल जीवन मिशन) के तहत जिला स्तरीय जल भ्रमण रथ यात्रा पर सीआरएम टीम द्वारा आम जनता को जल जीवन मिशन का महत्व व इसके उपयोगी होने की ग्रामीणों से चर्चा की गई। किसानों के जीवन में आर्थिक व सामाजिक उन्नति होने की जानकारी दी गई। ग्राम पंचायत बाडोलास में राजीविका के तहत संचालित स्वयं सहायता समूह की स्थानीय महिलाओं द्वारा किये गये उत्पादकों की स्टॉल प्रदर्शनी का अवलोकन टीम द्वारा किया गया। शिल्पग्राम शेरपुर में राजीविका एस.एच.जी. महिलाओं द्वारा संचालित दुकानों का अवलोकन किया गया। समूह में सम्मिलित ग्रामीण महिलाओं की आर्थिक एवं सामाजिक उत्थान के बारे में चर्चा करते हुए जीवन में आने वाली चुनौतियों का सामना कैसे किया जाए की जानकारी दी गई। टीम द्वारा उद्यान विकास कार्य (नरेगा) खिलचीपुर के राजीव गांधी सेवा केन्द्र परिसर कार्य, व पंचायत लर्निंग सेन्टर (आरजीएसए) एवं खैल मैदान विकास कार्य (नरेगा) का निरीक्षण किया गया साथ ही स्वयं सहायता समूह के सदस्यो हेतु सामुदायिक कार्यशाला निर्माण का भी अवलोकन किया गया। प्रधानमंत्री आवास योजना पर ग्रामीणों से चर्चा की गई। महिला व बच्चों के सर्वांगीण विकास जैसे मुद्दो पर चर्चा की गई। टीम द्वारा 23 फरवरी को ब्लॉक पंचायत समिति बौली की ग्राम पंचायत झनून में केन्द्रीय अंशदान से कराये गये निर्माण कार्यो का निरीक्षण किया गया। जिसमें कचरा संग्रहण केन्द्र(आर.आर.सी.) ,उद्यान विकास कार्य पंचायत के पास, सामुदायिक कार्यशाला निर्माण (राजीविका), चरागाह विकास कार्य एवं वृक्षारोपण कार्य एवं प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थीयों के आवास निर्माण कार्यो का भी निरीक्षण किया गया। राजीविका के स्वयं सहायता समूह सीएलएफ व एसएचजी की महिलाओं से आपसी बातचीत की गई। ग्राम पंचायत मामड़ोली के ग्राम पुनेता में अमृत सरोवर तालाब निर्माण कार्य (नरेगा) का निरीक्षण किया गया एवं आम जनता से रुबरु होकर केन्द्रीय योजनाओं प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थी व स्वच्छ भारत मिशन में कराये जाने वाले कार्यो एवं नरेगा रिकोर्ड के सन्धारण पर कर्मचारियों से चर्चा की गई। टीम द्वारा जनकल्याणकारी योजनाओं को जमीनी स्तर पर प्रभावी तरीके से लागू करने, कुशलता से काम करने और प्रभावी ढंग से लागू करने संबंधी ग्राम पंचायतों के सरपंच (प्रशासक),ग्राम विकास अधिकारी, कनिष्ठ सहायक आदि को निर्देश दिये गये। सीआरएम टीम के साथ अति. मुख्य कार्यकारी अधिकारी शैलेन्द्र सिंह, अधिशाषी अभियंता अशोक मीना, डी.पी.एम.(राजीविका) डॉ. सरोज बैरवा, आनंदीलाल मीना व सत्यनारायण मीना सहायक अभियंता भी साथ में उपस्थित रहे।

जल जीवन मिशन के कार्यो में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखें विभागीय अधिकारीः जिला कलक्टर

सवाई माधोपुर(निसं.)। जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की बैठक सम्पन्न जल जीवन मिशन के अंतर्गत जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की बैठक सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला कलक्टर शुभम चौधरी की अध्यक्षता में हुई। जिला कलक्टर ने जल जीवन मिशन के कार्यों को गुणवत्तापूर्ण करने एवं इनके समय-समय पर निरीक्षण के निर्देश दिए। बैठक में जिला कलक्टर ने कहा कि जल जीवन मिशन के तहत कार्यो में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखें एवं विभागीय अधिकारी समय-समय निरीक्षण करें। पाइप लाइन बिछाते समय एवं बिछाने से पूर्व संबंधित विभाग की एनओसी के माध्यम से अनुमति लेकर ही सडक तोडने की कार्यवाही शुरू करें। कार्य पूर्ण होने पर उसकी तत्काल मरम्मत करवाएं। विभाग की ओर से की जा रही जलापूर्ति की समय-समय जांच करें। बैठक में जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधीक्षण अभियंता एवं मिशन के सदस्य सचिव भगवान सहाय मीणा ने विभाग की ओर से प्रस्तुत रिपोर्ट में बताया कि जिले में 453 गांवों के लिए 366 योजनाएं स्वीकृत हैं। इनमें से 447 गांवों के लिए 362 योजनाओं की निविदाएं आमंत्रित हो चुकी हैं और 447 गांवों के लिए 362 योजनाओं के कार्य आदेश भी जारी हो चुके हैं। अब तक 269 योजनाओं के कार्य पूर्ण हो चुके हैं एवं 73 योजनाओं के कार्य प्रगति पर हैं। अधीक्षण अभियंता ने जल जीवन मिशन कार्यक्रम के अंतर्गत ब्लॉक वार क्रियाशील घरेलू जल संबंध (एफएचटीसी) व हर घर जल प्रमाणीकरण की प्रगति से अवगत करवाया। जिला कलक्टर ने कहा कि जल जीवन मिशन योजना के निर्माण कार्यो के दौरान खोदी गई सड़कों के प्रक्रियाधीन व लंबित मरम्मत कार्यो की जानकारी लेते हुए गुणवत्तापूर्ण मरम्मत कार्य करवाने के निर्देश अधीक्षण अभियंता जलदाय विभाग को प्रदान किए। साथ ही समस्त अधिशाषी अभियंताओं से मरम्मत कार्य पूर्ण होने के प्रमाण पत्र आगामी बैठक में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने जल जीवन मिशन के तहत पेयजल स्रोतों पर बकाया विद्युत कनेक्शनों जिनके डिमाण्ड नोट जमा हो चुके है वहां तत्काल प्रभाव से विद्युत कनेक्शन जारी करने के निर्देश अधीक्षण अभियंता विद्युत विभाग बी.एल. मीणा को दिए। ताकि विद्युत कनेक्शनों के अभाव में जल जीवन मिशन की प्रगति बाधित न हो। उन्होंने आगामी गर्मी के मौसम को ध्यान में रखते हुए खराब हैण्डपम्पों, ड्राई बोरवेलों की वर्तमान स्थिति की जानकारी प्राप्त कर कार्ययोजना बनाकर जलापूर्ति वैकल्पिक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश प्रदान किए। बैठक में अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी शैलेन्द्र सिंह, सहायक कलक्टर रूबी अंसार, अधीक्षण अभियंता जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग वृत गंगापुर सिटी, उप निदेशक आईसीडीएस प्रियंका शर्मा, अतिरिक्त सीएमएचओं डॉ. कैलाश सोनी सहित संबंधित विभागीय अधिकारी एवं कार्मिक उपस्थित रहे।

आवश्यक सेवाओं की साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित, बजट घोषणाओं की प्रभावी मॉनिटरिंग कर शीघ्र धरातल पर लाने के निर्देश

जयपुर टाइम्स

सवाई माधोपुर(निसं.)। बिजली, पानी, सड़क, शिक्षा, चिकित्सा, सम्पर्क पोर्टल, बजट घोषणाओं सहित आवश्यक सेवाओं की साप्ताहिक समीक्षा बैठक जिला कलक्टर शुभम चौधरी की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट परिसर स्थित भारत निर्माण राजीव गांधी सेवा केन्द्र के वीसी कक्ष में आयोजित हुई। जिला कलक्टर ने अधिकारियों से कहा कि बजट घोषणाओं के बेहतर क्रियान्वयन हेतु आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए समयबद्धता व गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए। साथ ही बजट घोषणाओं की प्रभावी मॉनिटरिंग कर शीघ्र धरातल पर लाने के निर्देश दिए ताकि आमजन को इसका फायदा मिल सके। उन्होंने बजट घोषणा 2025-26 की भूमि आवंटन प्रस्तावों के नामांतकरण अविलम्ब पूर्ण कर संबंधित विभाग को कब्जा प्रदान करने के निर्देश समस्त उपखण्ड अधिकारी एवं तहसीलदार को प्रदान किए। ताकि बजट घोषणाओं को समय पर पूर्ण किया जा सके। उन्होंने राजस्थान सम्पर्क पोर्टल (सीएम हैल्पलाईन-181) की समीक्षा करते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को राजस्थान सम्पर्क पोर्टल पर लम्बित प्रकरणों के साथ ही जिले में लोकायुक्त, मुख्यमंत्री कार्यालय, सतर्कता समिति के बकाया सभी प्रकरणों का त्वरित निस्तारण करवाकर जवाब भिजवाये जाने के निर्देश दिए। उन्होंने सम्पर्क पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों को 30 दिवस के भीतर निस्तारण करने के निर्देश संबंधित विभागीय अधिकारियों को दिए। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री कार्यालय, कलेक्ट्रेट कार्यालय एवं जनसुनवाईयों में प्राप्त होने वाले प्रकरणों को साप्ताहिक आधार पर निस्तारण सुनिश्चित किया जाए ताकि परिवादियों को बार-बार न आना पड़े। विभागीय अधिकारियों से ई-गिरदावरी की वर्तमान स्थिति की जानकारी लेते हुए निरंतर मॉनिटरिंग कर ई-गिरदावरी कार्यो मे तेजी लाने एवं शत-प्रतिशत गिरदावरी सुनिश्चित करवाने के निर्देश संबंधित उपखण्ड अधिकारी को प्रदान किए। बैठक में मुख्य कार्यकारी अधिकारी गौरव बुडानिया, अतिरिक्त जिला कलक्टर संजय शर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रामकुमार कस्वा, एसडीएम अनूप सिंह, सहायक कलक्टर रूबी अंसार, अधीक्षण अभियंता सार्वजनिक निर्माण विभाग हरिराम मीना सहित संबंधित विभागीय अधिकारी एवं कार्मिक उपस्थित रहे।

Rajasthan State Road Development And Construction Corporation Ltd.,JAIPUR.

No. NIT/2024-25130161-73 निविदा सूचना / 2024-25 Date- 24.02.2025

निम्नलिखित कार्य के लिए केन्द्र / राज्य सरकार के अभियांत्रिकी विभागों एवं उनके अधिकृत संगठनों में पंजीकृत एवं अनुभवी संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्युरमेन्ट प्रक्रिया हेतु ऑनलाइन निविदायें आमंत्रित की जाती है

कार्य का विवरण	कार्य की अनुमानित लागत (रू0)	निविदा सूचना संख्या
Electrical and other related works at Saleem Durrani Residential School at Bharatpur Stadium. UBN: RRC2425WSOB00912	184.77 Lakh	ई-495/ 24-25
Flooring and Interior work at State of Art Gym and Fitness Center above TT Hall at Umaid Stadium, Jodhpur. UBN: RRC2425WSOB00909	33.01 Lakh	
Construction of Residential Quarter at Forth Floor of E&isting Quarters at C-49, Jodhpur. UBN: RRC2425WSOB00910	40.78 Lakh	अल्पकालीन ई-498/ 24-25
Construction of Cement Concrete Pickle Ball Court at Rajasthan Judicial Academy, Jhalmand, Jodhpur. UBN: RRC2425WSOB00911	21.00 Lakh	

निविदा से सम्बन्धित प्रपत्र में निविदा शुल्क, धरोहर राशि, डाउनलोड करने व खोलने की तारीख सहित सम्पूर्ण विवरण एवं संशोधन वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.nic.in तथा http://pwd.rajasthan.gov.in/rsrdc पर देखा जा सकता है । इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर्ड करवाना आवश्यक है।

महाप्रबंधक

विकसित भारत के संकल्प एवं गरीबों के सपनों को साकार करने वाला बजटः जवाहर सिंह

कांग्रेस ने सिर्फ गरीब को परिभाषित किया प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गरीबी दूर कर रहे हैं -सत्येद्र पाराशर

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निसं.) भाजपा कार्यालय धौलपुर पर भाजपा जिला अध्यक्ष सत्येद्र पाराशर की अध्यक्षता में केंद्रीय बजट एवं राज्य सरकार के बजट को लेकर प्रबुद्ध जन सम्मेलन एवं बजट पर चर्चा को लेकर राजस्थान सरकार के गृह राजमंत्री एवं धौलपुर के जिला प्रभारी मंत्री जवाहर सिंह ने प्रबुद्ध जनों एवं मध्यम वर्ग के लोगों से किया संवाद, कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के रूप में पधारे राजस्थान सरकार के गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह ने कहा कि विकसित भारत के संकल्प को और गरीबों के सपनों को साकार करने वाला बजट आर्थिक विकास और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण एवं मजबूत कदम है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर है, मोदी सरकार ने 12 लाख रुपए तक कि आय को टैक्स फ्री करके मध्यम वर्गीय परिवारों को बड़ा तोहफा दिया है, जवाहर सिंह ने भाजपा कार्यालय में प्रबुद्ध जनों से परिचर्चा कर केंद्र और राज्य सरकार के बजट पर कहा हमें नरेंद्र मोदी एवं भजनलाल सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाना एवं उनके क्रियान्वयन कर आमजन को लाभ दिलवाने का कार्य भी, हम सब कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी है, जिला अध्यक्ष सत्येद्र पाराशर ने कहा कांग्रेस ने सिर्फ गरीबों को परिभाषित किया एवं देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी गरीबी को दूर कर रहे हैं , मोदी जी ने इस बार के बजट 2025-26 में समृद्ध साली एवं खुशहाली और विकसित भारत बनाने वाला बजट दर्शाया है, 10.1% ग्रोथ रेट दिखाना मोदी सरकार का साहसिक कदम है, किसानों के क्रेडिट कार्ड की केसीसी ऋण सीमा 3 लाख से बढ़कर 5 लाख की है, युवाओं के लिए मेडिकल साइंस में 1 साल में 10000 सीट बढ़ाने का लक्ष्य रखा है, जो अगले 5 साल में 75000 हो जाएगी, यह बजट रोजगार देने वाला और भारत की इकोनॉमी को शक्तिशाली बनाने वाला बजट है, सत्येद्र पाराशर ने बताया राजस्थान के यशस्वी मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जी की सरकार ने राजस्थान में किसान, गरीब, युवा , महिला ,शिक्षा, चिकित्सा एवं उद्योगों को लेकर विकसित राजस्थान बनाने वाला बजट दिया है, जिससे राजस्थान के हर घर में खुशहाली है।

सार्वजनिक - आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता हैं की क़स्बा चुरू में स्थित पुराना वार्ड नं. 43 (वर्तमान वार्ड नं. 57) सफ़ेद घंटाघर से सुभाष चौक के मध्य में वाणिज्यक दुकान दुकान नं. 1 जो जिला चुरू (राजस्थान) में एक वाणिज्यक दुकान दुकान नं. 1 जो मय निर्माण के निचे लिखे आसे पासो का तादादी 26.06 वर्ग मीटर माप की हैं जिसका पट्टा पट्टा संवत 1970 मिति सुदी ग्याराश दिनांक - 09.11.1913 जो बीकानेर स्टेट के द्वारा लिखमी चंद, कुंदन मल, नेमीचंद, जनवारी, मलोनी, सुगन चंद, पाना ललोदी के नाम से रेवेन्यु कमिश्नर राजश्री बीकानेर महाराज के द्वारा पट्टा जारी किया हुवा हैं 7 जो 623 दरगज का हैं । तत पस्चायत दिनांक 22.04.1936 को एक विक्रय पत्र जो लख्मीचंद पुत्र जोहरी मल, नेमी चंद, फतुर्क अंकल पुत्र जोहरी मल, कन्हिया लाल सेल्फ और करता खानदान नेमी चंद कन्हिया लाल, हनवत मल पुत्र नेमी चंद जित ओसवाल निवासी चुरू यह लोग विक्रेता हैं जो मदन गोपाल पुत्र महादेव प्रसाद, बनार्शी लाल पुत्र मदन गोपाल जाति अग्रवाल, निवासी :- चुरू को विक्रय कर दिया जो विक्रय - पत्र दिनांक :- 22.04.1936 को उपपंजीयन चुरू में बही लाजमी सं:- 2 सुमार नं:- 8, पाना नं. 38 से 44पर चस्पा सुधा हैं तत पस्चायत दिनांक :- 01.11.1983 को एक विक्रय पत्र जो शरवन कुमार बागला, पवन कुमार बागला, कृषण कुमार बागला पुत्रगण बनारशी लाल बागला और कौशल्या देवी बागला पत्नी बनारशी लाल बागला, निवासी :- चुरू हाल बैंगलोर जरिया मुख्यार नामा गोपी राम मोदी पुत्र प्रभुदयाल मोदी निवासी चुरू यह लोग विक्रेता हैं जो उमराव देवी हीरावत पत्नी धनराज हीरावत जाति ओसवाल, निवासी :- चुरू को विक्रय कर दिया जो विक्रय पत्र दिनांक 01.11.1983 को उपपंजीयन चुरू में पुस्तक सं:- 1 जिल्द नं:- 46, क्रम नं. 672, पेज 41 A पर चस्पा सुधा हैं तत पस्वायत दिनांकः 25.11.2013 को एक रजिस्टर्ड WILL वसीयत जो उमराव देवी हीरावत पत्नी धनराज हीरावत जाति ओसवाल, निवासी :- चुरू ने उम्मेद लुनिया और विनोद कुमार लुनिया पुत्रगण स्व. मन्ना लाल लुनिया ओसवाल निवासी चुरू को अपने हिस्से ही उपरोक्त पट्टा सुदा जमीन जो वसीयत कर दी जो वशियत दिनांकः 25.11.2013 को उपपंजीयन चुरू में बुक सं:- 3 जिल्द नं:- 8, पेज नं. 127, क्रम सं:- 2013000038, अतिरिक्त बुक नं. 3, जिल्द नं. 17, पेजेज :- 201 से 212 पर चस्पा सुधा हैं। तत पश्चायत श्रीमती सरिता पुत्री स्व. उम्मेद मल मुनिया पत्नी दीपक सेखानी में अपने पॉवर जरिया मुख्यार नामा राज कुमारी जैन पत्नी स्व. उम्मेद मल लुनिया को दे दिया तत पस्चायत दिनांक :- 02.08.2019 को एक रिलीज़ डीड जो राज कुमारी जैन पत्नी स्व. उम्मेद मल लुनिया ओसवाल निवासी :- चुरू जरिया मुख्यतार नामा सरिता शेखानी पुत्री उम्मेद माली लुनिया निवासी :- चुरू हाल हेदराबाद यह लोग हक्त्याग कर्ता हैं जो राज कुमारी जैन पत्नी स्व. उम्मेद मल लुनिया ओसवाल और सुनील कुमार लुनिया पुत्र स्व. उम्मेद मल लुनिया निवासी वार्ड नं. 43 चुरू को रिलीज़ कर दी जो 450 वर्ग फीट है रिलीज़ डीड दिनांक 02.08.2019 को उपपंजीयन चुरू में बुक नं. 01, जिल्द नं. 493, पेज नं. 122, क्रम सं. 201903337103033, अतिरिक्त बुक नं. 01, जिल्द नं. 1697 पेजेज :- 220 से 228 पर चस्पा सुधा हैं। तत पस्चायत दिनांक : 07.07.2021 को एक रिलीज़ डीड जो राज कुमारी जैन पत्नी स्व. उम्मेद मल लुनिया ओसवाल निवासी :- चुरू जो हक्त्याग कर्ता हैं जो सुनील कुमार लुनिया पुत्र स्व. उम्मेद मल लुनिया निवासी :- वार्ड नं. 43 चुरू को रिलीज़ कर दी जो 675 वर्ग फीट है। रिलीज़ डीड दिनांक : 07.07.2021 को उपपंजीयन चुरू में बुक नं. 01, जिल्द नं. 524, पेज नं. 130, क्रम सं. 202103337102008, अतिरिक्त बुक नं. 01, जिल्द नं. 1821 पेजेज :- 241 से 251 पर चस्पा सुदा हैं । तत पस्चायत दिनांक :- 19.06.2023 को एक विक्रय पत्र जो विनोद कुमार लुनिया पुत्र स्व. मन्ना लाल लुनिया और सुनील कुमार लुनिया पुत्र उम्मेद मल लुनिया ओसवाल निवासी :- वार्ड नं. 43 चुरू यह लोग विक्रेता हैं। जो सज्जन कुमार अग्रवाल पुत्र नौरतन मल अगरवाल निवासी वार्ड नं. 02 चुरू को इस विक्रय कर दिया जो वाणिज्यक दुकान दुकान नं. 1 जो पुराना वार्ड नं. 43 (वर्तमान वार्ड नं. 57) सफ़ेद घंटाघर से सुभाष चौक के मध्य में स्थित हैं। यहाँ विक्रय पत्र दिनांक 21.06.2023 को उपपंजीयन चुरू में पुस्तक स:- 1 जिल्द नं. 589, पेज नं. 63 क्रम सं, 202303337102862, अतिरिक्त पुस्तक संख्या :- 1 जिल्द नं. 2080, पेजेज :- 142 से 155 पर निष्पादित सुदा हैं।

आसा पासा निर्माण वाके स्थित पुराना वार्ड नं. 43 (वर्तमान वार्ड नं. 57) सफ़ेद घंटाघर से सुभाष चौक के मध्य में वाणिज्यक दुकान दुकान नं. 1 जो जिला चुरू

उत्तर	दक्षिण	पूर्व	पश्चिम
दुकान से 12 विक्रेता जो पवन कुमार अगरवाल को विक्रय की गइ	रास्ता आम सड़क सफेद घंटाघर से सुभाष चौक जाने वाली	हवेली सरवन कुमार आदि बागला	दुकान सं.02 विक्रेता जो उमरावती देवी अगरवाल को विक्रय की गइ
8 फीट 6 इंच	8 फीट 6 इंच ट	33 फीट	33 फीट

कुल 26.06 वर्ग मीटर

उक्त वाणिज्यक दुकान दुकान नं. 1 सज्जन कुमार अग्रवाल पुत्र नौरतन मल अगरवाल निवासी वार्ड नं. 02 चुरू के स्वामित्व का हैं जिसमे 7 ऋण सुविधा प्राप्त करने हेतु उक्त सम्पति को (AU SMALL FINANCE BANK LTD) के यहाँ रहिन रख ऋण सुविधा प्राप्त कर रहा है जिस बाबत उक्त वाणिज्यक दुकान दुकान नं. 1 रहीन रखे जाने व बैंक द्वारा ऋण सुविधा प्राप्त किये जाने में कोई Objection या आपत्ति आमजन या किसी हितधारी को हो तो सार्वजनिक सुचना के तहत 07 दिवस के भीतर भीतर निचे हस्ताक्षरकर्ता के यहाँ लिखित ऐतराज पेश करें बाद मियाद ऋण स्वीकृत कर प्रदत कर दिए जाने उपरांत किसी भी प्रकार का कोई ऐतराज Objection मान्य व स्वीकार्य नहीं होगा ।।

भवदीय
सुरेन्द्र सिंह राठौर
AU SMALL FINANCE BANK LIMITED CHURU
सुरेन्द्र सिंह राठौर MOÑ- 9610101708.
विनोद कुमार सोनी एडवोकेट चैम्बर न. 25 कोर्ट परिसर चुरू मो. 9414333756.

नगर परिषद सुजानगढ (चूरू) राजस्थान

E-mail id:- nps222419@gmail.com Phone no. 01568-222419

क्रमांक :–न.प.सु / विकास शाखा / 2025 / 7162 दिनांक :– 21.02.2025

निविदा सूचना – 2025

नगर परिषद सुजानगढ़ द्वारा विभिन्न प्रकार के कार्यों के लिये उपयुक्त सक्षम श्रेणी के राज्य सरकार के विभागों में प्रजीकृत ठेकेदारों / फर्मस से निविदा दिनांक 28.02.2025 को दोपहर 3:00 बजे तक आमन्त्रित की जाती है। निविदा प्रतियां दिनांक 28.02.2025 को दोपहर 1:00 बजे तक विकय की जावेगी प्राप्त निविदायें उसी दिन उपस्थित ठेकेदारों के समक्ष सायं 4:00 बजे खोली जावेगी। उक्त निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण वेबसाईट **www.sppp.raj.gov.in** पर प्राप्त की जा सकती है। निविदा का बीड कमांक– **DLB2425WSOB17958** कार्यालय समय में किसी भी कार्य दिवस को नगर परिषद सुजानगढ के कार्यालय में एवं सूचना बोर्ड पर देखी जा सकती है।

आयुक्त
राज.संवाद / सी / 24 / 12200 नगर परिषद सुजानगढ

नगर परिषद सुजानगढ (चूरू) राजस्थान

E-mail id:- nps222419@gmail.com Phone no. 01568-222419

क्रमांक :–न.प.सु / विकास / 2025 / 7167 दिनांक :– 21.02.2025

-: ई–निविदा सूचना–2025–26 :-

नगर परिषद सुजानगढ़ द्वारा विभिन्न प्रकार के कार्यों के लिये उपयुक्त सक्षम श्रेणी के राज्य सरकार के विभागों में प्रजीकृत ठेकेदारों / फर्मों से निविदा दिनांक 04.03.2025 तक आमन्त्रित की जाती है। निविदा प्रपत्रों को वेबसाईट **https://eproc.rajasthan.gov.in** से डाउनलोड कि जा सकता है एवं निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण वेबसाईट **www.sppp.raj.gov.in** पर प्राप्त की जा सकती है। निविदा का बीड कमांक **(DLB2425WSOB17945)** है। कार्यालय समय में किसी भी कार्य दिवस को नगर परिषद सुजानगढ के कार्यालय में एवं सूचना बोर्ड पर देखी जा सकती है।

आयुक्त
राज.संवाद / सी / 24 / 12199 नगर परिषद सुजानगढ

आपत्ति सूचना

मैं प्रेमा देवी पत्नी राधेश्याम निवासी बिलंगा, जिला चूरू - सर्वसाधारण को सूचित करती हूं कि मेरे पति का स्वर्गवास दिनांक 23/09/24 को हो चुका है, जिनके नाम से एक वाहन आरजे 44 सी ए 0731 पंजीकृत है, जिसे अब मैं अपने नाम करवा रही हूं। किसी को आपत्ति हो तो, जिला परिवहन कार्यालय, सुजानगढ़ में दर्ज करावे।

नाम परिवर्तन

मैंने अपना नाम सुरेश कुमार डूखिया पुत्र झूमर राम से बदलकर सुरेश चौधरी पुत्र श्री प्रेम प्रकाश कर लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जावे। निवासी कुड़ी भगतासनी, हाउसिंग बोर्ड, जोधपुर।

नाम परिवर्तन

मैंने अपना नाम जावेद से बदलकर जावेद चौहान (JAVED CHOUHAN) रख लिया है। अतः भविष्य में मुझे जावेद चौहान (JAVED CHOUHAN) के नाम से ही जाना, पुकारा, पहचाना जावे। जावेद चौहान (JAVED CHOUHAN) पुत्र महबूब, वार्ड न 39, पंचमुखी बालाजी मंदिर के पास, सुजानगढ़ (चूरू) 331507

शेखावाटी जयपुर टाइम्स

जयपुर, मंगलवार
25 फरवरी, 2025

पूर्वा भारद्वाज को मिली डॉक्टरेट की उपाधि

जयपुर टाइम्स

नीमकाथाना(निस)। मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर के राजनीति विज्ञान विभाग की शोधार्थी पूर्वा भारद्वाज को उनके शोध-कार्य 'स्वतंत्रता से पूर्व राजस्थान के किसान आंदोलनों में राजनीतिक दलों की भूमिका' के लिए पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई है। पूर्वा ने अपना शोध कार्य विश्वविद्यालय के आर्ट्स कॉलेज के सेवानिवृत्त डीन व राजनीति विज्ञान विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. संजय लोढ़ा के निर्देशन में पूर्ण किया। वर्तमान में वे कानोड़िया पीजी महिला महाविद्यालय, जयपुर में राजनीति विज्ञान विभाग में सहायक आचार्य के पद पर कार्यरत हैं। पूर्वा ने अपनी पीएचडी की मौखिकी परीक्षा 20 जनवरी, 2025 को दी थी, जिसमें दिल्ली विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग से वरिष्ठ प्राध्यापक प्रो. उज्जवल कुमार सिंह ने एक्सपर्ट के रूप में ऑनलाइन परीक्षा ली। पूर्वा ने इस उपलब्धि का श्रेय अपने दादाजी व वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. हेतु भारद्वाज, माता-पिता वागीश कुमार भारद्वाज और सुमन भारद्वाज, जीवनसाथी डॉ. दुष्यंत शर्मा (आईआईटी आईएसएम धनबाद के विद्युत अभियांत्रिकी विभाग में सहायक आचार्य) और अनुज अपूर्व भारद्वाज को दिया।

कृषि रजिस्ट्री शिविर में सैंकड़ों किसानो का रजिस्ट्रेशन

जयपुर टाइम्स

नीमकाथाना/पाटन (निंस.)। उपखंड मुख्यालय के निर्देशानुसार सोमवार को ग्राम पंचायत बल्लूपुरा में फार्मर रजिस्ट्री शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का संचालन प्रशासक हवासिंह की अध्यक्षता में किया गया। जिसमें किसानों की जमाबन्दी को आधार कार्ड से जोड़ा गया। इस दौरान कुल 100 किसान आईडी की केवाईसी रजिस्ट्री का कार्य संपन्न हुआ। शिविर में ग्राम विकास अधिकारी अजीत सिंह यादव, कनिष्ठ सहायक रोशन रावत, कृषि पर्यवेक्षक सावित्री, बीसीसीआई प्रियंका, राजस्व विभाग से गिरदावर हबीब खां, पटवारी प्रियंका जिन्दल, रघुवीर प्रसाद, ओमप्रकाश और पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुनील कुमावत, एलएसआई कमल कुमार ने भी भाग लिया। इसके अलावा सहकारी समिति से मुनेश कुमार भी उपस्थित रहे। यह शिविर किसानों के लिए एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ है, जिसमें उनकी कृषि रजिस्ट्री के प्रक्रिया को सरल और व्यवस्थित किया गया है।

चवा, आदर्श चवा की पहली महिला एएसआई बनी बबरी चौधरी

जयपुर टाइम्स

रावतसर(निसं.)। निकटवर्ती ग्राम पंचायत चवा और आदर्श चवा से कोई भी महिला पहली बार पुलिस विभाग में एएसआई पर पहुंची है जिससे दोनों ग्राम पंचायत के ग्रामीणों में खुशी का माहौल है। दरअसल 1998 मे कांस्टेबल बनी बबरी सियाग मूलतः सरली निवासी हैं और ससुराल आदर्श चवा में है। कांस्टेबल के उस समय भी सिणधरी पंचायत समिति की पहली महिला कांस्टेबल भी थी। हाल ही में एएसआई पद पर पदोन्नति मिली है। बबरी के एएसआई बनने पर परिजनों, रिश्तेदारों और ग्रामीणों ने खुशी जाहिर की है।

हरासर में किसान रजिस्ट्रीकरण शिविर आयोजित

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। शहर के निकटवर्ती ग्राम पंचायत हरासर में किसान रजिस्ट्रीकरण शिविर का आयोजन किया गया। स्वास्थ्य सुरक्षा योजना में 54 आवेदन आए। इसी प्रकार प्रधानमंत्री आवास योजना के कुल 52 आवेदन हुए। मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना में 557 पंजीयन किए गए। इसी प्रकार जन्म, मृत्यु, पेंशन के 14 सत्यापन किए गए। शोक पीट 75 स्वीकृत किए गए। शिविर का उपखंड अधिकारी ओमप्रकाश वर्मा, तहसीलदार राजूदेवी, विकास अधिकारी रवि कुमार ने अवलोकन किया। शिविर में सरपंच राजेंद्रसिंह, ग्राम विकास अधिकारी सम्पतसिंह, सहायक विकास अधिकारी रामानंद फलवाड़िया, भू निरीक्षक सुखदेव स्वामी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी भी मौजूद रहे।

झुंझुनूं जिले में 16 संस्कृत स्कूल होंगे 12 वीं तक क्रमोन्नत

विद्यार्थियों को मिलेगा फायदा, लंबी दूरी तय नहीं करनी पड़ेगी

जयपुर टाइम्स

झुंझुनूं(निस)। झुंझुनूं जिले की संस्कृत शिक्षा के दसवीं तक (प्रवेशिका) के 16 स्कूलों को उच्च माध्यमिक (वरिष्ठ उपाध्याय) में क्रमोन्नत जाएगा। राज्य सरकार ने बजट में इसकी घोषणा की थी। इनमें जिले की बड़बर, लाडूंदा, सूरजगढ, सुखाना जोहड़ा, केशव की ढाणी, कुमावास, खातीपुरा कोलसिया, परसरामपुरा, बिसाऊ, मलसीसर, बालाजी बस स्टैंड, मण्डावा, जामा दा जोहड़ी, हरदेवाराम की ढाणी बबाई, खेतड़ी, भूकरी की ढाणी की स्कूल शामिल है। इससे संस्कृत विषय में रुचि रखने वाले विद्यार्थियों को फायदा होगा। उन्हें लंबी दूरी तय नहीं करनी पड़ेगी। आसपास में स्कूल नहीं होने से संस्कृत में रुचि रखने विद्यार्थियों को अक्सर दसवीं के बाद लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी या फिर विषय बदलना पड़ता था। इसे राज्य सरकार ने संस्कृत रुचि रखने वाले विद्यार्थियां को राहत दी है। स्कूलों के क्रमोन्नत होने से नए पदों का सृजन होगा। संस्कृत शिक्षा के प्रति एक बार फिर माहौल बनेगा। युवाओं का संस्कृत के प्रति रुझान कम हो रहा था, क्योंकि उनको नौकरी नहीं मिल रही थी। अब एक बार फिर संस्कृत पढ़ने वाले युवा एसटीसी, बीएड व एमएड करेंगे। जो शिक्षक दूसरे जिलों में कार्यरत हैं, उनको गृह जिले में पद मिलेंगे। वे कई साल अपने गांव अपने घर के नजदीक आ सकेंगे।

क्लस्टर स्तरीय एक दिवसीय साक्षरता प्रशिक्षण कार्यशाला

जयपुर टाइम्स

पाटन(निंस)। नवभारत साक्षरता कार्यक्रम) के तहत ब्लॉक पाटन की राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय रामपुरा बेगा की नांगल में निदेशालय साक्षरता व सतत शिक्षा राजस्थान के निर्देशानुसार एक दिवसीय साक्षरता प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य सर्वेयर शिक्षकों और स्वयंसेवी शिक्षकों को नवभारत साक्षरता कार्यक्रम से परिचित कराना था। कार्यशाला की अध्यक्षता क्लस्टर प्रभारी व विद्यालय के प्रधानाचार्य राजेंद्र प्रसाद ने की। कार्यशाला में ब्लॉक पाटन के 5 ग्राम पंचायतों रामपुरा बेगा की नांगल, मौठूका, बल्लुपुरा, दलपतपुरा रामसिंहपुरा और रामपुरा बेगा की नांगल से कुल 60 सर्वेयर शिक्षक व स्वयंसेवी शिक्षक शामिल हुए। ब्लॉक समन्वयक साक्षरता शिम्भु दयाल स्वामी ने नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के उद्देश्य और इसकी विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह कार्यक्रम भारत सरकार की ओर से प्रायोजित है और 2022 से 2027 तक चलने वाला है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण और शहरी क्षेत्र में बुनियादी साक्षरता, संख्यात्मक ज्ञान, क्रिटिकल जीवन कौशल, बुनियादी शिक्षा और व्यावसायिक कौशल विकास प्रदान करना है। अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी महेश कुमार मीणा ने कार्यक्रम के महत्व को स्पष्ट करते हुए कहा कि साक्षरता अब केवल अक्षर ज्ञान तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जीवन कौशल, व्यावसायिक शिक्षा और सतत शिक्षा प्रदान करने का भी कार्य करती है। कार्यशाला के अंत में पीईईओ राजेंद्र प्रसाद सैनी ने सभी शिक्षकों को कार्यक्रम के सफल संचालन और क्रियान्वयन के लिए प्रेरित किया। कार्यशाला का संचालन व्याख्याता नरेंद्र कुमार मीणा ने किया। कार्यशाला में उपस्थित सभी शिक्षकों ने नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के महत्व को समझते हुए इसे समाज और राष्ट्रहित में एक पुण्य कार्य बताया।

महामंडलेश्वर बनकर आगमन पर किया भव्य स्वागत

सुजानगढ़(नि.सं.)। महामंडलेश्वर बनाकर सुजानगढ़ आगमन पर श्यामसुंदर दास महाराज का अशोक स्तंभ से लेकर सियाराम बाबा की बगीची तक अभिनंदन जुलूस निकाला गया। अशोक स्तंभ से बैंड बाजों के साथ नाचते, गाते, हरि कीर्तन करते हुए श्रद्धालुओं ने महाराज का स्वागत किया। इस अवसर पर महंत श्याम दास महाराज, प्रेमदास महाराज, संत बजरंगदास महाराज का भी स्वागत किया गया। कार्यक्रम में सुभाष बेदी ने कहा कि सभी भक्तों के लिए काफी खुशी की बात है और सुजानगढ़ का यह सौभाग्य है कि सुजानगढ़ को पहली बार यह पद मिला है। कार्यक्रम में नरेंद्र भाटी ने कहा कि हमारे लिए काफी गौरव की बात है। इस अवसर पर श्रवण सुरोलिया, महेंद्र टॉक, दिनेश स्वामी, मदन माली, हेतराम तंवर, निर्मल सराफ, राकेश रिणवा सहित अनेक श्रद्धा लोगों मौजूद रहे।

गीता को पढ़ने के लिए अर्जुन बनने की जरूरत

जयपुर टाइम्स

मण्डावा(निस)। गीता को सर्वदा इस भाव से पढ़ना चाहिए कि मानो भगवान श्रीकृष्ण हम से कह रहे है। इसके लिए हमें अर्जुन बनना पड़ेगा। गीता में भगवान केवल दो विषयों की प्रधानता से चर्चा करते है, धर्म और कर्म। इसमें जो आत्मविषयक चिन्तन है, वह धर्म है और जो विषाद की चर्चा है वह कर्म विचार हैं। ये विचार राजस्थान ब्राह्मण महासभा के झुंझुनूं जिलाध्यक्ष अरविन्द पारीक ने व्यक्त किए। पारीक सोमवार को इलाहाबाद - प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ में शेखावाटी पंडाल में भगवद् गीता के वैज्ञानिक आयाम विषय पर व्याख्यान दे रहे थे। पारीक ने कहा कि गीता सृष्टि का विज्ञान है और यह सभी प्राणियों पर एक नियम लागू करती है। धर्म ही ज्ञान है और कर्म ही विज्ञान है। विविधं ज्ञान विज्ञानम् यह विज्ञान की परिभाषा है। मम योनिर्महद्ब्रह्म तस्मिन्गर्भ दधाम्यहम्। सम्भव सर्वभूतानां ततो भवति भारत। इस मंत्र में पूरी सृष्टि प्रकिया वर्णित है। इस पर शोधार्थी विद्वानों को गूढ़ रहस्यपरक विचार करना चाहिए। पारीक गीता शास्त्र के अद्भुत चिंतक है। गीता में भगवान ने स्पष्ट कहा है कि दुःखों से मुक्ति के लिए विज्ञान सहित ज्ञान की आवश्यकता है। कार्यक्रम की शुरूआत वैदिक मंगलाचरण से हुई। इस धार्मिक कार्यक्रम में आचार्या सुषमा पारीक, श्यामसुन्दर मोदी, सुमित्रा मोदी , कैप्टन महेन्द्रसिंह तिहावली, मनीष पारीक, चेतना, उपासना पारीक सहित सैकड़ो श्रद्धालु मौजूद रहे। इस मौके पर अरविन्द पारीक की ओर से विशाल भण्डारे का भी आयोजन किया गया।

पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय खेजड़ा में शिक्षा विभाग का एक दिवसीय वाकपीठ का आयोजन

जिला शिक्षा अधिकारी गोविंद सिंह राठौड़ ने शिक्षकों को दिए निर्देश

जयपुर टाइम्स

गोविंद सिंह राठौड़ ने कहा अगर संस्था प्रधान ऊर्जावान होगा हंसमुख होगा तो वह अपनी संस्था को आगे लेकर जाता है और उन्नति के पथ पर आगे बढ़ता है जो भीड़ से अलग चला करते हैं लोग उन्हें सलाम किया करते हैं गांव खेजड़ा के पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में वाकपीठ का आयोजन मेहमानों का केसरिया बालम स्वागत गीत के साथ किया स्वागत संस्था प्रधान हरिप्रसाद सरावग वह विद्यालय के समस्त स्टाफ ने ब्लॉक के 210 गांव से आए संस्था प्रधानों का किया भव्य स्वागत प्रधानाचार्य हरिप्रसाद सरावग ने कहा की गांव का यह विद्यालय 5 साल पहले जर्जर अवस्था में था जिसको हमने हमारे गांव के भामाशाहों के सहयोग से आज जिले का एकमात्र विद्यालय बना जिसका गांव के अध्यापक गौरीशंकर बाना का इस विद्यालय का भौतिक स्वरूप बनाने में महत्व पूर्ण योगदान रहा है और आगे भी रहेगा उच्च माध्यमिक संस्था प्रधान हिंदी एवं अंग्रेजी माध्यम वाक्पीठ (द्वितीय) वाक्पीठ अध्यक्ष बाल कृष्ण कौशिक की अध्यक्षता, प्राचार्य हरिप्रसाद सरावग के संयोजन एवं CBEO अशोक कुमार पारीक के संरक्षण में आयोजित हुई। मुख्य अतिथि गोविंद सिंह राठौड़ ने विद्यालय संचालन में संस्था प्रधान की महत्व भूमिका पर प्रकाश डाला। विशिष्ट अतिथि ADPC संतोष महर्षि ने संस्था प्रधान को विद्यालय धुरी बताते हुए खुशनुमा माहौल में विद्यार्थी के सर्वांगीण विकास संभव है। रेसा-पी जिलाध्यक्ष रामकुमार खीचड़ ने विद्यालय विकास में प्राचार्य की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए वाक् पीठ के महत्व के बारे में बताया। वाक्पीठ संयोजक हरिप्रसाद सरावग ने सभी संस्था प्रधानों का स्वागत उद्बोधन दिया। विद्यालय की प्राध्यापक स्नेहलता धौलपुरिया के निर्देशन में विद्यालय की छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुति दी। संतोष शर्मा प्राचार्य ने ₹ज्ञह्व पर वार्ता प्रस्तुत की। जयदेव सिंह प्राचार्य ने विभागीय जांच प्रक्रिया एवं आचरण नियम 1971 विषय पर वार्ता दी। वाक्पीठ सचिव रामलाल मेहरा ने प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। गौरीशंकर बाना को उल्लेखनीय कार्य के लिए विद्यालय रत्न, भामाशाहों को भामाशाह सम्मान एवं सक्रिय सदस्यों को विद्यालय भूषण से नवाजा गया। नव वाक्पीठ कार्यकारिणी का गठन सर्वसम्मति से किया गया, जिसमें वाक्पीठ अध्यक्ष बालकृष्ण कौशिक, सचिव अश्विनी कुमार पारीक एवं महिला मंत्री सरोज पारीक को मनोनीत किया गया। श्रवण कुमार साहू एवं महेंद्र देरासरी ने कार्यक्रम का संयोजन किया।

माखर विद्यालय में भामाशाह माखरिया की मूर्ति का अनावरण

जयपुर टाइम्स

झुंझुनूं(निस)। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय माखर में सत्यनारायण माखरिया और उनके पुत्र भामाशाह दामोदर प्रसाद माखरिया की मूर्ति का अनावरण माखरिया परिवार की ओर से किया गया। इस अवसर पर कोलकाता प्रवासी आदित्य माखरिया आदर्श कुमार ललित कुमार मखारिया अनुपम कुमार सिद्धार्थ गौतम माखरिया कौस्तुभ आदि लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुति दी। मंच संचालन विनय शर्मा और निधि खंडेलवाल ने किया। माखरिया परिवार के प्रतिनिधि श्याम सुंदर शर्मा ने बताया कि माखरिया परिवार समय-समय पर विद्यालय में आवश्यकता अनुसार सहयोग करता रहता है। पूर्व में भी 60 लाख से भी अधिक के विकास कार्य माखरिया परिवार की ओर से करवाए गए हैं। इस अवसर पर सभी बच्चों को पुरस्कार वितरण किए गए। सभी स्टाफ को भी पुरस्कार स्वरूप प्रतीक चिन्ह दिए गए और ग्रामीणों को मिठाई वितरण की गई।

शिव मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा कल, भव्य कलश यात्रा आज

जयपुर टाइम्स

मंडावा(निस)। कस्बे के वार्ड नंबर दो में ब्रह्म बगीची शिव मंदिर में धार्मिक कार्यक्रम आयोजित हो रहे है। पंडित प्रदीप शर्मा फतेहपुर वाले के सानिध्य में फलादीवास हवन, पंच कुंडीय यज्ञ, जप व रुद्री पाठ का आयोजन किया जा रहा है। अमित बुडानिया ने बताया कि 25 फरवरी को सुबह सवा 9 बजे कलश यात्रा व मूर्ति नगर भ्रमण और ओमकारा आर्ट सरसा पार्टी की ओर से भव्य झांकी और नृत्य, रात्रि में भजन संध्या होगी। कलश यात्रा पारदर्शी शिव मंदिर से शुरू होकर मुख्य बाजार होते हुए वार्ड 2 में शिव मंदिर पहुंचेगी। 26 फरवरी को सुबह सवा 10 बजे मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा और शिव अभिषेक व शाम को 4 बजे सियाराम जी की बगीची से शिव बारात प्रस्थान करेगी और इस दौरान सरसा की पार्टी की ओर से शिव तांडव, अघोरी नृत्य व विशेष झांकियां आकर्षण का केंद्र होगी और 27 फरवरी को भंडारा होगा। कार्यक्रम के दौरान अमित बुडानिया, पार्षद राजकुमार सैनी, मुकेश बुडानिया, बनवारी लाल, बाबूलाल नेमीवाल, चांद बिहारी गुर्जर, नरोत्तम कुमावत, सुरेश सैनी, मनोज शर्मा, नरेंद्र शर्मा, श्रीराम सैनी, राकेश तुनवाल, अशोक शर्मा, नरेश सैनी, दिनेश प्रजापति, शंकर लाल राकसिया, विष्णु शर्मा, जुगल किशोर शर्मा, विष्णु शर्मा सहित अन्य उपस्थित रहे।

पिकअप पलटी, दो युवक घायल

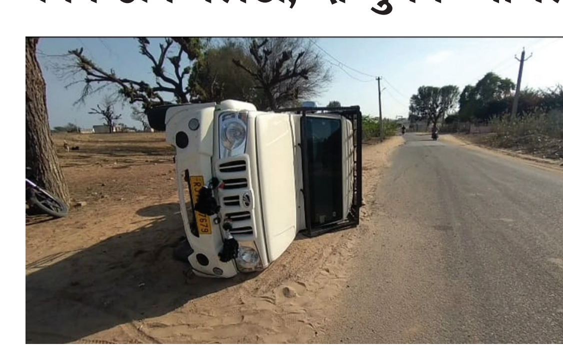

जयपुर टाइम्स

मंडावा(निस)। कस्बे में बिसाऊ रोड़ पर अनियंत्रित होकर एक पिकअप गाड़ी पलट गई। जानकारी के अनुसार कस्बे से बिसाऊ की ओर एक पिकअप गाड़ी जा रही थी और बाईपास पुलिया से पहले गाड़ी अनियंत्रित होकर पलटी खा गई। इस हादसे में दो युवक घायल हो गए जिनको अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती करवाया गया। सूचना पर 108 एंबुलेंस के पायलट धर्मवीर व ईएमटी राजेंद्र पहुंचे और घायल दिलोई गांव के अनिल व कोलिंडा निवासी बंटी को मंडावा अस्पताल में भर्ती करवाया। हादसा गाड़ी की रफ्तार तेज होने के कारण अनियंत्रित होने से हुआ।

वार्षिकोत्सव व प्रतिभा सम्मान समारोह आज

जयपुर टाइम्स

मण्डावा(निस)। ढिगाल रोड. स्थित शहीद रामेश्वर सिंह मेमोरियल उमावि, मण्डावा का वार्षिकोत्सव व प्रतिभा सम्मान समारोह मंगलवार को सुबह सवा 11 बजे धूमधाम से मनाया जाएगा। स्कूल निदेशक महेश गढ़वाल ने बताया कि इस मौके पर विद्यार्थियों की ओर से शानदार रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतिया दी जाएगी और प्रतिभावान विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाएगा। इसी प्रकार राजस्थान पब्लिक उमावि, मण्डावा का वार्षिकोत्सव व प्रतिभा सम्मान समारोह आगामी बुधवार को सुबह दस बजे धूमधाम से मनाया जाएगा। स्कूल निदेशक व शिक्षाविद्ध हरलालसिंह मोगा ने यह जानकारी दी।

प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए सेमिनार

रतनगढ़(निस)। राजकीय जालान कॉलेज में इतिहास व राजनीतिक विज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वावधान में प्रतियोगिता परीक्षाओं के लिए मार्गदर्शन के लिए व्याख्यान का आयोजन सोमवार को किया गया। इस दौरान प्रो सुनील कुमार पूनियां व डॉ मरियम बानो ने अपने विचार प्रकट करते हुए कहा कि विद्यार्थी सबसे पहले तो परीक्षा देते हुए समय घबराए नहीं। समय का निर्धारण कर व समय सारणी बनाकर अध्ययन करें

शेखावाटी जयपुर टाइम्स

जयपुर, मंगलवार
25 फरवरी, 2025

महाशिवरात्रि पर होंगे धार्मिक आयोजन, निकलेगी शिव बारात

जयपुर टाइम्स

राजलदेसर(निस)। कस्बे में महाशिवरात्रि पर कस्बे में विभिन्न धार्मिक आयोजन होंगे। पुजारी पं देवकीनन्दन दाधिच ने बताया कि शिवकृष्ण भक्त मण्डल की ओर से कस्बे के टांटिया शिवालय में महाशिवरात्री पर हर वर्ष की भांति रात्रीकालीन आशुतोष भगवान की चार प्रहर की पूजा व रूद्राभिषेक व विशेष श्रृंगार किया जाएगा और ग्रीन आर्मी समिति की ओर से निकलने वाली बारात को लेकर तैयारियां जारी है। वहीं ग्रीन आर्मी समिति समिती के शंकर ने बताया कि विगत चार साल से महाशिवरात्रि पर हमारी समिति की ओर से महाशिवरात्रि पर शिवबारात निकाली जाती है। 26 फ़रवरी को सुबह 9.30 बजे उत्तरादा श्मशान में स्थित भूतनाथ मंदिर में शिव की प्रतिमा का विशेष श्रृंगार किया जाएगा। शाम 5.30 बजे उत्तरादा श्मशान भूतनाथ मंदिर से गाजे बाजे से शिव की बारात रवाना होगी जो कस्बे के ढाणी बास, गांधी चौक, सुभाष चौक होकर टांटिया शिवालय पहुंचे की। जिसके बाद शिव विवाह का आयोजन होगा।

सामूहिक विवाह सम्मेलन में सहयोग करेंगें भामाशाह श्रीमाल

जयपुर टाइम्स

राजलदेसर(निस)। कस्बे मे जन्मे दानवीर जुगल किशोर करण श्रीमाल परिवार की ओर से बागेश्वर धाम में सामुहिक विवाह कर अपना सहयोग कर रहे हैं। मुलत राजलदेसर में जन्में करण श्रीमाल की ओर से 26 फ़रवरी को होने वाले 251 जोड़े का सामुहिक विवाह का आयोजन किया जाएगा।

अपर लोक अभियोजक पंकज स्वामी का अभिनंदन

जयपुर टाइम्स

तारानगर(निस)। राजस्थान सरकार की ओर से अधिवक्ता पंकज स्वामी को तारानगर एडीजे कोर्ट का अपर लोक अभियोजक बनने पर तारानगर के युवा दल ने माला व साफा पहनाकर अभिनंदन किया व बधाई दी। इस मौके पर मुकेश फगेड़िया, संदीप सैन, सुभाष सोनी, कपिल बीजारणीया, अमित बिजारणीया, मोहित, कैलाश भाटी, जयवीर आदि मौजूद रहे।

श्रद्धानाथ आश्रम में निशुल्क होम्योपैथिक शिविर कल

जयपुर टाइम्स

लक्ष्मणगढ़(निस)। श्रद्धानाथ आश्रम लक्ष्मणगढ़ में एक दिवसीय निःशुल्क होम्योपैथिक चिकित्सा शिविर बुधवार को आयोजित किया जाएगा। ब्रह्मलीन सिद्ध संत श्रद्धानाथ जी महाराज के 40वें स्मृति महोत्सव (बरसोदी) को पीठाधीश्वर पद्मश्री संत बैजनाथ महाराज के सानिध्य में निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जाएगा। आश्रम के प्रकाशनाथ महाराज ने जानकारी दी कि शेखावाटी में होम्योपैथी के पुरोधा, अन्तर्राष्ट्रीय वरिष्ठ होम्योपैथिक चिकित्सा विशेषज्ञ डॉ. अमरसिंह शेखावत के नेतृत्व में डॉ. बी.एल. गौड, डॉ. राजपाल मायल, डॉ. कौशल, डॉ. डी.दास, डॉ. हर्षवर्द्धन शेखावत व उनकी टीम की ओर से निःशुल्क चिकित्सा सेवाएं प्रदान की जाएगी। शिविर चिकित्सा प्रभारी एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. अमरसिंह शेखावत ने बताया कि पथरी, गठिया, चर्म रोग,पाईल्स, टॉसिल, फीसर, फिस्चुला, नासूर, एलर्जी-नजला, एग्जीमा, खाज -खुजली, सोरायसिस, बच्चे दानी की गांठ, ट्यूमर, पित्ती, सफेद दाम, प्रोस्टेट, दमा (श्वास) आदि के अतिरिक्त स्त्री व बच्चों के रोगों की विशेष चिकित्सा व्यवस्था रहेगी। शिविर सुबह 10 बजे से सांय 4 बजे तक रहेगा जिसमें रोगियों को जरूरत के अनुसार सभी दवाईंया निःशुल्क प्रदान की जाएगी।

पीएचसी में खाली पड़े पदों को भरने की मांग, एसडीएम को ज्ञापन

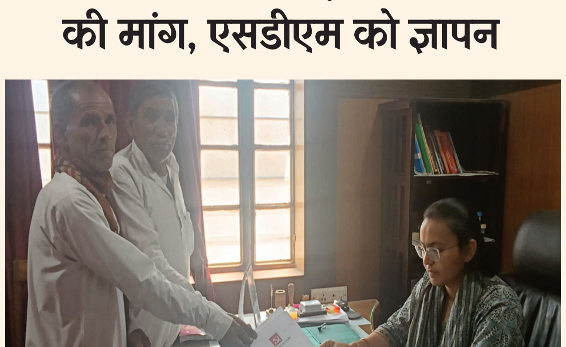

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। तहसील के गांव भादासर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर रिक्त पड़े पदों को भरने की मांग को लेकर किसान सभा के तहसील अध्यक्ष भगवानराम जाखड़ के नेतृत्व में स्वास्थ्य मंत्री के नाम उपखंड अधिकारी को ज्ञापन दिया गया। भगवानराम जाखड़ ने बताया कि लंबे समय से उप स्वास्थ्य केंद्र में पद रिक्त पड़े हैं। रात्रि को इमरजेंसी में डॉक्टर व नर्सिंग टीम नहीं होने से आसपास के गांवों सहित ग्रामीणों को भारी परेशानियां होती है। कॉमरेड रामकृष्ण छींपा ने बताया कि 6 मार्च तक मांग पूरी नहीं हुई तो आंदोलन करने पर ग्रामीण मजबूर होंगे।

कोटा में जाम में फंसे 3-साल के बच्चे की मौत

रामगंज मंडी(निस)। कोटा में ट्रैफिक जाम में फंसने से 3 साल के बच्चे की मौत हो गई। बच्चा बीमार था। माता-पिता उसे हॉस्पिटल लेकर जा रहे थे। नेशनल हाईवे-52 पर रामगंजमंडी-कोटा मार्ग के दरा नाला के सिंगल लेन पर जाम लगा था। माता-पिता रास्ता देने के लिए पुलिस के सामने गिड़गिड़ाते रहे। करीब 3 घंटे तक जाम में फंसे रहने के कारण बच्चे ने दम तोड़ दिया। चेचट भटवाड़ा (रामगंजमंडी) निवासी पप्पू लाल ने बताया- बेटे हरिओम (3) को सर्दी, जुकाम और बुखार की शिकायत थी। रविवार रात 9 बजे उसे चेचट सरकारी हॉस्पिटल लेकर गए। बच्चे की गंभीर हालत के कारण सोमवार सुबह 7 बजे उसे कोटा रेफर कर दिया गया।

चारण समाज प्रतिभा सम्मान व गाडण प्रतिमा अनावरण समारोह

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। जिला मुख्यालय स्थित क्रांतिकारी केसरी सिंह बारहठ स्मृति भवन व चारण छात्रावास में भक्त शिरोमणि केशवदास गाडण की प्रतिमा का अनावरण व चारण समाज प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन रविवार को समारोह पूर्वक किया गया। संस्था अध्यक्ष रिछपाल सिंह चारण ने बताया कि यह कार्यक्रम में श्री श्री 1008 मोहन मुनि महाराज काली कमली आश्रम की ओर से भक्त शिरोमणि केशवदास गाडण की प्रतिमा का अनावरण किया गया। संस्थान में यह मूर्ति बेरीसाल सिंह गाडण की स्मृति में उनके पौत्र अजयपाल सिंह व हिम्मत सिंह पुत्र रघुवीर सिंह गाडण निवासी गुदडवास की ओर से लगवाई गई। चारण ने बताया कि समाज की जरूरतमंद प्रतिभावान 07 बालिकाओं को आनंद कंवर कल्याण सिंह कविया शक्ति प्रोत्साहन व सम्मान पुरस्कार स्वरूप 5000 रुपए का पुरस्कार दिया गया। संस्थान के सचिव सुल्तान दान चारण ने बताया कि प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम के साथ ही चारण समाज प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन भी किया गया। विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाली समाज की 50 से अधिक प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए भामाशाह कल्याण सिंह कविया ने कहा कि समारोह का मुख्य उद्देश्य बच्चों को आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना है। समारोह के मुख्य अतिथि प्रांतीय चारण सभा व राजस्थान पटवार संघ के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह कविया ने कहा कि समाज को ऐसे आयोजनों में बढ़ चढ़कर भाग लेना चाहिए। विशिष्ट अतिथि बलबीर सिंह पालावत ने सामाजिक एकता पर बल दिया। प्रधानाचार्य सहदेव सिंह ने भक्त शिरोमणि महाकवि केशोदास गाडण के जीवन परिचय व संस्मरण साझा किए। इस अवसर पर विक्रम सिंह, प्रहलाद दान चारण, बेजासर सरपंच करणी दान चारण, प्रेम दान छोटडियां व पूर्व सरपंच भैरू दान चारण ने विचार व्यक्त किया। इस अवसर पर निराणदान कांगड, श्रीपाल सिंह चारण, बद्री दान चारण, अजयपाल सिंह, कैलाश चंद, रिछपाल सिंह, प्रहलाद दान चारण, सुभाष चन्द्र, भूपेंद्र सिंह, जगदीश सिंह, ऋषिराज सिंह, राधाकिशन चारण, शिंभू दान चारण दांतली, गोविंद दान चारण नेठवा, बाल दान चारण सहित समाज के अनेक लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन कानदान ने किया।

पिता की पुण्यतिथि पर पुत्र ने किया रक्तदान

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। राजकीय डीबी अस्पताल के नर्सिंग ऑफिसर राहुल शर्मा ने अपने पिता शिक्षाविद् राधेश्याम चौमाल की चतुर्थ पुण्यतिथि पर सोमवार को डीबी अस्पताल स्थित ब्लड बैंक में रक्तदान किया और अपने पिता की स्मृति में ब्लड सेंटर में फिल्टर जल के लिए ग्यारह हजार रुपए का आर्थिक सहयोग किया। इस अवसर पर मेडिकल कॉलेज प्राचार्य डॉ. महेश मोहन पुकार, अस्पताल अधीक्षक डॉ. हनुमान जयपाल, ब्लड बैंक प्रभारी डॉ. राशि पचौरी, डॉ. रवि पंवार, उपाधीक्षक डॉ. इदरीस खान, नर्सिंग अधीक्षक रमेश कुमारी, ब्लड बैंक इंचार्ज सुभाष राजपुरोहित व समस्त ब्लड बैंक स्टॉफ व अधीक्षक कार्यालय स्टाफ उपस्थित रहे। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. पुकार ने इस पुनीत कार्य के लिये नर्सिंग ऑफिसर की सराहना करते हुए कहा कि पिता की स्मृति में रक्तदान करना बहुत ही नेक कार्य हैं। इससे दूसरे लोगों को भी प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा कि रक्तदान से किसी मानव का जीवन बचाया जा सकता है। इस अवसर पर अतिरिक्त कोषाधिकारी रामस्वरूप शर्मा, डॉ. श्याम सुंदर कौशिक, शिव कुमार शर्मा, कैलाश चंद्र शर्मा, डॉ. रविकांत शर्मा, अमर सिंह राठा, नर्सिंग ऑफिसर राहुल शर्मा की पत्नी कोमल शर्मा, हार्दिक शर्मा सहित परिजन व अन्य लोग उपस्थित रहे। अस्पताल अधीक्षक हनुमान जयपाल ने सभी का आभार व्यक्त किया।

राजस्थान जाट महासभा ने सौंपा ज्ञापन

पुलिस सुस्तः अपराधी बेखौफ, थाने में आकर रील बनाकर फैला रहे दहशत!

जयपुर टाइम्स

तारानगर(निस)। तारानगर के जिला परिषद सदस्य चूरू तिलोकराम कस्वां को जान से मारने की धमकी देने वालों के खिलाफ राजस्थान जाट महासभा तारानगर ने बीकानेर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक के नाम उपखंड अधिकारी राजेंद्र कुमार को ज्ञापन देकर पुलिस कार्यवाही की मांग की है। जाट महासभा के सदस्यों ने ज्ञापन के माध्यम से बताया है कि 16 फ़रवरी रात्रि को लोरेंश विश्नोई व रोहित गोदारा के नाम जान से मारने की धमकी भरे फोन आने पर तिलोकाराम कस्वां ने 17 फ़रवरी को तारानगर थाने में मुकदमा दर्ज करवाया था लेकिन उक्त मामले को लेकर पुलिस ने आज तक कोई संज्ञान नहीं लिया है। अपराधी बैखोफ होकर थाने में आकर वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दहशत फैला रहे हैं। धमकी भरी रील सोशल मीडिया पर वायरल कर रहे हैं जिससे आम जन में भय का वातावरण बना हुआ है। समाज के लोगों ने कहा कि अगर 26 फ़रवरी तक पुलिस अपराधियों के खिलाफ कोई कठोर कार्यवाही नही करती है तो 27 फ़रवरी को तारानगर थाने का घेराव कर अनिश्चितकालीन धरना दिया जाएगा जिसकी समस्त जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। इस मोके पर जीताराम जान्दू, शीशपाल धीनवाल, श्रवण गडाणा, विजय बेनिवाल, जीतू तेतरवाल, केशरीसिंह भालोठिया, दलीप रेप्सवाल, चंदन डोटासरा, कैप्टन मदनलाल, विनोद पिलानिया, रामजीलाल कुलड़िया, रमेश कस्वां, शिवपाल फगेड़िया, ओमप्रकाश कस्वां आदि मौजूद रहे।

गीतांजली पब्लिक स्कूल की छात्रा चूरू महोत्सव में प्रथम स्थान

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। स्थानीय गीतांजलि पब्लिक सी.सै. स्कूल की कक्षा 9वीं की छात्रा मोक्षिका पारीक पुत्री राकेश कुमार पारीक ने चूरू जिले में आयोजित जिला स्तरीय चूरू महोत्सव में कविता पाठ में प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। छात्रा को राजकीय अधिकारी की ओर से प्रमाण-पत्र व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर संस्था के चेयरमैन दामोदर गौतम ने छात्रों को सम्मानित किया। संस्था के निदेषक गौरव गौतम ने बताया कि इस तरह की सांस्कृतिक गतिविधियों में भाग लेना चाहिए। इस दौरान संस्था के प्रबन्ध निदेशक विनय गौतम ने बताया कि इस प्रकार के कार्यक्रमों में भाग लेने से बच्चों के मनोरंजन के साथ-साथ बच्चों का उत्साह बढ़ता है।

अज्ञानता को दूर कर ज्ञान प्रदान करने वाली माखन चोर की लीला का सुनाया प्रसंग

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। शहर के लीलिया कुंआ के पास पेड़ीवाल परिवार की ओर से आयोजित भागवत कथा के पांचवे दिन कथावाचक कृष्णानन्द महाराज ने कहा की भगवान श्री कृष्ण तन रूपी मटकी से मन रूपी माखन को चुराते हैं। माखन चोरी की लीला का मुख्य उद्देश्य अज्ञानता दूर कर ज्ञान की प्राप्ति करवाना था। इस लीला के ज़रिए भगवान कृष्ण ने गोपी रूपी जीव को अज्ञानता से मुक्त किया और उन्हें ज्ञान का प्रसाद दिया। भगवान कृष्ण की शरण में जाने से अज्ञानता और दुख से मुक्ति मिलती है और परमानन्द की प्राप्ति होती है। इस लीला का सार यह है कि जब कोई मनुष्य भगवान को शुद्ध हृदय से समर्पण करता है तो श्री कृष्ण प्रेम और करुणा से भगवान जीव का कल्याण करते हैं। श्री कृष्ण ने अपनी बाल लीलाओं के माध्यम से समाज में व्याप्त अमीर गरीब, ऊंच-नीच की भावना को समाप्त कर समरसता बनाते हुए प्रत्येक प्राणी मात्र में ईश्वर सत्ता दर्शन की भावना का उपदेश दिया। कथा के दौरान गोवर्धन धारण व छप्पन भोग की झांकिया सजाई गई। कथा में खेतुलाल डागा, बृधिचन्द मीमाणी, जनकलाल दायमा, सुशील गटानी, अश्विनी राठी, हरिश जैसनसरीया, योगेश जैसनसरीया, प्रदीप पारुल आत्रेय, श्यामसुन्दर सेवदा, दीनदयाल सेवदा, किशनलाल जोशी, राधेश्याम भार्गव, छगनलाल तोषनीवाल, रमेश पीपलवा, मुन्ना लाल सैनी सहित बड़ी संख्या में महिलाओं की उपस्थिति रहीं।

एसबीडी राजकीय महाविद्यालय में व्याख्यानमाला आयोजित

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। शहर के एसबीडी राजकीय महाविद्यालय में सोमवार को प्राणिशास्त्र विभाग व आईक्यूएसी के संयुक्त तत्वावधान में सामेटिक सेल प्लास्टिसिटी एंड विटामिन ए प्रेजेंट, पास्ट एंड फ्यूचर प्रॉस्पेक्टस विषय पर एक विस्तार व्याख्यान आयोजित किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता डॉ ओपी जांगिड़ सेवानिवृत आचार्य प्राणिशास्त्र डूंगर कॉलेज बीकानेर रहे। वर्तमान में आईएएसई यूनिवर्सिटी सरदारशहर में एमिनेंट प्रोफेसर के रूप में कार्यरत है। डॉ जांगिड़ ने बताया की हमारे शरीर में दो प्रकार की कोशिकाएं पाई जाती है। कायिक कोशिकाएं व जनन कोशिकाएं एक युग्मनज से संपूर्ण शरीर निर्माण की भूर्णोदभव की प्रक्रिया के दौरान कोशिकाएं विभेदित होकर अलग अलग अंगों का निर्माण करती है। उन्होंने बताया कि पूर्ण विभेदित कोशिकाओं को भी विशेष प्रकार का वातावरण प्रदान कर पुनः किसी दूसरे प्रकार अंगों में विभेदित किया जा सकता है। उन्होंने आंख की आइरिश कोशिकाओं से लेंस निर्माण, टैडपोल की पुच्छ से पैर निर्माण, पीनियल ग्रंथि से तीसरी आंख के निर्माण और हृदय पुनरुद्भवन के अपने शोध कार्य को समझाया। कार्यक्रम में डॉ गजानंद शर्मा, भवानीशंकर और मुकेश कुमार प्रजापत ने समन्वयक की भूमिका निभाई। राजकुमार झाकल, डॉ सिद्धि गुप्ता ने सहसमन्वयक व शुभम बंसल ने तकनीकी संयोजक के रूप में कार्य किया। प्राचार्य डॉ कविता शर्मा ने स्वागत व अभिवादन किया। शेरसिंह ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस दौरान कमलेश कुमार जोशी, डॉ देवीलाल रोझ, डॉ सुनीता मीणा, लालचंद मीणा, डॉ अल्का जांगिड़, महेश कुमार, सुश्री सुमन, लता गुर्जर, जयरतन लखेरा, डॉ प्रभाकर दीक्षित आदि संकाय सदस्य तथा जीवविज्ञान विषय के स्नातक व स्नातकोतर के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

पिता बोला-डीजे देखने गए मेरे बेटे की पीट-पीटकर हत्या की

भरतपुर (निस)। पड़ौस के गांव में सगाई समारोह में डीजे देखने गए एक युवक की मौत हो गई। पिता का आरोप है कि चोरी के शक में ग्रामीणों ने उसके बेटे की पीट- पीटकर हत्या कर दी। वहीं ग्रामीणों का कहना है कि गांव की एक दुकान से चोरी कर दुकान की छत से भागते समय युवक का पैर स्लीप हो गया, और जमीन पर गिरने से उसकी मौत हो गई। पुलिस ने पिता की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना जिले के कामां थाना इलाके के कनवाड़ी गांव में आज सुबह करीब 5 बजे हुई। मृतक साहिल (18) के पिता शाहिदा निवासी पालड़ी ने सोमवार की सुबह करीब 11 बजे थाने में रिपोर्ट दी।

जामिया इस्लाहुल बनात-मदनी बालिका स्कूल का शिलान्यास

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। जिला मुख्यालय पर डाबला रोड़ स्थित जामिया इस्लाहुल बनात-मदनी बालिका स्कूल का शिलान्यास सोमवार को समारोह पूर्वक हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता मौलाना अब्दुल जब्बार ने की। कारी मोहम्मद अरशद जयपुर ने तिलावत-ए-कुरआन से कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के सदस्य मौलाना अबू तालिब रहमानी ने कहा कि शिक्षा से ही हम तरक्की कर सकते हैं। शिक्षा के बिना हमारा जीवन अधूरा है और बगैर शिक्षा हम सफलता को प्राप्त नहीं कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही एक ऐसी अनमोल वस्तु है, जिसका कभी बंटवारा नहीं हो सकता। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि पूर्व एडिशनल कमिश्नर शौकत अली खान, मुफ्ती शकील कासमी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इस दौरान डॉ. एफ एच गौरी, समाजसेवी बाबू खान, मौलाना शमीम, मुफ्ती इरशाद कासमी, हाजी यूनुस खान, मोहसिन खान, मुबारक खान, एहसान खान, शबीर खान, समाजसेवी अलाउद्दीन खान, सिकंदर खान, आबिद खान, अजीम खान, हसन खान, मुफ्ती मोहम्मद शफीक, मौलाना मोहम्मद आरिफ, आवेश कुरैशी, कारी शबीर, संजय खान, शमशेर भालू खां, सत्तार खान, असलम खान, हुसैन खान, मुश्ताक खान मोयल, इस्माइल डायर सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन यूनुस अली खान व करामत खान ने संयुक्त रूप से किया। मुफ्ती मोहम्मद लुकमान ने आगंतुकों का आभार व्यक्त किया।

महिला अधिकारिता विभाग ने छात्र-छात्राओं को दी कानूनी जानकारी

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। शहर के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय नम्बर 3 में सोमवार को महिला अधिकारिता विभाग और इनाया फाउंडेशन की और से बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ विषय पर आयोजित गुड टच बैड टच कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमे छात्र-छात्राओं को कानून संबंधी जानकारी दी गई। इस अवसर पर सरदारशहर थाने में स्थापित इनाया फाउंडेशन की महिला सुरक्षा सलाह केंद्र की विधि सलाहकार इंद्रा कुमारी और सामाजिक सालाहकर तारा शर्मा ने महिला सहायता सलाह केंद्र की ओर से महिलाओं के साथ होने वाले अपराधों में की जाने वाली सहायता के बारे में विस्तार से जानकारी दी। आपको बता दे की इनाया फाउंडेशन को 2017 से झालावाड़ ज़िला प्रशासन कलेक्टर डॉ जितेन्द्र कुमार सोनी की पहल समझ स्पर्श की चुप्पी तोड़ो कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन पर इनाया फाउंडेशन को अब तक 15 बार ज़िला स्तरीय 3 बार राज्य स्तर पर सम्मानित किया जा चुका है। समझ स्पर्श की चुप्पी तोड़ो कार्यक्रम क़े माध्यम से अब तक करीब 18 जिलों के 3 लाख 50 हजार छात्र-छात्राओ, टीचर्स, प्रिंसिपल और पेरेंट्स को जागरूक किया जा चुका है और अब बाकी जिलों के छात्र छात्राओं तक पहुँचकर उनको जागरूक करने का लक्ष्य है। इनाया फाउंडेशन क़े टीम कोर्डिनेटर रोहित शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम में पॉक्सो एक्ट 2012, चाइल्ड हेल्पलाइन नम्बर 1098, आत्म रक्षा, बाल विवाह उन्मूलन, वर्चुअल टच जैसे अपराधों से बचाव पर जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के बाद बच्चों से प्रश्न पूछे गए जिनका सही जवाब देने वालों को कैप, जूट बैग और मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया।

राजस्थान जयपुर टाइम्स

जयपुर, मंगलवार
25 फरवरी, 2025

हमारी भाषा व संस्कृति से ही समाज का अस्तित्व : राठौड़

चूरू महोत्सवः चूरू के साहित्यकारों का साहित्य व भाषा क्षेत्र में विशेष योगदान

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। चूरू महोत्सव - 2025 के तीसरे दिन संवाद मंच में साहित्य उत्सव आयोजित किया गया। साहित्य उत्सव में पूर्व मंत्री राजेंद्र राठौड़, जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा, वासुदेव चावला, बसंत शर्मा, सीईओ श्वेता कोचर, एसडीएम बिजेन्द्र सिंह, बीदासर एसडीएम अमीलाल, विक्रम कोटवाद, अभिषेक चोटिया, दीनदयाल सैनी सहित जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों ने शिरकत की। साहित्य उत्सव में साहित्यकारों व विषय विशेषज्ञों ने विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ी चर्चाओं से श्रोताओं का ध्यान आकर्षित किया और रोचक जानकारी साझा की। इस अवसर पर संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री राजेंद्र राठौड़ ने कहा कि हमारी भाषा व संस्कृति से ही समाज का अस्तित्व है। हमें अपनी भाषा के समक्ष चुनौतियों व भाषा के विकास क्षेत्र पर विशेष बल देना होगा। उन्होंने कहा कि समय के साथ विषयों और क्षेत्रों का नजरिया बदलता है। साहित्य, पत्रकारिता सहित विभिन्न क्षेत्रों में आज बड़ा बदलाव आया है। आज के साहित्य प्रेमी, पत्रकारिता क्षेत्र से जुड़े लोग व भावी पीढ़ी इस लोकतंत्र को जीवित रखने में अपनी बड़ी भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि चूरू के साहित्यकारों ने साहित्य व भाषा क्षेत्रा में विशेष योगदान दिया है। इस साहित्य, संस्कृति व भाषाई सौन्दर्य की बदौलत ही चूरू को छोटी काशी कहा जाता है। यहां के हनुमान प्रसाद पोद्दार ने गीता प्रेस की स्थापना की। वहीं जयदयाल गोयनका ने पत्रकारिता व धर्म क्षेत्र के आगे बढ़ाया। हम समय की परिस्थितियों को देखते हुए साहित्य, पत्रकारिता, संस्कृति पर विशेष फोकस करें और इनके और उन्नयन के लिए निरंतर प्रयासरत रहें। इस दौरान पूर्व मंत्री राठौड़, जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा, जिला उप प्रमुख महेंद्र न्योल, वासुदेव चावला, बसंत शर्मा, सीईओ श्वेता कोचर, प्रशिक्षु आरएएस साक्षी पुरी, अभिषेक चोटिया, दीनदयाल सैनी, मदन गोपाल बालाण, प्रो कमल कोठारी, चूरू नगरपरिषद आयुक्त अभिलाषा सिंह आदि ने साहित्यकारों व विषय विशेषज्ञों को स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका सम्मान किया। अतिथियों ने डीडीपीआर कुमार अजय की पुस्तक ' आत्माओं में घुले दुःख' का विमोचन किया।

विभिन्न चर्चा सत्र आयोजित

साहित्य उत्सव के शुभारंभ सत्र में 'चूरू इतिहास, संस्कृति और विरासत' पर राजवीर सिंह चलकोई, श्याम सुंदर शर्मा, प्रो कमल कोठारी, छैलूदान चारण ने चूरू की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, स्थापत्य व सामाजिक पृष्ठभूमि पर चर्चा। इसके बाद 'स्वामी गोपालदास सामाजिक और राजनीतिक सरोकार' पर दयाराम महरिया, दलीप सरावग, ओमप्रकाश डायनामाइट ने चर्चा की। आईआरएस दिनेश कुमार जांगिड़ 'सारंग', डॉ मदन सैनी व डॉ घनश्याम नाथ कच्छावा ने राजस्थानी गीतगंगा पुस्तक का लोकार्पण किया और राजस्थानी के प्रतिनिधि गीतकारों पर चर्चा की। इसी के साथ सुनो कहानी सत्रा में मदनगोपाल लढ़ा, कमलकिशोर पीपलवा, प्रमोद कुमार चमोली और राजेंद्र मुसाफिर ने कहानियां सुनाईं। 'कविता रा झींणा सुर' चर्चा सत्रा में राजूराम बिजारणिया, देवीलाल महिया, हरिमोहन सारस्वत 'रूंख', श्रीभगवान सैनी व मोहन सोनी ने कविताओं से समां बांधा। इसके बाद प्रभात गोस्वामी और प्रो कमल कोठारी ने 'व्यंग्य लेखन चुभन व चुहल' विषय पर जानकारी साझा की। जयश्री सेठिया, मीनाक्षी पुजारी, डॉ घनश्याम नाथ कच्छावा और सुरेंद्र जी सोनी ने कन्हैयालाल सेठिया के साहित्य में लोक तत्व के बारे में साहित्यिक चर्चा की और अंचल के साहित्यिक विकास में सेठिया के योगदान से रूबरू करवाया। इसी क्रम में 'राजस्थानी भाषाः मान्यता का सवाल व चुनौतियां' के बारे में भरत ओला, मदन गोपाल लढा और घनश्याम नाथ कच्छावा ने विषय के संबंध में चर्चा की। भरत ओना ने पूर्व मंत्री राजेंद्र राठौड़ सहित उपस्थित जनप्रतिनिधियों से राजस्थानी भाषा को मान्यता दिलाने के लिए सक्रिय प्रयास करने की अपेक्षा जताई, जिस पर पूर्व मंत्री राजेंद्र राठौड़ ने कहा कि उनके स्तर पर किए जाने वाले प्रत्येक प्रयास राजस्थानी भाषा की मान्यता के लिए अडिग रहेंगे। कथाकार डॉ भरत ओला ने कहा कि राजस्थानी भाषा को संवैधानिक मान्यता इसका न्याय पूर्ण हक है। कहानीकार डॉ मदन गोपाल लढ़ा ने राजस्थानी भाषा की समृद्धता का हवाला देते हुए कहा कि मान्यता का आंदोलन सौ वर्षों से सतत चलने वाला संपूर्ण अहिंसक गांधीवादी आंदोलन है। राजस्थानी को राजभाषा दर्जा देकर यहां के लोगों की जबान पर लगा ताला अब खोला जाना चाहिए। इस सत्र का संयोजन घनश्याम नाथ कच्छावा ने किया। कविता राज झीणा सुर सत्र में डॉ हरिमोहन सारस्वत ने महाजन फील्ड फायरिंग रेंज विस्थापितों की पीड़ा को एक गीत के माध्यम से शब्दों में पिरोया, तो युवा कवि राजूराम बिजारणिया ने 'छांव सरीखी बेटी है' कविता के माध्यम से बालिका समृद्धि और सुरक्षा के मुद्दे को स्वर दिया। युवा पुरस्कार से पुरस्कृत देवीलाल महिया ने मातृभाषा राजस्थानी पर केंद्रित अपने गीत के माध्यम से भाषा के पीड़ा को उजागर किया। इस सत्र में श्रीभगवान सैनी ने राजस्थानी बाल कविताएं प्रस्तुत की। सत्र का संयोजन मोहन सोनी ने किया। सुनो कहानी सत्र में मदन गोपाल लढ़ा ने अपनी राजस्थानी कहानी उदासी रो कोई रंग कोनी हुवे का वाचन किया। युवा कहानीकार और निबंधकार कमल किशोर पीपलवा ने इलाज शीर्षक से कहानी के माध्यम से अस्पताल के परिवेश को साक्षात कर दिया। इस सत्र में प्रमोद कुमार चमोली ने हिंदी कहानी शून्य होना कठिन है का पाठ किया। कहानी सत्र का संयोजन राजेंद्र मुसाफिर ने किया। इस अवसर पर डीडीपीआर कुमार अजय, आशीष गौतम, मनमीत सोनी, ओमप्रकाश डायनामाइट ने काव्य गूंजः अंचल की हिंदी कविताओं' की प्रस्तुति दी और लेखनी का परिचय दिया।

नए युग की पत्रकारिता' चर्चा रही विशेष आकर्षण का केन्द्र

साहित्य उत्सव में मुकेश माथुर, त्रिभुवन, आनंद चौधरी, अरविंद चोटिया ने नए युग की पत्रकारिता पर चर्चा करते हुए पत्रकारिता क्षेत्र में समय के साथ आए बदलाव, सोशल मीडिया, एआई, सोशल मीडिया, डिजीटल युग, मोबाइल के पत्रकारिता पर प्रभाव व प्रिंट मीडिया की भूमिका के बारे में विशेष चर्चा की, जो संपूर्ण साहित्य उत्सव में विशेष आकर्षण का केंद्र रही। श्रोताओं ने मीडिया और मीडिया की भूमिका के बारे में जाना और अतिथियों ने भी मीडिया के संपूर्ण साहित्यिक, सामाजिक, विकासात्मक, राजनैतिक, सांस्कृतिक व मानवता के अस्तित्व के साथ-साथ प्रत्येक पहलू पर चर्चा की। इसके बाद माया मृग और सुरेंद्र डी सोनी ने साहित्य व प्रकाशन की चुनौतियों के बारे में विशेष चर्चा की, जिसमें लेखन, प्रकाशन और साहित्य से जुड़ी रोचक व अनोखी जानकारी साझा की। इसी के साथ ओपन माइक में जिले के युवाओं और साहित्यकारों ने अपनी रचनाएं प्रस्तुत की। ओपन माइक का संयोजन बुद्धमल सैनी ने किया।

दुनिया में हुनर का जलवा बिखेर रहे चूरू के कलाकार

सांस्कृतिक संध्या में खूब जमा रंग, झूम उठे श्रोता

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। जिला मुख्यालय पर चल रहे चूरू महोत्सव के दूसरे दिन रविवार को सांस्कृतिक संध्या में चूरू से जुड़ाव रखने वाले 4 बार के ग्रैमी अवार्ड विजेता पदमश्री रिकी केज व जिक्र द बैंड के गानों ने चूरू वासियों को झूमने पर मजबूर कर दिया। इस अवसर पर पूर्व मंत्री राजेन्द्र राठौड़, पूर्व मंत्री सुभाष महरिया, पूर्व मंत्री राजकुमार रिणवां, विधायक हरलाल सहारण, जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा, पूर्व विधायक अभिनेष महर्षि, जिला उप प्रमुख महेन्द्र न्यौल, छापर नगरपालिका अध्यक्ष श्रवण माली, एडीएम अर्पिता सोनी, सीईओ श्वेता कोचर, वासुदेव चावला, बसंत शर्मा, पूर्व सभापति विजय शर्मा आदि सहित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों व नागरिकों ने शिरकत की। इस मौके पर संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री राजेन्द्र राठौड़ ने कहा कि चूरू की संस्कृति को सम्पूर्ण विश्व में अलग महत्व व स्थान मिलता है। जिला प्रशासन की ओर से चूरू की संस्कृति को जीने, समझने और भावी पीढ़ी को संचरित करने की दिशा में चूरू महोत्सव का आयोजन सराहनीय है। उन्होंने कहा कि चूरू से जुड़े कलाकार सम्पूर्ण विश्व में अपने हुनर का जलवा बिखेर रहे हैं। इसलिए हम अपनी प्रतिभाओं को समझें और समुचित अवसरों के साथ उनको प्रोत्साहित करें। इस मौके पर अतिथियों ने प्रवासी चूरूवासियों का उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रवासी सम्मान- गौरवश्री अवार्ड से सम्मान किया। पदमश्री रिकी केज व जिक्र दे बैंड की टीम ने देश के विभिन्न हिस्सों से जुड़े गीतों की प्रस्तुति दी, जिस पर उपस्थित सभी अतिथि व नागरिक झूम उठे। रिकी केज ने राष्ट्रगान, प्रकृति संरक्षण, किसान व जनजाति वर्ग से जुड़े गानों से मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर एएसपी कृष्णा सामरिया, चूरू एसडीएम बिजेन्द्र सिंह, अभिषेक चोटिया, दीनदयाल सैनी, विमला गढ़वाल सुरेश सारस्वत, श्रीराम पीपलवा, चूरू नगरपरिषद आयुक्त अभिलाषा सिंह सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी व नागरिक मौजूद रहे।

होनहार प्रतिभाओं का किया अभिनंदन

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। विप्र फाउंडेशन युवा मंडल की ओर से होनहार प्रतिभा वंदना माटोलिया पुत्री प्रहलाद राय माटोलिया का राजपत्रित अधिकारी बनने व स्वागत समारोह आयोजित किया गया। इसी प्रकार सीए आलोक माटोलिया, क्रेडिट ऑफिसर कल्पना माटोलिया का भी स्वागत किया गया। सम्मान स्वरूप भगवान परशुराम की फोटो भेंट की गई। प्रतिभाओं के पिता प्रहलाद राय माटोलिया व माता मधु माटोलिया का भी साफा व पुष्पगुच्छ भेंट कर मुंह मीठा करवाकर स्वागत किया। कार्यक्रम में विप्र फाउंडेशन युवा मंडल अध्यक्ष गौरव इंदौरिया, प्रदेश कार्य समिति सदस्य हरेंद्र पुजारी, दीपक कौशिक, जिला उपाध्यक्ष विश्वदीपक काछवाल, दिनेश लाटा, जिला सचिव गोपाल पारीक, महामंत्री विक्की काछवाल, मंत्री पार्थ नवहाल, सदस्य विजय काछवाल, मनन शर्मा, शुभम माटोलिया आदि लोग मौजूद रहे।

ई-मित्र संचालक ने सुसाइड का लाइव वीडियो बनाकर दी जान

बाड़मेर(नि.सं.)। बाड़मेर में एक ई-मित्र संचालक ने सुसाइड का लाइव वीडियो बनाकर जान दे दी। पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया कि मृतक प्रवीण कुमार (26) ने लव अफेयर में आत्महत्या की है। मामला शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र के नेहरू नगर में रात करीब 10 बजे की है। घटना की जानकारी मिलने पर परिजन प्रवीण को लेकर शहर के सरकारी हॉस्पिटल पहुंचे, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया था। एएसपी जसाराम बोस ने बताया-प्रवीण की शहर में ही गडरारोड सर्किल पर मोबाइल की दुकान है। इसके साथ वह ई-मित्र सेंटर भी चलाता है और पढ़ाई भी करता है।

किसान मेले में उमड़ा जनसैलाब, उत्कृष्ट कृषकों का किया सम्मान

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। शहर के कृषि विज्ञान केंद्र में सोमवार को जिला स्तरीय कृषि प्रदर्शनी और किसान सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 19 वीं किस्त जारी करने का लाइव प्रसारण किया गया। किसानों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। मेले में विभिन्न प्रकार की आकर्षक स्टालें लगाई गईं। कार्यक्रम में जिले भर से किसान, कृषि विशेषज्ञ और अधिकारी शामिल हुए। कृषि, बागवानी, पशुपालन और जैविक खेती में उत्कृष्ट कार्य करने वाले किसानों को सम्मानित किया गया। महिला किसानों को भी उनके विशेष योगदान के लिए प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में जिला प्रमुख वंदना आर्य, भाजपा नेता मधुसूदन राजपुरोहित और कृषि विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। विशेषज्ञों ने उन्नत खेती, जल संरक्षण, जैविक कृषि और पशुपालन की आधुनिक तकनीकों पर चर्चा की। किसानों को नवीनतम कृषि उपकरणों की जानकारी दी गई। इसी प्रकार कृषि विभाग डिप्टी डायरेक्टर डॉ मुकेश माथुर, सहायक निदेशक डॉ कुलदीप शर्मा, एसडीएम डॉ दिव्या चौधरी, तहसीलदार रतनलाल मीणा, आत्मा डिप्टी राजेश कुलहरी, चूरु कॉपरेटिव बैंक के जिला प्रबंधक मदनलाल शर्मा, केवीके के मुख्य वैज्ञानिक डॉ वीके सैनी आदि ने किसानों को जानकारी देकर लाभान्वित किया। आधुनिक कृषि आयोजन की सबसे बड़ी सफलता यह रही कि अनुमान से 200 प्रतिशत अधिक किसानों ने भाग लिया। कार्यक्रम ने किसानों को प्रगतिशील कृषि की ओर प्रेरित किया। इस तरह के आयोजन से किसानों का ज्ञानवर्धन होता है और नई तकनीकों को अपनाकर अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत कर सकते हैं।

सैटेलाइट अस्पताल बना चूरू के लिए नासूर, गढ़ अस्पताल में प्रसव व्यवस्था चौपट

मेडीकल कॉलेज प्राचार्य को सौंपा ज्ञापन

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। लंबे संघर्ष के बाद शुरू हुए गढ़ स्थित मातृ व शिशु अस्पताल में चिकित्सा व्यवस्था एक बार फिर हाशिए पर आ गई है। सेटेलाइट अस्पताल की घोषणा के साथ ही यहां चिकित्सा व्यवस्था हाशिए पर पहुंच गई है। चूरू एकता मंच के जिलाध्यक्ष सलीम खान ने बताया कि उनके एक प्रतिनिधि मंडल ने मेडिकल कॉलेज प्राचार्य डॉ. महेश मोहन पुकार को ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि गढ़ अस्पताल में कार्यरत गायनिक डॉक्टर के राजलदेसर स्थानांतरण और 4 नर्सिंग कर्मचारियों का गढ़ परिसर से राजकीय भरतीया अस्पताल में बदली होने के कारण शहर की प्रसव व्यवस्था ठप्प हो गई है। अब प्रसव करवाने के लिए लोग पहले गढ़ स्थित मातृ व शिशु अस्पताल आते हैं लेकिन सीट पर डॉक्टर नहीं होने के कारण अन्य अस्पताल में जाते हैं। जिनके कारण आम जनता की जेब पर आर्थिक भार पड़ रहा है। राज्य सरकार के आदेश से सैटेलाइट अस्पताल के स्टॉफ के रूप में कुछ नर्सों और एक बच्चे के डॉक्टर की नियुक्ति तो जरूर हुई है लेकिन जांच के लिए कोई लैब नहीं बनाई गई है। समस्या समाधान केंद्र के अध्यक्ष सत्यनारायण व्यास ने बताया कि इस संदर्भ में चिकित्सा अधिकारियों को सूचित करने के बाद भी व्यवस्था में कोई सुधार नहीं हुआ है। जिला कलेक्टर को भी इस विषय से अवगत करवाया गया है। शहर की आधी आबादी मातृ व शिशु अस्पताल से चिकित्सा व्यवस्था प्राप्त करती है। मेडिकल कॉलेज प्राचार्य ने जल्दी ही इस समस्या के स्थाई समाधान का आश्वाशन दिया है। इस अवसर पर कपिल चंदेल, विनोद राठी, किशन किरोड़ीवाल, प्रेमचंद बगड़िया, राकेश वर्मा, बंशी पवार, सुशील शर्मा आदि उपस्थित रहे।

स्वात्वाधिकारी, कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक रामेश्वरलाल जाट द्वारा कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि., सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर में मुद्रित एवं सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर -302013 से प्रकाशित।
सम्पादक : नीतू चौधरी, सी-588, 4सी स्कीम, न्यू लोहा मण्डी रोड, जयपुर-302013 मो. : 7014217770, E-Mail : jaipurtimes2007@gmail.com *पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार, समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर।